MINI SOO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 06 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-304

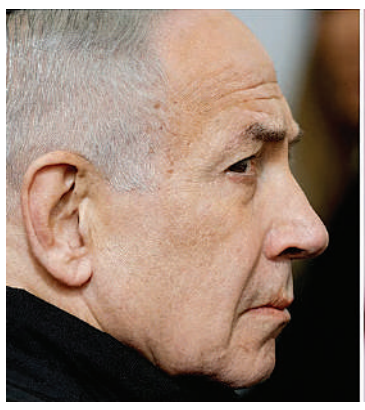
नेतन्याहू अलविदा

विरोधी आइसेनकोट के पास मैजिक नंबर

नई दिल्ली, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

इजरायल में नई सरकार के गठन का रास्ता साफ होता दिखाई दे रहा है। इजरायल की अरब पार्टी जॉइंट लिस्ट ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के प्रतिद्वंद्वी गादी आइसेनकोट को समर्थन देने की घोषणा की है। 11 सीटें जीतने वाली जॉइंट लिस्ट का कहना है कि वह राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से अगले प्रधानमंत्री के रूप में येशर पार्टी के अध्यक्ष गादी आइसेनकोट के नाम की सिफारिश करेगी। राआम पार्टी पहले ही गादी को समर्थन देने की घोषणा कर चुकी है।

द टाइम्स ऑफ इजरायल की 4 नवंबर की रिपोर्ट के मुताबिक, राआम के प्रमुख मंसूर अब्बास ने बयान जारी कर कहा था कि उनकी पार्टी राष्ट्रपति इसाक हर्जोग के सामने आइसेनकोट को अगली सरकार बनाने के लिए समर्थन देने की सिफारिश करेगी। इस पार्टी के पास आठ सीटें हैं। टाइम्स ऑफ इजरायल के अनुसार, जॉइंट लिस्ट का कहना है कि उसके तीनों घटक दलों के बीच लिया गया यह फैसला नेतन्याहू और उनकी सरकार को दोबारा सत्ता में आने से रोकने की जनता की मांग के जवाब में लिया गया है।





नेतन्याहू को सत्ता से बाहर रखने की रणनीति

जॉइंट लिस्ट के नेताओं का कहना है कि आइसेनकोट का समर्थन करना जरूरी है। हालांकि, विपक्षी गठबंधन ने अब तक नेतन्याहू की नीतियों का विरोध करने और अरब नागरिकों के खिलाफ भड़काऊ बयानों का मुकाबला करने के लिए पर्याप्त इच्छाशक्ति नहीं दिखाई है।

जॉइंट लिस्ट का कहना है कि गादी की सरकार मजबूत होनी चाहिए। उनका तर्क है कि इस कदम से सरकार बदलने की संभावना मजबूत होगी और ऐसी मिली-जुली सरकार बनने का खतरा कम होगा, जिसमें नेतन्याहू सत्ता में बने रह सकते हैं।

जॉइंट लिस्ट का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही राष्ट्रपति हर्जोग के सामने यह सिफारिश पेश करेगा।

67 सीटों के साथ बहुमत के पार पहुंचे आइसेनकोट

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की तुलना में आइसेनकोट को इजरायली संसद के अधिक सदस्यों का समर्थन हासिल होता दिखाई दे रहा है। गादी आइसेनकोट जिस गठबंधन की अगुवाई कर रहे हैं, उसे 48 सीटें मिली हैं। वहीं, जॉइंट लिस्ट के पास 11 और राआम पार्टी के पास आठ सीटें हैं। इस तरह कुल मिलाकर इस गठबंधन के पास 67 सीटें हो जाती हैं। 120 सदस्यीय इजरायली संसद में सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 61 है। इस प्रकार आइसेनकोट के समर्थन में बहुमत से छह सीटें अधिक हैं।

इस नए घटनाक्रम के बाद गुरुवार शाम सभी दलों के साथ बातचीत पूरी होने पर आइसेनकोट ऐसी स्थिति में आ गए हैं कि उन्हें प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बजाय राष्ट्रपति हर्जोग से सरकार बनाने का निमंत्रण मिल सकता है। ▶8पर

ट्रंप हार का जश्न!

चीन-भारत समेत 7 बाजार उछले

नई दिल्ली, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में हुए मध्यावधि चुनाव के नतीजों ने राजनीतिक और आर्थिक समीकरण बदल दिए हैं। चुनाव परिणामों से अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी कमजोर हुई है और संसद में भी उनकी ताकत घटने की संभावना जताई जा रही है। इस नतीजे के बाद वैश्विक बाजारों और निवेशकों को उम्मीद जगी है कि अब ट्रंप की आक्रामक और एकतरफा नीतियों, खासकर शुल्क और आयात कर से जुड़े फैसलों पर लगाम लग सकती है। दरअसल, मध्यावधि चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा झटका लगा है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने कांग्रेस पर नियंत्रण हासिल कर लिया है। इस राजनीतिक बदलाव का असर दुनिया के शेयर बाजारों में साफ दिखाई दे रहा है। ट्रंप की पार्टी की हार और अमेरिकी नीतियों में नरमी की संभावनाओं के बीच दुनिया के कई बड़े देशों के शेयर बाजारों में जबरदस्त तेजी दर्ज की गई। खासकर उन देशों के बाजारों में उत्साह देखा जा रहा है, जो ट्रंप की नीतियों से सबसे ज्यादा प्रभावित रहे हैं। इनमें प्रमुख रूप से चीन, भारत, ऑस्ट्रेलिया, हांगकांग, ब्राजील और स्पेन शामिल हैं।



दुनियाभर के बाजारों में जोरदार तेजी

गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स में 2.60 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इससे पहले बुधवार को भी बाजार में अच्छी तेजी देखी गई थी। वहीं, चीन के शेयर बाजार में बुधवार को करीब 2 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इसके अलावा हांगकांग के बाजार में 3.66 प्रतिशत, ऑस्ट्रेलिया के बाजार में 2.63 प्रतिशत, स्पेन के बाजार में 1.37 प्रतिशत, जर्मनी के बाजार में करीब 1 प्रतिशत और फ्रांस के बाजार में 1.17 प्रतिशत की तेजी देखी गई। स्पेन समेत यूरोपीय बाजारों में भी इसके बाद तेज उछाल आया, क्योंकि अटलांटिक पार व्यापारिक तनाव कम होने की उम्मीद जगी है। अमेरिका के साथ व्यापार युद्ध और कड़े आयात शुल्क के नियमों से जूझ रहे अधिकतर देशों के लिए यह राहत की खबर मानी जा रही है। अब अमेरिकी दबाव कम होने की उम्मीद है। ▶8पर

मेलानिया ट्रंप ने करवाया समझौता

रूस-यूक्रेन शांति

नई दिल्ली, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम को लेकर हुए एक कार्यक्रम में अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने बताया कि ओलेश्की शहर और आसपास के खेरसॉन क्षेत्र में युद्धविराम कराने के लिए उन्होंने विशेष मध्यस्थ की भूमिका निभाई। मेलानिया के अनुसार, रूस और यूक्रेन ने शुक्रवार, 23 अक्टूबर को दोनों भाषाओं में तैयार किए गए समझौतों पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने इस पहल में सहयोग देने के लिए दोनों देशों की सराहना भी की।

मानवीय संकट की जानकारी मिलने पर उठाया कदम

मेलानिया ट्रंप ने बताया कि उन्हें सितंबर में ओलेश्की में गंभीर मानवीय संकट की जानकारी मिली थी। हालात की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने तुरंत कदम उठाया। उन्होंने अपने प्रतिनिधि मार्क बेकमैन को निर्देश दिया कि वे उनकी ओर से रूस और यूक्रेन से बातचीत करें तथा ओलेश्की में शांति स्थापित करने के प्रयास करें। मेलानिया के मुताबिक, दोनों



देशों ने उनकी भागीदारी का स्वागत किया। दोनों पक्षों ने स्वीकार किया कि इस क्षेत्र में युद्धविराम कराने के पिछले प्रयास सफल नहीं हो पाए थे। रूस और यूक्रेन ने उनके साथ अपने संबंधों का सम्मान करते हुए विशेष मध्यस्थ के रूप में उनके साथ काम करने पर सहमति जताई। इस पहल का उद्देश्य ओलेश्की के लोगों तक आवश्यक सहायता पहुंचाना और आम नागरिकों के लिए सुरक्षित रास्ता तैयार करना था, ▶8पर

यूजीसी पर यू-टर्न

नई दिल्ली, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों को लेकर जारी विवाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए राजनीतिक चुनौती बनता जा रहा है। इस बीच सर्वोच्च न्यायालय में हुई सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने इन नियमों की समीक्षा के लिए समिति बनाने की तैयारी की जानकारी दी है।

सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि नियमों पर पुनर्विचार किया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इनके लागू होने के बाद किसी भी छात्र के मन में कोई आशंका न रहे। सर्वोच्च न्यायालय ने भी कहा कि प्रत्येक छात्र के हितों की रक्षा सुनिश्चित करना जरूरी है।

यूजीसी विवाद का राजनीतिक असर भी दिखाई देने लगा है। हाल ही में हुए विधान परिषद के चुनावों में भाजपा को अपने गढ़ में झटका लगा। इसके पीछे सवर्ण समाज की नए यूजीसी नियमों को लेकर नाराजगी को भी एक वजह बताया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए यह घटनाक्रम भाजपा के लिए काफी अहम माना जा रहा है। पार्टी को आशंका

नियमों की समीक्षा के लिए कमेटी



है कि इस मुद्दे का असर युवाओं और नए मतदाताओं पर पड़ सकता है।

केशव मौर्य के कार्यक्रम में यूजीसी को लेकर नारेबाजी

यूजीसी विवाद को लेकर भाजपा की परेशानी का अंदाजा 2 नवंबर को प्रयागराज के परेड ग्राउंड में हुए एक कार्यक्रम से लगाया जा सकता है। यहां उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भाषण दे रहे थे, तभी कुछ युवाओं ने यूजीसी के नए नियमों को लेकर नारेबाजी शुरू कर दी।

नारेबाजी कर रहे युवाओं ने केशव प्रसाद मौर्य से यूजीसी के बारे में जवाब मांगा। इस पर मौर्य ने कहा कि वह हर मुद्दे पर बात करेंगे और किसी भी विषय पर बोलने से पीछे नहीं हटते। कार्यक्रम में विवाद की स्थिति बनने के बाद पुलिस सक्रिय हुई और नारेबाजी कर रहे रोहित तिवारी को अपने साथ ले गई। आरोप है कि इस दौरान उनके साथ मारपीट भी की गई।

इस घटना ने उत्तर प्रदेश में यूजीसी के नए नियमों को लेकर भाजपा के परंपरागत मतदाताओं की नाराजगी को एक बार फिर सामने ला दिया। पार्टी को आशंका है कि इस तरह के वीडियो प्रसारित होने से उसे राजनीतिक नुकसान हो सकता है और जनता के सवालों का जवाब देना मुश्किल हो सकता है।

सर्वोच्च न्यायालय में केंद्र ने क्या कहा?

यूजीसी के नए नियमों को लेकर विवाद के बीच सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। इस दौरान केंद्र सरकार ने बताया कि नियमों पर पुनर्विचार के लिए समिति गठित करने की तैयारी की जा रही है। ▶8पर

आतंक की 'भट्टी'

पहले रिल्स से दोस्ती, फिर सुपारी



नई दिल्ली, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

इंस्टाग्राम पर रील्स देखते-देखते कब कोई व्यक्ति आतंकी नेटवर्क के जाल में फंस जाए, इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। पाकिस्तान में बैठे गैंगस्टर शहजाद भट्टी और उसके नेटवर्क पर भारतीय युवाओं को इसी तरह निशाना बनाने का आरोप है। एक पड़ताल में सामने आया है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर काम करने वाले पांच पाकिस्तानी एजेंट इंस्टाग्राम के माध्यम से युवाओं का भरोसा जीतते थे और फिर उन्हें आतंकी गतिविधियों के लिए तैयार करने की कोशिश करते थे। आरोप है कि सोशल मीडिया रील्स के जरिए पहले दोस्ती की जाती थी और बाद में हत्या की सुपारी तक दी जाती थी।

गृह मंत्री अमित शाह ने 17 अगस्त को सोशल मीडिया पर पोस्ट के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस के आसपास होने वाले एक बड़े आतंकी हमले की साजिश नाकाम करने की जानकारी दी थी। इसके बाद 16 सितंबर को उन्होंने शहजाद भट्टी के नेटवर्क को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत आतंकी संगठन घोषित किए जाने का ऐलान किया था।

जांच के मुताबिक, इस नेटवर्क में शहजाद भट्टी, आबिद जट्ट, अजमल गुज्जर, राणा हुसैन और हसन गुज्जर शामिल हैं। ये लोग इंस्टाग्राम के अलग-अलग खातों के माध्यम से 18 से 25 वर्ष की आयु के युवाओं से संपर्क करते थे। उन्हें पैसे, पाकिस्तान अथवा विदेश में बसाने और मजहबी भावनाओं के नाम पर अपने जाल में फंसाया जाता था।

इंस्टाग्राम रील्स से शुरू होता था संपर्क

जांच में पता चला कि ये एजेंट सीधे किसी व्यक्ति को आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के लिए नहीं कहते थे। पहले वे वीडियो और रील्स के माध्यम से युवाओं के बीच अपनी पहचान बनाते थे। इसके बाद निजी बातचीत शुरू की जाती थी। धार्मिक भावनाओं को भड़काने के साथ-साथ पैसे और विदेश में बसाने का लालच दिया जाता था।

दिल्ली के एक युवक के इंस्टाग्राम पर करीब तीन लाख अनुयायी थे। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर



मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29⁰
न्यूनतम : 16⁰





अपनी जरूरतों के लिए जिस आग को हवा दी थी, वही आग उसके इलाकों तक पहुंची

पाक की मौजूदा परेशानी का सबसे बड़ा कारण बना टीटीपी, आए दिन करता है हमले

इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के साथ लगे इलाके में ऐसे आतंकी और कट्टरपंथी नेटवर्क को बढ़ावा दिया था, जिन्हें भारत और अफगानिस्तान के खिलाफ रणनीतिक फायदे के तौर पर देखा जाता था, लेकिन अब वही नेटवर्क पाकिस्तान के लिए चुनौती बन गया है।

जिस आग को पाकिस्तान ने अपनी रणनीतिक जरूरतों के लिए हवा दी थी, आज उसकी लपटें उसके अपने इलाकों तक पहुंच रही हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के जानकारों ने पाकिस्तान को अफगानिस्तान की जमीन से होने वाले सीमा पार हमलों को लेकर गंभीर सुरक्षा चिंताओं को स्वीकार किया है, हालांकि उन्होंने यह भी माना कि अफगानिस्तान में तालिबान सरकार पर अमेरिका का प्रभाव बेहद सीमित है।

पाकिस्तान की सैन्य रणनीति में लंबे समय से स्ट्रैटेजिक डेप्थ यानी रणनीतिक गहराई की अवधारणा अहम रही है। इसका मतलब था कि अफगानिस्तान में ऐसा राजनीतिक और रणनीतिक प्रभाव बनाए रखा जाए, जिससे भारत के साथ किसी संभावित संघर्ष की स्थिति में पाकिस्तान को पश्चिमी सीमा पर सुरक्षा का भरोसा मिल सके। इस सोच के तहत पाकिस्तान पर अफगानिस्तान में अपने अनुकूल ताकतों और कट्टरपंथी संगठनों को समर्थन देने के आरोप लगते रहे हैं। हालांकि, समय के साथ हालात बदल गए। अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद पाकिस्तान को उम्मीद थी कि काबुल में उसकी सुरक्षा चिंताओं को प्राथमिकता मिलेगी, लेकिन हुआ इसका उल्टा- दोनों देशों के बीच सीमा विवाद और आतंकवाद को लेकर तनाव बढ़ता गया।

पाकिस्तान की मौजूदा परेशानी का सबसे बड़ा कारण तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) है। यह एक अलग संगठन है, जिसे पाकिस्तानी तालिबान भी कहा जाता है और इसका उद्देश्य पाकिस्तान में अपनी कट्टरपंथी विचारधारा से शासन व्यवस्था स्थापित करना है। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी के लड़ाके अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल करके पाकिस्तान में हमले करते हैं और हमलों के बाद वहां शरण लेते हैं। लगातार हो रहे इन हमलों ने पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद पाकिस्तान को उम्मीद थी कि दोनों देशों के संबंध और मजबूत होंगे, लेकिन सीमा पार आतंकवाद और डूरंड लाइन को लेकर विवादों ने ऐसा होने नहीं दिया। भारत इस पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है, क्योंकि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ता तनाव दक्षिण एशिया के सुरक्षा समीकरणों को प्रभावित कर सकता है।

न्यूज ब्रीफ

हिंदुओं और यहूदियों की दोस्ती..मुसलमानों और पाकिस्तान के खिलाफ, मुनीर ने तुर्की, सऊदी अरब और ईरान के साथ बैठक में यह बात कही



इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने हाल ही में तुर्की, सऊदी अरब और ईरान के सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक में हिंदुओं और यहूदियों के बीच बढ़ते संबंधों को लेकर कथित तौर पर चिंता जाहिर की है, इस गठजोड़ को उन्होंने मुसलमानों और पाकिस्तान के खिलाफ बताया। इसका दावा ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी मोहसिन रेजाई ने किया है, जिसके बाद क्षेत्रीय कूटनीति में नई चर्चाएं तेज हो गई हैं। रेजाई के अनुसार, यह टिप्पणी 26 अक्टूबर को तेहरान में आयोजित चार देशों की सुरक्षा बैठक के दौरान की गई थी, इसमें पाकिस्तान, ईरान, सऊदी अरब और तुर्की के शीर्ष सुरक्षा प्रमुखों ने हिस्सा लिया था। रेजाई का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वे जनरल मुनीर और तुर्की के खुफिया प्रमुख इब्राहिम कलिन का जिक्र कर भारत-इजरायल संबंधों को पाकिस्तान और संपूर्ण मुस्लिम जगत के लिए खतरा बता रहे हैं।

अफगानिस्तान में अफीम की पैदावार पांच गुना तक बढीः रिपोर्ट



काबुल। अफगानिस्तान में पिछले एक साल में अफीम की पैदावार पांच गुना तक बढ़ गई है। तालिबान के सख्त प्रतिबंधों के बावजूद अफीम की खेती और उत्पादन में भारी उछाल आया है। यह खुलासा हुआ है संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) के ताजा सर्वेक्षण में। मालूम हो कि तालिबान ने अगस्त 2021 में सत्ता में आने के बाद अप्रैल 2022 में धार्मिक कारणों का हवाला देते हुए अफीम की खेती और सभी नशीले पदार्थों पर प्रतिबंध लगा दिया था। तालिबान ने कहा था कि अफीम इस्लामी मान्यताओं के विरुद्ध है और इसका समाज पर विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। हालांकि, जानकारों के अनुसार, इस प्रतिबंध के पीछे राजनीतिक वैधता, अंतरराष्ट्रीय छवि और देश के भीतर नशे की समस्या से निपटने का दबाव भी एक अहम कारण था। प्रतिबंध के बाद कुछ समय तक अफीम की खेती में गिरावट देखी गई, लेकिन अब यह फिर से तेजी पकड़ रही है। यूएनओडीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रतिबंध के बाद लगभग 10 हजार हेक्टेयर भूमि पर अफीम की खेती हो रही थी, जो अब 330 प्रतिशत बढ़कर 43 हजार हेक्टेयर से अधिक हो गई है। इसी अवधि में अनुमानित उत्पादन भी लगभग 300 टन से बढ़कर 1,500 टन के करीब पहुंच गया है। हालांकि, यह आंकड़ा अभी भी प्रतिबंध से पहले के स्तर (लगभग 2 लाख 32 हजार हेक्टेयर) से काफी कम है। इतनी सख्ती के बावजूद किसान अफीम की खेती कैसे कर पा रहे हैं, यह बड़ा सवाल है। किसान इस प्रतिबंध से बचने के लिए नए तरीके अपना रहे हैं। वे अनाज के खेतों के बीच या चारदीवारी के भीतर छोटे-छोटे हिस्सों में अफीम उगा रहे हैं।

खगोलविदों ने की मृत तारे के चारों ओर मलबे की दोहरी डिस्क की खोज



वाशिंगटन। चिली स्थित वेरी लार्ज टेलिस्कोप का उपयोग करके खगोलविदों ने एक मृत तारे, जे1328-1450, के चारों ओर मलबे की एक अनोखी दोहरी डिस्क की खोज की है। इस खोज में गैस के दो अलग-अलग छल्ले मिले हैं, जिनके बीच एक स्पष्ट खाली जगह मौजूद है। यह सफेद बौना तारा, जो कभी हमारे सूरज जैसा था, अपने जीवन के अंतिम चरण में अपनी बाहरी परतों को त्याग चुका है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस भयानक तबाही के बाद भी प्लूटो के आकार का एक पिंड बचा हुआ है, और यह दुर्लभ ढांचा भविष्य में हमारे सौरमंडल और पृथ्वी के संभावित अंत की एक झलक दिखाता है। यह खोज इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पहले देखे गए कई मलबा डिस्क प्रणालियों से अलग है। आमतौर पर सफेद बौने तारों के आसपास गैस वाली मलबा डिस्क एक घूमते हुए घेरे के रूप में दिखाई देती है। ताजा अध्ययन में, गैस से निकलने वाली रोशनी के स्पेक्ट्रम में चार अलग-अलग पीक मिलीं, जिससे वैज्ञानिकों को दो अलग-अलग डिस्क की मौजूदगी का संकेत मिला, जो भिन्न-भिन्न गति से घूम रही हैं और जिनके बीच एक स्पष्ट गैप है।

चुनाव में पराजय के बाद ईरान से युद्ध पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने सीमित विकल्प

वाशिंगटन (अमेरिका)

मध्यावधि चुनाव में अमेरिकी संसद पर डेमोक्रेट्स के नियंत्रण से रिपब्लिकन पार्टी के नेता और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चेहरे की हवाइयां उड़ी हुई हैं। उन्होंने और उनके प्रमुख सिपहसालारों ने स्वीकार कर लिया है कि इस पराजय की प्रमुख वजह ईरान युद्ध है। मध्यावधि चुनाव के नतीजों से वाशिंगटन में हलचल बढ़ गई। युद्ध विशेषज्ञों का मानना है कि अब राष्ट्रपति ट्रंप के सामने ईरान के साथ युद्ध करने या उसे रोकने के लिए सीमित विकल्प हैं।

इस बार एक्सिओस ने बेहद दिलचस्प रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट के अनुसार, हार के बाद ईरान को लेकर ट्रंप के सामने ज्यादातर खराब विकल्प ही हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने मान लिया है कि चुनाव में ईरान को लेकर चल रहे संघर्ष की वजह से रिपब्लिकन पार्टी को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। अब उन्हें तय करना है कि वे नुकसान कम करने के लिए कोई समझौता कर लें या फिर अपनी रणनीति पर और जोर देते हुए बमबारी का रास्ता अपनाएं।

पहला विकल्प- हमला करना, लेकिन फिर से युद्ध की ओर जाना लोगों को बिल्कुल पसंद नहीं आएगा। इससे गैस की कीमतें ऊंची बनी रहेंगी और शायद कोई बेहतर सैन्य नतीजा भी न निकले।

दूसरा विकल्प- बातचीत करना हो सकता है। अगर ईरानी अधिकारी कोई रियायत देने से इनकार कर दें या राष्ट्रपति की राजनीतिक हार के बाद उन्हें कमजोर समझकर अपनी मांगें और बढ़ा दें तो ट्रंप के लिए समझौता करना बहुत मुश्किल हो जाएगा।

तीसरा विकल्प- मौजूदा स्थिति को बनाए रखना। यानी नौसैनिक नाकाबंदी और बेहद कड़े आर्थिक प्रतिबंध, जिससे ईरानी शासन अंदर ही अंदर घुटता रहे और साथ ही यह देखते रहना कि क्या वे किसी समझौते के लिए तैयार होते हैं। हालांकि, इस रास्ते पर कोई प्रगति दिखने में महीनों लग सकते हैं।

बड़ी तस्वीर- राष्ट्रपति कई हफ्तों से कह रहे हैं कि चुनाव के बाद वे किसी न किसी तरह इस संघर्ष को खत्म कर देंगे। उनके एक पूर्व सलाहकार ने बताया कि चुनाव हारना एक अलग बात है, लेकिन ट्रंप नहीं चाहेंगे कि वे दूसरी बार भी हारने वाले के रूप में दिखें। इस वजह से उनके सबसे करीबी सहयोगी भी यह नहीं समझ पा रहे हैं कि वे आगे क्या करने वाले हैं।



दिलचस्प: एक असाधारण बयान में उपराष्ट्रपति वेंस ने मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी (जीओपी) की करारी हार के लिए सीधे तौर पर इस संघर्ष को जिम्मेदार ठहराया। इससे ट्रंप के फैसले के पीछे एक नया राजनीतिक समीकरण जुड़ गया है। वेंस ने एक्स पर लिखा, हम इसलिए हारे क्योंकि युद्ध चल रहा था। कल रात खुद राष्ट्रपति ने भी यही बात कही। अगर आप यह तर्क देना चाहते हैं कि यह सब जायज था - यानी अगले 6 सालों के लिए सीनेट में हार जाना भी ठीक था तो बेशक ऐसा कहें. लेकिन हर कोई जानता है कि हम क्यों हारे। और अब आगे क्या करना है, इस पर कोई भी ईमानदार चर्चा यहीं से शुरू होनी चाहिए।

वेंस ने यह भी कहा कि इजराइल के साथ अमेरिका के संबंधों ने रिपब्लिकन के लिए एक बड़ी मुसीबत खड़ी कर दी है। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि वेंस का विश्लेषण काफी हद तक सही है, क्योंकि युद्ध की वजह से गैस की कीमतें बढ़ गई थीं। लेकिन ट्रंप ने कहा कि अगर उन्हें फिर से ऐसा करना पड़े, तो वे करेंगे, हमारे पास कोई और विकल्प नहीं था। आप ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने नहीं दे सकते। उनसे पूछा गया कि वे युद्ध कब खत्म करेंगे, तो ट्रंप ने जवाब दिया, जब भी मैं चाहूं। लेकिन इसे सही तरीके से किया जाना चाहिए, क्योंकि उनके पास परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए।

पर्दे के पीछे : हाल के महीनों में वेंस ने ट्रंप के करीबी लोगों के बीच एक ऐसे गुट का नेतृत्व किया है, जो उन्हें युद्ध खत्म करने के लिए ईरान के साथ समझौता करने की सलाह दे रहा था। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने निजी तौर पर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर आरोप लगाया कि ईरान के मामले में वे हर बात पर गलत हैं। सूत्रों ने बताया कि वेंस ने चेतावनी दी थी कि यह युद्ध बहुत अलोकप्रिय है और इसकी वजह से रिपब्लिकन को चुनाव में हार का सामना करना पड़ सकता है।

ट्रंप के आसपास के ज्यादातर वरिष्ठ अधिकारियों ने वेंस के विचारों से सहमति जताई। लेकिन ट्रंप का झुकाव फिर भी युद्ध को दोबारा शुरू करने की तरफ था। एक समय तो उन्होंने मध्यावधि चुनाव से पहले ही हमले करने पर विचार किया था, क्योंकि नेतन्याहू उन पर ऐसा करने के लिए दबाव डाल रहे थे। ट्रम्प ने इंतजार करने का फैसला किया। लेकिन अपने शीर्ष सलाहकारों की राय के उलट उन्होंने पिछले हफ्ते इजराइल के चुनाव में नेतन्याहू का समर्थन किया।

मौजूदा स्थिति: अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि अमेरिकी सेना ईरान में बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान फिर से शुरू करने की तैयारी पूरी कर रही है, जिसके तहत उस क्षेत्र में और अधिक संसाधन भेजे जा रहे हैं। वहीं, क्षेत्रीय सूत्रों का कहना है कि कतर के मध्यस्थ, अमेरिका और ईरान को एक समझौते के मसौदे पर सहमत करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि युद्ध को दोबारा शुरू होने से रोका जा सके और आने वाले दिनों में दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत फिर से शुरू हो सके।

चुनाव से पहले मध्यस्थों ने व्हाइट हाउस के अधिकारियों से पूछा था कि अगर ट्रंप हार जाते हैं, तो वे क्या करेंगे। मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया कि राष्ट्रपति के सलाहकार इस बारे में कुछ भी पक्के तौर पर नहीं कह सके। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा, हमने सभी से यही कहा कि पहले हम यह देखना चाहते हैं कि चुनाव के नतीजे हमारे पक्ष में कैसे रहते हैं। दूसरी तरफ, ईरानी अधिकारियों ने ट्रंप की चुनावी हार का जश्न मनाया और कहा कि इससे साबित होता है कि वे जंग जीत रहे हैं।

ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहसेन रेजाई ने एक्स पर लिखा, ईरानी राष्ट्र ने ट्रंप को युद्ध के मैदान और होर्मुज जलडमरूमध्य में एक रणनीतिक हार दी है और वाशिंगटन में एक राजनीतिक हार दी है। उन्होंने कहा, इस बीच, अमेरिकी लोग उनके युद्ध का खर्च उठाने में फंस गए हैं। जो कोई भी ईरान से उलझेगा, उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगीष चाहे वह युद्ध का मैदान हो या उनका अपना घर।

बांग्लादेश की राजधानी के मीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात



ढाका (बांग्लादेश)

बांग्लादेश की राजधानी ढाका के अशांत मीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। यहां के कपड़ा उद्योग के कर्मचारी कई दिन से 30,000 टका मासिक न्यूनतम वेतन निर्धारित करने की मांग कर रहे हैं। इन कर्मचारियों के प्रदर्शनों के दौरान मीरपुर औद्योगिक क्षेत्र - 2 में हुई हिंसा ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। मीरपुर औद्योगिक क्षेत्र-2 में कानून प्रवर्तन एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस अधिकारी सड़कों पर गश्त कर रहे हैं और लोगों को इकट्ठा होने से रोक रहे हैं। सुरक्षा के ये कड़े इंतजाम गुरुवार सुबह से लागू किए गए हैं। पल्लबी था प्रभारी जलालुद्दीन ने बताया कि गुरुवार को अब तक श्रमिक सड़कों पर नहीं उतरे हैं। पुलिस किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। अतिरिक्त पुलिस बल तैनात है। फिलहाल स्थिति सामान्य है।

इन कर्मचारियों ने पहली नवंबर को 30,000 टका न्यूनतम मासिक वेतन निर्धारित करने की मां के समर्थन में मीरपुर में सड़कें जाम कर दी थीं। सुबह से लेकर दोपहर तक श्रमिकों और पुलिस के बीच रुक-रुक कर झड़पें होती रहीं और पुलिस उन्हें खदेड़ती रही। इस दौरान, मीरपुर-11 मेट्रो रेल स्टेशन के नीचे पुलिस की एक गाड़ी में आग लगा दी गई। बाद में, पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में मीरपुर के अलग-अलग इलाकों से कई लोगों को हिरासत में लिया। सोमवार और मंगलवार को भी श्रमिकों ने मीरपुर में विरोध प्रदर्शन किए थे।

वेतन की मांग को लेकर गाजीपुर, सावर, अशुलिया और नारायणगंज में भी इसी तरह के प्रदर्शन हुए। झड़पें हुईं। उत्पादन बाधित हुआ और कई कारखानों को अपना कामकाज रोकना पड़ा। इस बीच, गाजीपुर में हुए हंगामे के दौरान घायल हुए श्रमिक तौफीक शेख की मंगलवार को ढाका के उत्तरा स्थित शिन-शिन जापान अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

गूगल के एआई डेटा सेंटर के लिए काटे 4 लाख पेड़, बढा विवाद



हेलसिंकी। गूगल के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) डेटा सेंटर के निर्माण के लिए फिनलैंड में लगभग 4 लाख पेड़ों की कटाई बडा विवाद खडा हो गया है। एआई डेटा सेंटर की स्थापना के लिए फिनलैंड के मुहोस और ओतानमाकी इलाकों में भारी संख्या में पेड़ों को काटा गया। मुहोस में करीब ढाई लाख और ओतानमाकी के पास डेढ़ लाख पेड़ काटे गए। कुल 4 लाख पेड़ों के नष्ट होने की पुष्टि फिनिश एसोसिएशन फार नेचर कंजर्वेशन के विशेषज्ञों ने की है। कंपनी ने आवश्यक पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) प्रक्रिया पूरी किए बिना ही पेड़ों की कटाई शुरू कर दी। इस अनियमितता के बाद, फिनलैंड के लाइसेंसिंग एंड सुपरविजन अथारिटी ने दोनों जगहों पर निर्माण कार्य को अस्थायी रूप से रोकने का आदेश दिया। कंपनी के अधिकारियों ने पेड़ों की कटाई के लिए माफी मांगते हुए कहा कि उन्होंने उस समय कानून की अपनी समझ के आधार पर काम किया था। यह परियोजना 13 अरब यूरो के भारी निवेश का हिस्सा है, जिसे फिनलैंड में अपनी तरह का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट बताया जा रहा है। फिनलैंड की ठंडी जलवायु, जमीन की उपलब्धता और भू-राजनीतिक स्थिरता इसे डेटा सेंटर कंपनियों के लिए आकर्षक बनाती है। देश के प्रधानमंत्री ने भी इस निवेश से आर्थिक लाभ की उम्मीद जताई थी।

रूस-यूक्रेन युद्ध में आया नया मोड़, दोनों देशों के आपातकालीन ऐप पर साइबर अटैक

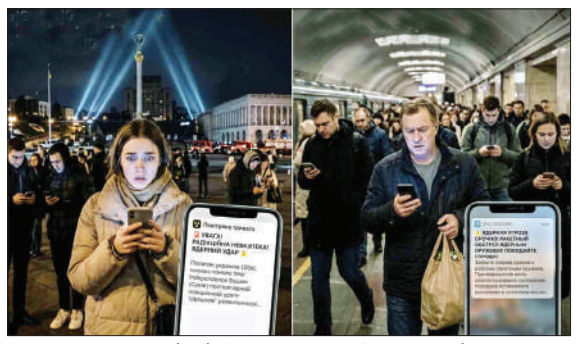
लोग हुए चिंतित, अधिकारियों ने कहा- परमाणु हमले या रेडिएशन से जुड़ा खतरा नहीं

मास्को

रूस-यूक्रेन युद्ध अब साइबर दुनिया में भी एक नया मोड़ लेता नजर आ रहा है। दोनों देशों के आपातकालीन चेतावनी सिस्टम पर साइबर हमला हुआ, जिसके बाद लोगों के मोबाइल फोन पर परमाणु हमले और रेडिएशन के खतरे से जुड़े फर्जी संदेश भेजे गए। इस घटना से आम लोगों के बीच भ्रम और चिंता पैदा हो गई, हालांकि अधिकारियों ने साफ किया कि परमाणु हमले या रेडिएशन से जुड़ा कोई असल खतरा नहीं था। बता दें 1 नवंबर की रात यूक्रेन की राजधानी कीव समेत कई इलाकों में लोगों के मोबाइल फोन पर असामान्य अलर्ट आने लगे। ये अलर्ट यूक्रेन के आधिकारिक एयर अलर्ट ऐप के जरिए भेजे गए थे, जिसका इस्तेमाल आमतौर पर रूस की ओर से होने वाले मिसाइल और ड्रोन हमलों की चेतावनी देने के लिए किया जाता है।

इस बार लोगों को रेडिएशन के खतरे, केमिकल अटैक की आशंका और रूस की ओरेशिनक हाइपरसोनिक मिसाइल से परमाणु हमले की चेतावनी से जुड़े संदेश मिले। ओरेशिनक, रूस की ऐसी बैलिस्टिक मिसाइल है, जो परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है, जिससे संदेश ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है।

यूक्रेन की वायुसेना ने लोगों को बताया कि ऐप के साथ दुश्मन की ओर से



छेड़छाड़ की आशंका है और रेडिएशन का कोई खतरा नहीं है। इस ऐप को 2022 में रूस के हमले के बाद लान्च किया गया था और यह मोबाइल साइलेंट मोड पर होने के बावजूद भी अलर्ट दे सकता है। जनवरी 2026 तक इस ऐप के करीब 66 लाख एक्टिव यूजर थे। यूक्रेन में साइबर हमले के कुछ घंटे बाद रूस के इमरजेंसी सिचुएशंस मंत्रालय के मोबाइल ऐप को भी निशाना बनाए जाने की खबर आई। रूस में भी हैकर्स ने लोगों को परमाणु हमले से जुड़े फेक मैसेज भेजे, जिसमें दावा किया गया कि रूस के सभी क्षेत्रों की ओर परमाणु हथियारों से लैस मिसाइलें लान्च कर दी गई हैं और लोगों को तीन सप्ताह तक का भोजन जमा करने व बेसमेंट में पनाह लेने की सलाह दी गई।

यूक्रेन समर्थक हैकिंग समूह अतेश ने रूस के ऐप पर हमले की जिम्मेदारी लेने का दावा किया। जानकारों के मुताबिक हैकर्स ने संभवत: एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) के जरिए सिस्टम तक पहुंच बनाई। इस हमले के पीछे किसका हाथ था, इसकी आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है। रूस और यूक्रेन दोनों ने एक-दूसरे से जुड़े हैकर समूहों की गतिविधियों का आरोप लगाया है, लेकिन यह घटना दिखाती है कि युद्ध सिर्फ मिसाइलों तक सीमित नहीं है, बल्कि डिजिटल सिस्टम और साइबर हमले भी अहम हथियार बन रहे हैं।

नेपाल में पत्रकारों, सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर, कंटेट क्रिएटर को कानून के दायरे में लाने की कोशिश

काठमांडू

नेपाल सरकार ने पत्रकारिता और सोशल मीडिया को नियंत्रित करने के लिए नेपाली प्रेस परिषद को जांच, कार्रवाई और सार्वजनिक रूप से क्षमायाचना करने की सजा देने का अधिकार देने के लिए कानून में संशोधन करने वाला अध्यादेश राष्ट्रपति को मंजूरी के लिए भेजा है।

अध्यादेश में पत्रकारों और मीडिया संस्थानों से लेकर कंटेंट क्रिएटर तथा इन्फ्लुएंसर तक को आचार संहिता के दायरे में लाने के साथ ही बार-बार उल्लंघन करने वालों को सरकारी सुविधाएं रोकने की सिफारिश करने और उल्लंघनकर्ताओं की सूची सार्वजनिक करने का प्रावधान किया गया है। राष्ट्रपति पौडेल से प्रमाणित होने के बाद अध्यादेश लागू होगा।

नेपाल पत्रकार महासंघ ने संसदीय प्रक्रिया को दरकिनार कर सरकार द्वारा प्रेस पर नियंत्रण बढ़ाने की कोशिश का आरोप लगाते हुए राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल से अध्यादेश को प्रमाणित नहीं करने का आग्रह किया है।

अध्यादेश में आनलाइन, सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों से पत्रकारिता करने वाले व्यक्तियों तथा मीडिया संस्थानों को भी पत्रकारिता संबंधी आचार संहिता के दायरे में लाने का प्रावधान किया गया है। सरकार द्वारा जारी अध्यादेश में कहा गया है कि कोई व्यक्ति खुद को संचारकर्मी, कंटेंट क्रिएटर, प्रस्तोता, इन्फ्लुएंसर या किसी अन्य नाम से पहचाने, लेकिन यदि वह पत्रकारिता का काम करता है तो उस पर पत्रकारिता संबंधी आचार संहिता लागू होगी।

प्रस्तावित व्यवस्था के अनुसार, कानून के तहत आचार संहिता, शिकायतों की सुनवाई और कार्रवाई संबंधी प्रावधान आनलाइन, सोशल मीडिया, मोबाइल एप्लिकेशन तथा वर्तमान या भविष्य में विकसित होने वाले अन्य डिजिटल और इलेक्ट्रानिक माध्यमों से पत्रकारिता करने वाले व्यक्तियों और मीडिया संस्थानों पर भी लागू होंगे।

विदेशी मीडिया संस्थानों या समाचार



एजेंसियों के लिए नेपाल में पत्रकारिता करने वाले नेपाली और विदेशी पत्रकारों के साथ ही नेपाल में स्वतंत्र रूप से पत्रकारिता करने वाले विदेशी पत्रकारों पर भी नेपाली कानून के अनुसार पत्रकारिता संबंधी आचार संहिता लागू करने का प्रस्ताव है। हालांकि, प्रस्तावित व्यवस्था में व्यक्तिगत अभिव्यक्ति को आचार संहिता के दायरे से बाहर रखा गया है। किसी व्यक्ति द्वारा अपने निजी सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से व्यक्त किए गए व्यक्तिगत विचार, धारणा, अनुभव या प्रतिक्रिया तथा समसामयिक विषयों पर व्यक्तिगत टिप्पणी, विश्लेषण या आलोचना को पत्रकारिता का काम नहीं माना जाएगा। ऐसी सामग्री पर पत्रकारिता संबंधी आचार संहिता लागू नहीं होगी। इसी तरह हास्य-व्यंग्य, कला, साहित्य और मनोरंजन संबंधी सामग्री को भी आचार संहिता के दायरे से बाहर रखने का प्रस्ताव है। सरकार की प्रस्तावित व्यवस्था से पत्रकारिता की परिभाषा को डिजिटल माध्यमों तक विस्तारित करते हुए सामग्री तैयार करने और प्रसारित करने वाले व्यक्तियों को भी नियमन के दायरे में लाने की कोशिश दिखाई देती है। अध्यादेश में मीडिया संस्थान के संपादकीय नियंत्रण वाले सोशल मीडिया अकाउंट से प्रकाशित या प्रसारित सामग्री की जिम्मेदारी संबंधित मीडिया संस्थान पर डालने का प्रावधान किया गया है। प्रस्तावित कानूनी व्यवस्था के अनुसार, मीडिया संस्थान के संपादकीय नियंत्रण वाले सोशल मीडिया अकाउंट से प्रकाशित या प्रसारित समाचार, शीर्षक, तस्वीर, वीडियो, थंबनेल, कैप्शन और लाइव प्रसारण की संपादकीय जिम्मेदारी संबंधित मीडिया संस्थान की होगी। समाचार एजेंसी या समाचार समिति द्वारा तैयार और भेजी गई सामग्री के मामले में एजेंसी या समिति तथा उस सामग्री को प्रकाशित या प्रसारित करने वाले मीडिया संस्थान को अपनी-अपनी संपादकीय भूमिका की सीमा तक पत्रकारिता संबंधी आचार संहिता का पालन करना होगा। प्रस्तावित व्यवस्था में यह भी कहा गया है कि यदि किसी देशी या विदेशी समाचार एजेंसी या समिति द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री में तथ्यात्मक त्रुटि या भ्रामक प्रस्तुति की पुष्टि होती है तो संबंधित एजेंसी या समिति को सामग्री में सुधार कर इसकी जानकारी तत्काल उन मीडिया संस्थानों को देनी होगी, जिन्हें सामग्री उपलब्ध कराई गई थी। यदि समाचार एजेंसी या समिति से प्राप्त तथ्यात्मक रूप से गलत या भ्रामक सामग्री मीडिया संस्थान पहले ही प्रकाशित या प्रसारित कर चुका है तो उसे आवश्यक सुधार प्रकाशित या प्रसारित करना होगा और इसकी जानकारी भी देनी होगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

परिवार के लोगों के बीच पैसे को लेकर आज कहासुनी हो सकती है। पैसों के मामलों में आपको परिवार के सभी लोगों को स्पष्ट होने की सलाह देनी चाहिए। दफ़्तर की राजनीति हो या फिर कोई विवाद, चीज़ें आपके पक्ष में झुकी नज़र आएंगी। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। अपनी बातों को सही साबित करने के लिए आज के दिन आप अपने संगी से झगड़ सकते हैं। हालांकि आपका साथी समझदारी दिखाते हुए आपको शांत कर देगा। जब आपको लगता है कि आपके पास घर वालों या अपने दोस्तों के लिए टाइम नहीं है तो आपका मन खराब हो जाता है।पारिवारिक विवादों के कारण आज आपका वैवाहिक जीवन प्रभावित रह सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आस-पास के लोगों का सहयोग आपको सुखद अनुभूति देगा। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आपके महंगे तोहफ़े भी आपके प्रिय के चेहरे पर मुस्कान लाने में नाकाम साबित होंगे,दफ़्तर की राजनीति हो या फिर कोई विवाद, चीज़ें आपके पक्ष में झुकी नज़र आएंगी। अपने जिगरी यारों के साथ आज आप खाली समय का आनंद लेने का विचार बना सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। शाम को साथियों का साथ मज़ेदार रहेगा। नौकरी बदलना मददगार साबित होगा। आप अपनी वर्तमान नौकरी को छोड़कर किसी नए क्षेत्र जैसे कि मार्केटिंग वग़ैरह में जा सकते हैं, जो आपके लिए बढ़िया रहेगा। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

कुछ दिलचस्प पढ़कर थोड़ी दिमाग़ी कसरत करें। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन-देन करने के लिए अच्छा दिन है। आज आप अपने दोस्त की महक उसकी अनुपस्थिति में महसूस करेंगे। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। आपका जीवनसाथी हाल में हुई खटपट को भुलाकर अपने अच्छे स्वभाव का परिचय देगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे- लेकिन ख़र्च में इज़ाफ़ा आपके लिए बचत को और ज़्यादा मुश्किल बना देगा। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। प्रेम-जीवन में आशा की नयी किरण आयेगी। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। आपका व्यक्तित्व और लोगों से थोड़ा अलग है आप अकेले वक्त बिताना पसंद करते हैं। आज आपको अपने लिए वक्त तो मिलेगा लेकिन ऑफिस की कोई समस्या आपको सताती रहेगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के मनोरंजन में बाहर की गतिविधियों और खेल-कूद को शामिल किया जाना चाहिए। ऐसा लगता है आप जानते हैं कि लोग आपसे क्या चाहते हैं- लेकिन आज अपने ख़र्चों को बहुत ज़्यादा बढ़ाने से बचें। रिश्तेदारों से सहयोग मिलेगा और दिमाग़ी बोझ से छुटकारा मिलेगा। प्रेमी एक-दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। योजनाओं को अमली जामा पहनाने और नयी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता । आप ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करें या आपका बटुआ खो भी सकता है- ऐसे मामलों में सावधानी की कमी आपको नुक़सान पहुँचा सकती है। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। करिअर में तरक़्क़ी के लिए नयी क्षमताएँ विकसित करना और नयी तकनीकें सीखना महत्वपूर्ण रहेगा। हवन का आयोजन घर मे होगा। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल-मोल कर ही बोले । मीटिंग में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। बिना किसी पूर्व सूचना के आज आपका कोई रिश्तेदार आपके घर पधार सकता है जिसकी वजह से आपका कीमती समय उनकी खातिरदारी में जाया हो सकता है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका सबसे बड़ा सपना हक़ीक़त में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को क़ाबू में रखें, क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम-काज के हिसाब से अच्छा दिन है। प्यार-मोहब्बत के मामले में दबाव बनाने की कोशिश न करें। अगर आप यक़ीन करते हैं कि वक़्त ही पैसा है तो आपको अपनी क्षमताओं को शीर्ष पर पहुँचाने के लिए ज़रूरी क़दम उठाने होंगे। आज रात को जीवनसाथी के साथ खाली वक़्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक़्त देना चाहिए। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप अपने घर में या उसके आस-पास आज कुछ बड़े बदलाव करें। आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने प्रेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक़्क़ी भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। वैवाहिक सुख के दृष्टिकोण से आज आपको कुछ अनोखा उपहार मिल सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। अपने प्रिय की नाराज़गी के बावजूद अपना प्यार ज़ाहिर करते रहें। जिस पहचान और पुरस्कार की उम्मीद आप कर रहे थे, वह बाद के लिए टल सकती है और आपको हताशा का सामना करना पड सकता है। अपने व्यक्तित्व और रंग-रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 06 नवंबर 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : कार्तिक ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी प्रात: 10:32 तक
नक्षत्र : हस्त रात्रि 04:43 तक
योग : विष्कुंभ रात्रि 04:09 तक
करण : तैतिल प्रात: 10:32 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:16, सूर्यास्त 05:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 05:51 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 05:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 05:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
सहकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : धनत्रयोदशी प्रदोष व्रत , यम प्रीत्यर्थ दीपदान , विशाखा में रवि रात्रि 08:47 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

काशी में धर्म संस्कृति संसद का भव्य समापन

देशभर के संतों ने सनातन धर्म, गौ-संरक्षण और राष्ट्र की एकता का लिया संकल्प



वाराणसी, 05 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति और राष्ट्र की एकता के संकल्प के साथ वाराणसी के रुद्राक्ष सम्मेलन केंद्र में 3 से 5 नवंबर तक आयोजित तीन दिवसीय धर्म संस्कृति संसद 2026 सफलतापूर्वक संपन्न हुई। अखिल भारतीय सनातन समिति द्वारा अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद् एवं श्री काशी विद्वत् परिषद् के मार्गदर्शन में गंगा महासभा के सहयोग से आयोजित इस संसद में देशभर से हजारों संत, महंत, विद्वान और धर्माचार्य शामिल हुए।

संसद में गंगा की निर्मलता, गौ-संरक्षण, सनातन धर्म की रक्षा, भारतीय संस्कृति, शिक्षा और राष्ट्रीय एकता जैसे विषयों पर मंथन किया गया। संसद की अध्यक्षता अखिल भारतीय सनातन समिति के अध्यक्ष स्वामी जितेन्द्रानंद सरस्वती जी महाराज ने की। तेलंगाना से स्वामी कमलेश दास जी महाराज ने विशेष भूमिका निभाते हुए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया तथा गौ-संरक्षण एवं सनातन संस्कृति के संरक्षण पर विचार रखे। वे हैदराबाद में संचालित गौ सम्मान आह्वान अभियान के संत संरक्षक भी हैं।

इस अवसर पर ज्योतिर्मठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती जी महाराज, सुमेरु काशी पीठाधीश्वर स्वामी नरेन्द्रानंद सरस्वती जी महाराज, 13 अखाड़ों के अध्यक्ष स्वामी रवीन्द्र पुरी जी महाराज, स्वामी विशोकानंद सरस्वती जी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी बालकानंद गिरी जी महाराज, स्वामी राजेन्द्र दास जी महाराज, स्वामी कृपापात्र जी महाराज, परमानंद जी महाराज, स्वामी विमलदेव जी महाराज एवं स्वामी कैलाशानंद गिरि जी महाराज सहित अनेक प्रमुख संत-महात्माओं ने भाग लिया।राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के लिए 2, 3 एवं 4 नवंबर को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में महा रुद्राभिषेक भी आयोजित किया गया। समापन अवसर पर संतों ने राष्ट्र की एकता, गंगा की निर्मलता, गौमाता की रक्षा और भारतीय संस्कृति के संरक्षण का संकल्प लिया। आयोजकों ने सभी संतों, सहयोगी संस्थाओं एवं श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

सरकारी अस्पतालों में 70 प्रतिशत प्रसव का लक्ष्य



पेद्दापल्ली, 05 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कोया श्री हर्षा ने जिले के सरकारी अस्पतालों में प्रसव की संख्या मौजूदा 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 70 प्रतिशत करने के निर्देश दिए। गुरुवार को एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट में चिकित्सा अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में उन्होंने गर्भवती महिलाओं को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से उनका नियमित फॉलोअप करने पर जोर दिया।

उन्होंने पेद्दापल्ली स्थित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य अस्पताल में प्रतिमाह कम से कम 300 तथा गोदावरीखनी सरकारी सामान्य अस्पताल में 200 प्रसव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही गर्भवती महिलाओं को सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध जांच, उपचार एवं प्रसव सुविधाओं के प्रति जागरूक करने और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने को कहा।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर के एड्स नियंत्रण कार्यक्रम में पेद्दापल्ली जिले को प्रथम स्थान मिलने पर कलेक्टर ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी। बैठक में जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वाई. पवित्रा, जिला अस्पताल अधीक्षक डॉ. श्रीधर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

केबीआर पार्क में किया गया नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में केबीआर पार्क में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के माध्यम से जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराकर मानव सेवा और सामाजिक सरोकारों का संदेश दिया गया।

राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना ही नहीं, बल्कि समाज में सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना को मजबूत करना भी है। ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से इस सेवा कार्य में सहभागी बनकर यह संदेश दे रहे हैं कि किसी जरूरतमंद की भूख मिटाना भी ईश्वर की सच्ची आराधना है। निस्वार्थ भाव से किया गया अन्नदान समाज में मानवीय संवेदनाओं और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करता है।

सबरीमाला महा पदयात्रा का ध्वजारोहण कर शुभारंभ



बांसवाड़ा, 05 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी ने बांसवाड़ा शहर के मध्य स्थित श्री अय्यप्पा स्वामी मंदिर में भगवान के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। इसके बाद वे बांसवाड़ा से पवित्र सबरीमाला मंदिर तक प्रारंभ हो रही 'सुवर्ण भूमि सबरीमाला महा पदयात्रा' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने ध्वज फहराकर पदयात्रा का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में बांसवाड़ा के राजस्व मंडल अधिकारी (आरडीओ) श्री रविंदर रेड्डी ने भी भाग लिया। इस अवसर पर बांसवाड़ा शहर के नेता, जनप्रतिनिधि, अय्यप्पा गुरुस्वामी, स्वामीगण एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने भक्तिभाव के साथ कार्यक्रम में भाग लेकर इसे सफल बनाया।

राम माधव से जगमोहन सिंह की शिष्टाचार भेंट



हैदराबाद, 05 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा, तेलंगाना के अध्यक्ष श्री जगमोहन सिंह ने हैदराबाद स्थित भाजपा कार्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राम माधव से शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर श्री जगमोहन सिंह ने संगठनात्मक विषयों और पार्टी के विजन को लेकर श्री राम माधव के साथ सार्थक चर्चा की। श्री राम माधव ने संगठन को और अधिक सशक्त एवं मजबूत बनाने के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया।

श्री जगमोहन सिंह ने कहा कि श्री राम माधव का ज्ञान, मार्गदर्शन और संगठन के प्रति समर्पण सभी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायक है। उनसे प्राप्त प्रोत्साहन से पार्टी को मजबूत बनाने और समाज की सेवा के लिए और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा मिली है।

दीपावली पर पेसाबाजार ने लॉन्च किए 'पैसा वाउचर्स'



बेंगलुरु, 05 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

वित्तीय उत्पादों के प्रमुख ऑनलाइन मंच और निःशुल्क क्रेडिट स्कोर उपलब्ध कराने वाले प्लेटफॉर्म पेसाबाजार ने दीपावली के अवसर पर 'पैसा वाउचर्स' लॉन्च किए हैं। इसके माध्यम से उपभोक्ता खरीदारी, खानपान, फैशन, आभूषण, यात्रा, मनोरंजन और जीवनशैली सहित विभिन्न श्रेणियों के 300 से अधिक ब्रांडों पर आकर्षक छूट और बचत का लाभ उठा सकेंगे।

कंपनी के अनुसार, इस नई सुविधा के तहत डिजिटल उपहार कार्ड और वाउचर एक ही मंच पर उपलब्ध होंगे। उपभोक्ता अमेजन, फ्लिपकार्ट, स्विगी, तनिष्क, मेकमायट्रिप, स्टारबक्स, शॉपर्स स्टॉप, डोमिनोज और पेपरफ्राई सहित 300 से अधिक ब्रांडों के वाउचर खरीद सकेंगे। पेसाबाजार के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संतोष अग्रवाल ने कहा कि कंपनी वित्तीय उत्पादों और निवेश सेवाओं से आगे बढ़कर उपभोक्ताओं को रोजमर्रा के खर्चों में भी बचत के अवसर उपलब्ध कराना चाहती है। वाउचर जारी करने के लिए पाइन लैब्स के साथ साझेदारी की गई है। इन वाउचरों की प्रमुख विशेषताओं में तत्काल डिजिटल डिलीवरी, यूपीआई और डेबिट कार्ड से भुगतान तथा वाउचर खरीद पर किसी अतिरिक्त प्लेटफॉर्म या सुविधा शुल्क का नहीं लगना शामिल है। उपभोक्ता संबंधित ब्रांड की शर्तों और वैधता के अनुसार वाउचर का उपयोग कर सकेंगे।

एकादशी पर पांडुरंग स्वामी के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

सूर्य की किरणों ने किया भगवान की प्रतिमा का स्पर्श, मंदिर में दिखा अद्भुत आध्यात्मिक दृश्य



बांसवाड़ा, 05 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामारेड्डी जिले के बांसवाड़ा शहर की शांतिनगर कॉलोनी स्थित श्री श्री श्री रुक्मिणी समेता पांडुरंग स्वामी मंदिर में गुरुवार को एकादशी पर्व के अवसर पर अद्भुत आध्यात्मिक दृश्य देखने को मिला। सुबह सूर्य की किरणें सीधे भगवान पांडुरंग स्वामी की प्रतिमा पर पड़ीं और उनका स्पर्श करते हुए मंदिर परिसर को अलौकिक छटा से भर दिया।

सूर्य की किरणों द्वारा भगवान की प्रतिमा का स्पर्श करते इस अद्भुत दृश्य को देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। इस अनूठी घटना ने भक्तों को भक्ति और आध्यात्मिक आनंद से सराबोर कर दिया। एकादशी के पावन अवसर पर घटित यह दृश्य स्थानीय श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बन गया। इस अवसर पर मंदिर के पुजारियों ने भगवान जपाला पांडुरंगा शर्मा का विशेष अभिषेक एवं पूजा-अर्चना की।

खाटू श्याम सरकारजी फिल्म का ट्रेलर लॉन्च

अभिनेता सुमन तलवार ने किया पोस्टर विमोचन, के. रवि दादा रहे मुख्य अतिथि



मुंबई, 05 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। युवा फिल्म निर्देशक नितिन चौकसे की फिल्म 'श्री खाटू श्याम सरकारजी' का ट्रेलर एवं पोस्टर मुंबई में आयोजित विशेष समारोह में दक्षिण भारतीय अभिनेता सुमन तलवार के हाथों लॉन्च किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी के. रवि दादा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। यह फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु, मराठी और राजस्थानी भाषाओं में रिलीज की जाएगी। फिल्म में सुमन तलवार, प्रीति ओम चौकसे, पृथ्वीराज, बांबी चौकसे, नीलम राजेंद्र धमाल, सिद्धि और मुकेश चौकसे सहित अन्य कलाकारों ने अभिनय किया है। फिल्म का संगीत नसराज गहीमीरे ने दिया है। गीत सुरेश नागर एवं मुकेश चौकसे ने लिखे हैं तथा गायकों में अनूप जलोटा और प्रीति सहित अन्य कलाकार शामिल हैं।

इस अवसर पर सुमन तलवार ने कहा कि छोटे बजट की होने के बावजूद धार्मिक विषयों पर ऐसी फिल्मों का निर्माण जरूरी है। उन्होंने दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग के निर्माताओं को फिल्म निर्माण के लिए आमंत्रित करते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

वहीं के. रवि दादा ने कहा कि समाज में मंदिरों के साथ अस्पतालों, स्कूलों और जरूरतमंदों की सहायता को भी प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने सुमन तलवार की पहल का समर्थन करते हुए फिल्म उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाने की बात कही।

नि:शुल्क नेत्र शिविर में 150 लोगों की जांच



मंचेरियाल, 05 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुलिस विभाग के 'पुलिस आपके लिए' कार्यक्रम के तहत मंचिरियाल जिले के निलवाई गांव स्थित आश्रम पाठशाला में पवन ऑप्टिकल्स के सहयोग से निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में करीब 150 लोगों की आंखों की जांच की गई तथा 64 जरूरतमंद मरीजों की शल्य चिकित्सा की व्यवस्था की गई।

मुख्य अतिथि डीसीपी ए. भास्कर ने शिविर का निरीक्षण करते हुए कहा कि पुलिस कानून-व्यवस्था के साथ जनकल्याण और जरूरतमंदों की सेवा के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने पवन ऑप्टिकल्स की टीम के सहयोग की सराहना की। इस अवसर पर पवन ऑप्टिकल्स के संस्थापक उत्तम कुमार को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

आज धनतेरस से शुरु होगा छह दिवसीय दीपोत्सव

पांच दिनों तक मनाया जाने वाला दीपावली महापर्व इस वर्ष छह दिनों का होगा। हिंदू धर्म में दीपावली का त्योहार अत्यंत उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाता है। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को दीपावली का पर्व मनाया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, कार्तिक अमावस्या के दिन भगवान श्रीराम 14 वर्षों का वनवास पूरा करने और लंका पर विजय प्राप्त करने के बाद अयोध्या लौटे थे। उनके आगमन की खुशी में अयोध्यावासियों ने अपने राजा प्रभु श्रीराम के स्वागत में पूरे नगर को दीपों से सजाकर उत्सव मनाया था। तभी से दीप जलाकर दीपावली मनाने की परंपरा चली आ रही है।

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान, जयपुर-जोधपुर के निदेशक एवं ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि इस वर्ष दीपावली महापर्व छह दिनों तक मनाया जाएगा। इसकी शुरुआत 6 नवंबर को धनतेरस से होगी। 7 नवंबर को छोटी दीपावली अथवा रूप चतुर्दशी, 8 नवंबर को दीपावली, 9 नवंबर को रामा-श्यामा, 10 नवंबर को अन्नकूट एवं गोवर्धन पूजा तथा 11 नवंबर को भाई दूज के साथ इस महापर्व का समापन होगा।

दीपावली पर्व कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को धनाध्यक्ष कुबेर के पूजन से शुरू होकर मृत्यु के देवता यमराज के निमित्त दीपदान तक चलता है। दीपावली के दिन मां लक्ष्मी की पूजा का विशेष महत्व है। इस दिन शाम और रात्रि के समय शुभ मुहूर्त में मां लक्ष्मी, भगवान गणेश और माता सरस्वती की पूजा-अर्चना की जाती है। धनतेरस को दीपावली का पहला दिन माना जाता है। इसके बाद नरक चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा और अंत में भाई दूज का त्योहार मनाया जाता है।

छह दिनों का दीपोत्सव

इस वर्ष दीपावली महापर्व की शुरुआत 6 नवंबर को धनतेरस से होगी। इसके बाद 7 नवंबर को छोटी दीपावली अथवा रूप चतुर्दशी, 8 नवंबर को दीपावली, 9 नवंबर को रामा-श्यामा, 10 नवंबर को अन्नकूट एवं गोवर्धन पूजा और 11 नवंबर को भाई दूज मनाई जाएगी। इस प्रकार छह दिनों तक चलने वाले दीपोत्सव का समापन होगा।

दीपोत्सव का छह दिवसीय कार्यक्रम

6 नवंबर – धनतेरस (धन त्रयोदशी)
7 नवंबर – नरक चतुर्दशी, रूप चतुर्दशी एवं श्री हनुमान जयंती
8 नवंबर – दीपावली एवं श्री महालक्ष्मी पूजन
9 नवंबर – रामा-श्यामा
10 नवंबर – अन्नकूट एवं गोवर्धन पूजा
11 नवंबर – भाई दूज (भ्रातृ द्वितीया)

6 नवंबर : धनतेरस से दीपदान की शुरुआत

धनतेरस को धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती के नाम से भी जाना जाता है। यह पांच दिवसीय दीपावली पर्व का पहला दिन माना जाता है। धनतेरस से ही दीपावली के त्योहार का शुभारंभ हो जाता है।

मान्यता है कि इसी तिथि पर आयुर्वेद के जनक भगवान धन्वंतरि समुद्र मंथन से अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। इसी कारण हर वर्ष धनतेरस पर बर्तन खरीदने की परंपरा निभाई जाती है। कहा जाता है कि धनतेरस के दिन सोने-चांदी, बर्तन, जमीन-जायदाद आदि की शुभ खरीदारी करने से धन-संपत्ति में तेरह गुना वृद्धि होती है। इस दिन चिकित्सक अमृतधारी भगवान धन्वंतरि की पूजा-अर्चना करेंगे।

इसी दिन से मृत्यु के देवता यमराज के निमित्त दीपदान की शुरुआत



होगी। मान्यता के अनुसार, पांच दिनों तक दीप जलाए जाते हैं। लोकाचार के अनुसार, इस दिन खरीदे गए सोने अथवा चांदी के धातुमय पात्र अक्षय सुख प्रदान करते हैं। इस अवसर पर लोग नए बर्तन और अन्य नए सामान खरीदेंगे।

त्रयोदशी तिथि

प्रारंभ – 6 नवंबर को सुबह 10:30 बजे से।
समाप्ति – 7 नवंबर को सुबह 10:48 बजे तक।

7 नवंबर : रूप चतुर्दशी पर महिलाएं संवारेंगी रूप

नरक चतुर्दशी कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाई जाती है। इसे नरक चौदस, रूप चौदस और रूप चतुर्दशी सहित कई नामों से जाना जाता है। दीपावली से एक दिन पहले मनाए जाने के कारण इसे छोटी दीपावली भी कहा जाता है।

इस दिन मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है। घर के कोनों में दीपक जलाकर अकाल मृत्यु से मुक्ति की कामना की जाती है। कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी की महानिशा (अर्द्धरात्रि) में अंजनी माता के पुत्र श्री हनुमानजी का जन्म हुआ था। इस संबंध में शास्त्रों में उल्लेख मिलता है-

आश्विनस्यासिते पक्षे भूतायां च महानिशि।
भौमवारेऽञ्जनादेवी हनूमन्तमजीजनत्।।

7 नवंबर 2026 को कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी निशीथकाल में व्याप्त रहेगी। अतः श्री हनुमान जयंती का पर्व इसी दिन मनाया जाएगा। यह हनुमान जयंती उत्तर भारतीय परंपरा के अनुसार मनाई जाती है, जबकि दक्षिण भारत में इसे चैत्र पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है।

चतुर्दशी तिथि

प्रारंभ – 7 नवंबर को सुबह 10:38 बजे से।
समाप्ति – 8 नवंबर को प्रातः 11:29 बजे तक।

8 नवंबर : दीपावली पर होगा महालक्ष्मी-गणेश पूजन

इस वर्ष कार्तिक कृष्ण अमावस्या 8 नवंबर 2026 को प्रदोषकाल में व्याप्त होने के कारण इसी दिन दीपावली मनाई जाएगी। लक्ष्मी पूजन के लिए प्रदोषयुक्त अमावस्या में स्थिर लग्न और स्थिर नवांश का समय सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

इस वर्ष लक्ष्मी पूजन का समय इस प्रकार रहेगा। 8 नवंबर 2026 को प्रातः 11:29 बजे से 9 नवंबर 2026 को दोपहर 12:31 बजे तक अमावस्या तिथि रहेगी। अतः 8 नवंबर 2026, रविवार को ही दीपोत्सव मनाया जाएगा।

कार्तिक अमावस्या तिथि

प्रारंभ – 8 नवंबर 2026 को प्रातः 11:29 बजे से।
समाप्ति – 9 नवंबर को दोपहर 12:31 बजे तक।

8 नवंबर को लक्ष्मी पूजन के शुभ मुहूर्त

प्रदोष काल (लग्न) – शाम 5:36 से रात 8:02 बजे तक।
वृषभ काल (लग्न) – शाम 6:04 से रात 8:01 बजे तक।
सिंह काल (लग्न) – रात 12:34 से 2:50 बजे तक।
शाम 6:16 से 6:28 बजे तथा शाम 6:52 से 7:05 बजे तक के मुहूर्त में प्रदोषकाल, स्थिर वृषभ लग्न तथा कुंभ का स्थिर नवमांश भी रहेगा।

9 नवंबर : रामा-श्यामा, स्नान-पूजा और दान अमावस्या

दीपोत्सव की परंपरा के अनुसार दीपावली के अगले दिन कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को गोवर्धन पूजा की जाती है। लेकिन इस वर्ष दीपावली के अगले दिन 9 नवंबर को सुबह से दोपहर तक अमावस्या तिथि रहेगी। ऐसे में पूरे दिन अमावस्या मानी जाएगी और गोवर्धन पूजा अगले दिन होगी। दीपावली के अगले दिन लोग एक-दूसरे के घर जाकर मिलते हैं, गले मिलते हैं तथा 'राम-राम सा' कहकर दीपावली की शुभकामनाएं देते हैं। यह दिन परिवार के सदस्यों, मित्रों और पड़ोसियों से मिलने-जुलने के लिए विशेष रूप से निर्धारित होता है।

10 नवंबर : गोवर्धन पूजा पर बंटेगा अन्नकूट

गोवर्धन पूजा को अन्नकूट पर्व के रूप में भी मनाया जाता है। इस त्योहार में भगवान श्रीकृष्ण के साथ गोवर्धन पर्वत और गायों की पूजा करने का विधान है। इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया जाता है।

दीपावली के अगले दिन राजा बलि पर भगवान विष्णु की विजय का उत्सव भी मनाया जाता है। ऋग्वेद में उल्लेख है कि भगवान विष्णु ने वामन रूप धारण कर तीन पगों में समस्त सृष्टि को नाप लिया था। भगवान श्रीकृष्ण ने इसी दिन देवराज इंद्र के मान-मर्दन के लिए गोवर्धन पर्वत धारण किया था। शहर में विभिन्न स्थानों पर नवधान्य से बने पर्वताकार अन्नकूट का भोग लगाकर प्रसाद वितरित किया जाएगा।

सामान्यतः कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को ही गोक्रीड़ा, गोवर्धन पूजा, अन्नकूट पर्व मनाया जाता है। द्वितीया युक्त प्रतिपदा में गोक्रीड़ा, गोवर्धन पूजा, अन्नकूट एवं बलिराज पूजा आदि कृत्य नहीं करने चाहिए। शास्त्रों के अनुसार, जिस प्रतिपदा तिथि में चंद्रदर्शन होने की संभावना हो, उस दिन ये पर्व नहीं मनाने चाहिए। ऐसा करने से संतान की हानि, धन की हानि और राजा के विनाश का भय रहता है। इसलिए इन सभी धार्मिक कृत्यों को उचित तिथि में ही करना चाहिए। इस संबंध में शास्त्रों में उल्लेख है

अपरं च, गवां क्रीडादीने यत्र रात्रौ दृश्येत् चन्द्रमाः।।
सोमो स्थिति राजा पशून् हन्ति सुरभिः पूजकांस्तथा।।

चंद्रदर्शन उसी दिन सायंकाल होगा या नहीं, इसका निर्णय करना कई बार कठिन हो जाता है। इसका समाधान स्थूल चंद्रदर्शन है। यदि प्रतिपदा नौ मुहूर्त से कम हो, तो उस दिन चंद्रदर्शन हो अथवा न हो, स्थूल चंद्रदर्शन मानकर इन सभी पर्वों को पहले दिन अर्थात् अमावस्या युक्त प्रतिपदा को मनाना चाहिए। धर्मसिंधु में इस संबंध में उल्लेख है

यदि नवमुहूर्तो नास्ति तदा बलिपूजा-गोक्रिडा-गोवर्धन पूजा-मार्गपाली-बंधन-यष्टिकाकर्षणानि पूर्वविद्ध प्रतिपदि कार्याणि।।

– धर्मसिंधु

अतः इस वर्ष गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट का पर्व 10 नवंबर 2026 को ही मनाया जाएगा। इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण को 56 भोग अर्पित किए जाएंगे तथा गोवर्धन पर्वत और गायों की पूजा की जाएगी।

11 नवंबर : भाई दूज पर बहनों के घर भोजन करेंगे भाई

भाई दूज दीपावली महापर्व का अंतिम त्योहार है। भाई दूज कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी आयु और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं।इस त्योहार को भाई दूज, भैया दूज, भाई टीका, यम द्वितीया और भ्रातृ द्वितीया सहित कई नामों से जाना जाता है। भविष्य पुराण में उल्लेख है कि इसी दिन यमुना ने अपने भाई यमराज को अपने घर भोजन करने के लिए आमंत्रित किया था। यही वजह है कि आज भी इस दिन परंपरा के अनुसार भाई अपनी बहन के घर जाकर भोजन करते हैं। कल्याण और समृद्धि की कामना के साथ भाई को इस दिन अपनी बहन के घर स्नेहपूर्वक भोजन करना चाहिए।

-डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान
जयपुर-जोधपुर

धनतेरस पर माँ लक्ष्मी का पूजन लाता है वैभव और समृद्धि

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धनतेरस का पर्व मनाया जाता है। इसे धन त्रयोदशी और धन्वंतरि त्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। पांच दिवसीय दीपावली महापर्व का शुभारंभ इसी दिन से होता है। इस अवसर पर भगवान गणेश, मां लक्ष्मी, भगवान ब्रह्मा, विष्णु और महेश की पूजा का विधान है। इसके साथ ही भगवान धन्वंतरि और धन के देवता कुबेर की आराधना भी की जाती है। मान्यता है कि समुद्र मंथन के समय अमृत कलश के साथ मां लक्ष्मी का अवतरण हुआ था। इसी के प्रतीक स्वरूप इस दिन बर्तन और धातु की वस्तुएं खरीदने की परंपरा शुरू हुई, जिससे ऐश्वर्य और सौभाग्य में वृद्धि होती है।



श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन, अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि औषधियों के जनक भगवान धन्वंतरि की जयंती के रूप में मनाया जाने वाला धनतेरस इस वर्ष 6 नवंबर को मनाया जा रहा है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे और इसी समय मां लक्ष्मी का भी अवतरण हुआ था। इसलिए इस दिन भगवान धन्वंतरि और मां लक्ष्मी की विशेष पूजा की जाती है।

धनतेरस पर क्यों होती है मां लक्ष्मी की पूजा?

पौराणिक कथा के अनुसार एक बार भगवान विष्णु मृत्युलोक में विचरण करने जा रहे थे। मां लक्ष्मी ने भी उनके साथ चलने का आग्रह किया। इस पर भगवान विष्णु ने कहा कि यदि वे उनकी बात मानेंगी तो साथ चल सकती हैं। मां लक्ष्मी ने सहमति दे दी और दोनों भूमंडल पर आ गए।

कुछ समय बाद एक स्थान पर पहुंचकर भगवान विष्णु ने मां लक्ष्मी से कहा कि वे उनके लौटने तक वहीं ठहरें। उन्होंने यह भी कहा कि वे दक्षिण दिशा की ओर जा रहे हैं और मां लक्ष्मी वहां न आएं। भगवान विष्णु के जाने के बाद मां लक्ष्मी के मन में जिज्ञासा हुई कि आखिर दक्षिण दिशा में ऐसा क्या रहस्य है, जहां जाने से उन्हें मना किया गया है।

मां लक्ष्मी स्वयं को रोक नहीं सकीं और भगवान विष्णु के पीछे-पीछे चल पड़ीं। कुछ दूर जाने पर उन्हें सरसों का एक खेत दिखाई दिया, जिसमें खूब फूल खिले हुए थे। सरसों के फूलों की सुंदरता देखकर वे मंत्रमुग्ध हो गईं। उन्होंने फूल तोड़कर अपना शृंगार किया और आगे बढ़ीं। इसके बाद उन्हें गन्ने का खेत दिखाई दिया। वहां से गन्ने तोड़कर वे रस चूसने लगीं।

उसी समय भगवान विष्णु वहां पहुंचे और मां लक्ष्मी को ऐसा करते देखकर नाराज हो गए। उन्होंने कहा कि मना करने के बावजूद वे दक्षिण दिशा में आईं और किसान के खेत से फूल एवं गन्ने लेकर चोरी का अपराध किया। इसके दंडस्वरूप भगवान विष्णु ने उन्हें 12 वर्षों तक उस किसान की सेवा करने का शाप दे दिया। इतना कहकर वे क्षीरसागर लौट गए।

इसके बाद मां लक्ष्मी उस गरीब किसान के घर रहने लगीं। एक दिन उन्होंने किसान की पत्नी से कहा कि वह स्नान करने के बाद उनके द्वारा बनाई गई देवी लक्ष्मी की प्रतिमा का पूजन करे और फिर भोजन बनाए। ऐसा करने से उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होंगी। किसान की पत्नी ने वैसा ही किया। पूजा के प्रभाव और मां लक्ष्मी की कृपा से अगले ही दिन किसान का घर अन्न, धन, रत्न और स्वर्ण से भर गया। किसान के 12 वर्ष अत्यंत आनंद से बीते।

12 वर्ष पूरे होने पर जब मां लक्ष्मी जाने लगीं तो भगवान विष्णु उन्हें लेने पहुंचे। किसान ने मां लक्ष्मी को विदा करने से इनकार कर दिया। इस पर भगवान विष्णु ने उसे समझाया कि मां लक्ष्मी चंचला हैं और कहीं स्थायी रूप से नहीं ठहरतीं। वे उनके शाप के कारण ही 12 वर्षों से उसकी सेवा कर रही थीं और अब वह अवधि पूरी हो चुकी है।

किसान अपनी जिद पर अड़ा रहा। तब मां लक्ष्मी ने उससे कहा कि यदि वह उन्हें रोकना चाहता है तो अगले दिन तेरस के अवसर पर घर को साफ-सुथरा करके लीप-पोतकर तैयार करे। रात में घी का दीपक जलाए और संध्याकाल में उनकी पूजा करे। साथ ही एक तांबे के कलश में रुपये भरकर उनके लिए रखे। मां लक्ष्मी ने कहा कि वे उस कलश में निवास करेंगी, हालांकि पूजा के समय दिखाई नहीं देंगी।

उन्होंने आगे कहा कि इस एक दिन की पूजा से वे पूरे वर्ष किसान के घर में निवास करेंगी। इतना कहकर मां लक्ष्मी दीपकों के प्रकाश के साथ दसों दिशाओं में फैल गईं। अगले दिन किसान ने उनके बताए अनुसार पूजा की। इससे उसका घर धन-धान्य से परिपूर्ण हो गया। धार्मिक मान्यता के अनुसार तभी से हर वर्ष तेरस के दिन मां लक्ष्मी की पूजा की परंपरा शुरू हुई।



-नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं प्रसिद्ध टैरो कार्ड रीडर
निदेशिका, श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो
सॉल्यूशन, अजमेर

भगवान धन्वंतरि की आराधना से मिलता है आरोग्य, समृद्धि और स्वस्थ जीवन का संदेश

भारतीय संस्कृति में धनतेरस का पर्व केवल धन और वैभव की प्राप्ति का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह अच्छे स्वास्थ्य, दीर्घायु और सुखमय जीवन के महत्व को समझाने वाला पावन अवसर भी है। दीपावली के पांच दिवसीय महापर्व का शुभारंभ धनतेरस से होता है। इस दिन भगवान धन्वंतरि की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान धन्वंतरि को आयुर्वेद का जनक तथा देवताओं का वैद्य माना गया है। उनका प्राकट्य समुद्र मंथन के दौरान अमृत कलश के साथ हुआ था। इसलिए उन्हें आरोग्य, चिकित्सा, स्वास्थ्य और दीर्घायु का देवता माना जाता है।

भगवान धन्वंतरि का जीवन और उनका संदेश हमें यह प्रेरणा देता है कि संसार में सबसे बड़ा धन स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन है। मनुष्य के पास कितना भी धन, संपत्ति और वैभव क्यों न हो, यदि उसका स्वास्थ्य अच्छा नहीं है तो वह जीवन की वास्तविक खुशियों का आनंद नहीं ले सकता। सच्चा सुख तभी प्राप्त होता है जब शरीर स्वस्थ हो, मन प्रसन्न हो और जीवन में सकारात्मकता बनी रहे।

धनतेरस के अवसर पर भगवान धन्वंतरि की पूजा करने के साथ-साथ हमें स्वास्थ्य के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी समझना चाहिए। नियमित दिनचर्या, संतुलित एवं पौष्टिक आहार, स्वच्छता, योग, व्यायाम और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। छोटी-छोटी सावधानियां अनेक बीमारियों से बचाव कर सकती हैं। बीमारी होने पर लापरवाही करने के बजाय समय पर योग्य चिकित्सक से परामर्श लेना भी आवश्यक है।



आयुर्वेद भारतीय चिकित्सा परंपरा की अमूल्य धरोहर है। इसमें प्रकृति के अनुरूप जीवन जीने, खान-पान में संतुलन रखने और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बनाए रखने पर विशेष बल दिया गया है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और आयुर्वेद दोनों का उद्देश्य मानव जीवन को स्वस्थ एवं सुरक्षित बनाना है। आवश्यकता इस बात की है कि हम स्वास्थ्य संबंधी किसी भी उपचार को उचित चिकित्सकीय सलाह और जागरूकता के साथ अपनाएं।

आज के भागदौड़ भरे जीवन में व्यक्ति धन कमाने और सुविधाएं जुटाने में इतना व्यस्त हो गया है कि कई बार अपने स्वास्थ्य को ही नजरअंदाज कर देता है। धनतेरस हमें यही याद दिलाता है कि स्वास्थ्य से बढ़कर कोई संपत्ति नहीं है। परिवार की खुशियां, समाज की प्रगति और जीवन की उपलब्धियां तभी सार्थक हैं, जब प्रत्येक व्यक्ति स्वस्थ और प्रसन्न रहे।

मेरे विचार से धनतेरस का वास्तविक संदेश केवल सोना, चांदी अथवा नए बर्तन खरीदने तक सीमित नहीं होना चाहिए। इस दिन हमें अपने परिवार और समाज को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने, जरूरतमंदों को चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने तथा दवाइयों और स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित लोगों की मदद करने का संकल्प भी लेना चाहिए। किसी जरूरतमंद को समय पर दवा उपलब्ध कराना, किसी बीमार व्यक्ति की सहायता करना और किसी परिवार को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना भी सच्ची सेवा का महत्वपूर्ण रूप है।

गोयल फार्मा एंड ड्रग्स के माध्यम से हमारा भी यही प्रयास रहना चाहिए कि समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़े और जरूरतमंदों तक उचित चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने की भावना मजबूत हो। औषधि का महत्व तभी सार्थक है, जब वह मानव जीवन की रक्षा और स्वास्थ्य सुधारने के काम आए।

आइए, इस धनतेरस पर भगवान धन्वंतरि के चरणों में प्रार्थना करें कि प्रत्येक परिवार निरोगी रहे, हर घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहे तथा समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना निरंतर मजबूत होती रहे। हम धन के साथ-साथ स्वास्थ्य, संस्कार और सद्भावना का भी संचय करें, क्योंकि स्वस्थ शरीर ही सबसे बड़ी पूंजी और आरोग्य ही सबसे बड़ा धन है।

भगवान धन्वंतरि से यही मंगलकामना है कि सभी के जीवन में आरोग्य, आनंद और समृद्धि का प्रकाश फैले। धन्वंतरि भगवान की जय! शुभ धनतेरस!



-रामप्रकाश अग्रवाल
गोयल फार्मा एंड ड्रग्स, हैदराबाद

इन देशों में भी होता है दिवाली का जश्न

दीपावली महापर्व आज है। वैसे तो पूरे भारत में इस त्योहार की तैयारियां जोर-शोर से की जाती हैं, परंतु दीपोत्सव के दौरान खरीदारी का कुछ विशेष ही महत्व है। सिर्फ भारत में ही नहीं, कई देशों में दिवाली का त्योहार अलग-अलग तरीके से मनाया जाता है। आइए जानते है इन देशों के बारे में।



लेस्टर, ग्रेट ब्रिटेन

भारत के बाद अगर दिवाली का सबसे बड़ा सेलिब्रेशन होता है तो वह ब्रिटेन में बसे खूबसूरत शहर लेस्टर में होता है। यहां रहने वाले लोग इस त्योहार को काफी धूम-धाम से मनाते हैं।



थाइलैंड

थाइलैंड में दिवाली को लाम क्रियोंघ के नाम दिया गया है। यहां लोग केले की पत्तियों से बने दीपक और धूप को रात में जलाया जाता है। फिर जलते दीप को नदी के पानी में बहा देते हैं।



स्कॉटलैंड

जनवरी के आखिरी मंगलवार को हर साल लेर्विक में एक प्रकाशोत्सव आयोजित किया जाता है, जिसे अप हेली आ का नाम देते है। लोग प्राचीन समुद्री योद्धाओं जैसी ड्रेस पहने हाथ में मशाल लिए जुलूस निकालते हैं।



जापान

जनवरी महीने में ओनियो फेयर फेस्टिवल मनाया जाता है, जिसे दिवाली जैसा ही त्योहार कहा जाता है। इस दौरान छह मशाल जलाई जाती हैं जो कि आपदा को खत्म करने के प्रतीक के रूप में होती है। करतब दिखाना इस फेस्टिवल को शुभ बनाता है।



फ्लोरिडा

फ्लोरिडा के अल्टूना शहर में हर साल 31 अक्टूबर से 1 नवंबर तक 'सैमहेन' फेस्टिवल मनाया जाता है। मनोरंजन और अलग-अलग थीम्स पर आयोजित होने के कारण बाहरी लोग इस त्योहार का जमकर लुत्फ उठाते हैं।



कनाडा

कनाडा के 'न्यूफाउंड लैंड' में हर साल 5 नवंबर को दिवाली जैसा त्योहार मनाया जाता है। यहां होने वाली बोनफायर में मकान, खिड़कियां भी रंगीन हो जाती हैं।

दीपावली पर घरौंदा बनाने की परंपरा





भारतीय संस्कृति में हर पर्व का अपना विशेष महत्व रहा है और जब बात रोशनी के महापर्व दीपावली की हो तो इसका अपना ही अलग महत्व है। दीपावली में जितने जरूरी पटाखे, रंगोली, लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति हैं, उतना ही महत्वपूर्ण 'घरौंदा' है। कार्तिक माह के आरंभ होते ही लोग अपने अपने घरों में साफ सफाई का काम शुरू कर देते हैं। इस दौरान घरों में घरौंदा बनाने का निर्माण आरंभ हो जाता है।

निर्माण के पीछे मान्यता: घरौंदा 'घर'शब्द से बना है। माह के आरंभ से ही सामान्य तौर पर दीपावली के आगमन पर अविवाहित लड़कियां घरौंदा का निर्माण करती है। अविवाहित लड़कियों द्वारा इसके निर्माण के पीछे मान्यता है कि इसके निर्माण से उनका घर भरा पूरा बना रहेगा। हालांकि कई जगहों पर घरौंदा बनाने का प्रचलन दीपावली के दिन होता है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार: प्रभु श्री राम जब चौदह वर्ष का वनवास काटकर अपनी नगरी अयोध्या लौटे थे उनके आने की खुशी में अयोध्यावासियों ने अपने -अपने घरों में दीपक जलाकर उनका स्वागत किया था। लोगों ने यह माना कि अयोध्या नगरी एक बार उनके आगमन से हीं बसी। इसी परम्परा के कारण घरौंदा बनाकर उसे सजाने का प्रचलन हुआ ।

पुरुषों पर जिम्मेदारी का दायित्व : घरौंदा में सजाने के लिये कुल्हिया-चुकिया का प्रयोग किया जाता है और उसमें अविवाहित लड़कियां उसमेंलाबा, फरही..मिष्ठान आदि भरती है इसके पीछे मुख्य वजह रहती है कि भविष्य में जब वह शादी के बाद अपने घर जाये तो वहां भी भंडार अनाज से भरा रहे। कुल्हियां चुकिया में भरे अन्न का प्रयोग वह स्वयं नही करती है और इसे अपने भाई को खिलाती है । इसके पीछे मुख्य वजह यह रहती है कि घर की रक्षा और उसका भार वहन करने का दायित्व पुरूष के कंधे पर रहता है।

आधुनिक दौर में घरौंदा की परम्परा: जहां तक घरौंदे के निर्माण का सवाल है तो इसका निर्माण सामान्यतः मिट्टी से होता है लेकिन मौजूदा समय में लकड़ी, कूट और थर्मोकोल के भी घरौंदे का निर्माण किया जा रहा है। घरौंदा से खेलना लड़कियों को काफी भाता है।

रंगोली से सजाएं घर-आंगन

दीपावली के दौरान ही घर में रंगोली बनाये जाने की भी परंपरा है। दीपावली के दिन घर की साज-सज्जा पर विशेष ध्यान दिया जाता है और रंगोली घर की सुंदरता में चार चांद लगा देती है। घर चाहे कितना भी अधिक सुंदर हो यदि रंगोली घर के मुख्य द्वार पर नहीं सजायी गयी तो घर की सुंदरता अधूरी सी लगती है। सामान्य के तौर पर रंगोली का निर्माण चावल, गेंहू, मैदा, पेंट और अबीर से किया जाता है, लेकिन सर्वश्रेष्ठ रंगोली फूलों से ही बनायी जाती है। इसके लिये गेंदा और गुलाब के साथ हर सिंगार के फूलों का इस्तेमाल किया जाता है जो देखने में सुंदर तो लगता ही है साथ ही सात्विकता को भी उजागर करता है।

रोशनी की जगमगाहट का त्योहार यानि की दीपावली आज देशभर में पारंरिक उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस मौके पर लोग अपनी दुकान, घर और आफिस की अच्छे से साफ सफाई व डैकोरेशन करते हैं। दीवाली पर रंगोली बनाना भी बहुत शुभ माना जाता है। यह परंपरा बरसों से चली आ रही है और ऐसा माना जाता है कि मां लक्ष्मी जी के स्वागत के लिए बनाई गई रंगोली बनाने से सुख समृद्धि का वास होता है व नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है। इसके अलावा अतिथि के स्वागत, खास इंवेट या फैमिली फंक्शन के मौके पर भी रंगोली बनाई जाती है। रंगोली बनाने के बहुत सारे तरीके हैं। पहले लोग चावल, हल्दी, सिंदूर और लकड़ी के बूरे, रंग बिरंगे फूलों से ही रंगोली बनाते थे जबकि आजकल आपको मार्कीट में बहुत तरह के रंग मिल जाएंगे। इसके अलावा आप दीया रंगोली, ग्लिटरी रंगों वाली रंगोली भी बना सकते हैं। वैसे इस बार स्टिकर रंगोली व कुंदन रंगोली भी काफी पसंद की जा रही हैं।

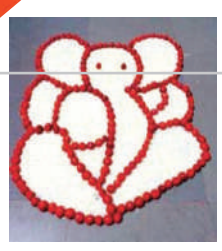


रंग बिरंगे फूलों वाली रंगोली

पहले चॉक की मदद से रंगोली का डिजाइन तैयार कर लें फिर उसमें रंग बिरंगे फूलों को काटकर इसे कंट्रास्ट या अपने पसंद के हिसाब से रंग भरते जाएं। लकडी के बुरादे की रंगोली बहुत अच्छी बनती है। बाजार से अलग अलग रंगों वाले भूरों से भी आप रंगोली बना सकते हैं।

चावलों की रंगोली

किसी भी शुभ काम की शुरुआत के लिए चावल का इस्तेमाल बहुत ही शुभ माने जाते हैं। आप चावलों की रंगोली बना सकते हैं। अलग अलग रंग पाने के लिए चावलों को हल्दी, सिंदूर व अन्य रंगों में भिगोकर सूखा लें तो यह कलरफुल हो जाएंगे। बस अब चावलों से अपनी मनपसंद डिजाइनिंग कर रंगोली तैयार करें।





सांचे से बनाएं रंगोली

मार्कीट से आपको रंगोली बनाने के लिए सांचे भी मिल जाएंगे। बस सांचे को जमीन पर रखकर ऊपर रंग भरते जाएं नीचे डिजाइनिंग होती जाएंगी। सांचा उठाते समय सावधानी जरूर बरतें नहीं तो रंग बिखर जाएंगे। इसे और ज्यादा सजावट देने के लिए आप दीया और मोमबत्ती का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

सिंदूर की रंगोली

पुराने जमाने में लोग आटे, हल्दी, सिंदूर की मदद से रंगोली तैयार करते थे। आप भी इन रंगों का इस्तेमाल कर रंगोली तैयार कर सकते हैं ग्रीन रंग के लिए आप हीना पाऊडर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

स्टीकर रंगोली

अगर आपके पास रंगोली बनाने का समय नहीं हैं तो इसे बनाने का सबसे आसान तरीका से स्टीकर रंगोली। बाजार से बने बनाई स्टीकर रंगोली आसानी से मिल जाती है। बस जहां पर भी आपने रंगोली बनानी हैं स्टिकर के पीछे का कागज उतार कर इसे जमीन और दीवारों पर चिपकाते जाएं।



कुंदन रंगोली

आजकल दीवारों पर रंगोली बनाने का खूब भी ट्रैंड चल रहा है। कुंदन रंगोली इसके लिए बैस्ट ऑप्शन है। ड्राइंग रूम की दीवारों पर रंग-बिरंगी कुदंन से जड़ी रंगोली से घर की खूबसूरती और भी बढ़ जाएगी।

इस बात का रखें ध्यान रंगोली में लाल,हरा, गुलाबी रंगों का इस्तेमाल करना शुभ होता है। इसमें रंगोली काले और नीले रंग का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

इन जगहों पर जलाएं दीया, होगा लक्ष्मी का वास

दीवाली भारत के सबसे बड़े त्यौहारों में से एक है। देश के हर कोने में यह त्यौहार बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। लोगों के मन में भी इस त्यौहार को लेकर बहुत उत्साह होता है। दीवाली के दिन लोग अपने घर को दुल्हन की तरह सजाते हैं और खूब दीपमाला करते हैं। इस दिन सिर्फ घर के मंदिर में ही नहीं बल्कि और भी कई ऐसी जगहें हैं जहां दीए जलाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा नहीं आती। आइए जानिए दीवाली के दिन कहां-कहां दीया जलाना शुभ होता है।



- दीवाली की रात लक्ष्मी मां की पूजा की जाती है और घर के मंदिरों में दीया जलाते हैं लेकिन यह दीया पूरी रात के लिए जलाना चाहिए। इससे मां लक्ष्मी खुश हो जाती हैं और घर में धन-समृद्धी आती है।
- घर के मेन गेट की चौखट पर ही दीया जलाना शुभ माना जाता है। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा नहीं आती और सुख-शांति बनी रहती है।
- दीवाली पर घर के नजदीक चौराहे पर भी दीपक जरूर जलाना चाहिए। इससे मां लक्ष्मी प्रसन्न हो जाती हैं।
- घर के पास वाले मंदिर में भी दीया जरूर जलाना चाहिए।
- दीवाली के दिन घर के मंदिर के साथ-साथ आंगन में भी दीया जलाना शुभ होता है।
- इस दिन पीपल के पेड़ के नीचे भी दीपक जरूर जलाना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि पीपल पर दीया जलाने के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहिए।



दिवाली पर पांच दिनों तक ऐसे करें पूजन

दीपावली का त्योहार पांच दिनों तक चलने वाला महापर्व है। धन तेरस से शुरू होकर यह त्योहार नरक चतुर्दशी, मुख्य पर्व दीपावली, गोवर्धन पूजा से होते हुए भाई दूज पर समाप्त होता है। इन पांच दिनों में अलग-अलग कथानुसार देवी देवताओं का पूजन कर परंपरा का निर्वाह किया जाता है। जानिए इस पांच दिवसीय पर्व पर पांच दिनों का महत्व और पूजन विधि -

धन त्रयोदशी

पांच दिवसीय दीपावली पर्व का आरंभ धन त्रयोदशी से होता है। धनतेरस के दिन भगवान धनवंतरी का जन्म हुआ था। समुद्र मंथन के समय इसी दिन धनवंतरी सभी रोगों के लिए औषधि कलश में लेकर प्रकट हुए थे। अत: इस दिन भगवान धनवंतरी का पूजन श्रद्धापूर्वक करना चाहिए जिससे दीर्घ जीवन एवं आरोग्य की प्राप्ति होती है।

धनतेरस के दिन अपनी शक्ति अनुसार बर्तन क्रय करके घर लाना चाहिए एवं उसका पूजन करके प्रथम उपयोग भगवान के लिए करने से धन-धान्य की कमी वर्ष पर्यन्त नहीं रहती। इस दिन सायंकाल घर के मुख्य द्वार पर यमराज के निमित्त एक अन्न से भरे पात्र में दक्षिण मुख करके दीपक रखने एवं उसका पूजन व प्रज्जवलन कर यमराज से प्रार्थना करने पर असामयिक मृत्यु से बचा जा सकता है





नरक चतुर्दशी

दीपोत्सव का दूसरा दिन नरक चतुर्दशी अथवा रूप चैदस होता है। इस दिन सूर्योदय से पूर्व शरीर पर तेल लगाकर स्नान करना चाहिए। ऐसा माना जाता है, कि इस दिन सूर्योदय के पश्चात स्नान करने वाले मनुष्य के वर्षभर के शुभ कार्य नष्ट हो जाते हैं। एवं इस दिन स्नान के पश्चात दक्षिण मुख करके यमराज से प्रार्थना करने पर व्यक्ति के वर्ष भर के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस दिन सायंकाल देवताओं का पूजन करके घर, बाहर, सड़क आदि प्रत्येक स्थान पर दीपक जलाकर रखना चाहिए।

लक्ष्मी पूजन

पांच दिवसीय इस पर्व का प्रमुख दिन लक्ष्मी पूजन अथवा दीपावली होता है। इस दिन रात्रि को जागरण करके धन की देवी लक्ष्मी माता का पूजन विधिपूर्वक करना चाहिए एवं घर के प्रत्येक स्थान को स्वच्छ करके वहां दीपक लगाना चाहिए जिससे घर में लक्ष्मी का वास एवं दरिद्रता का नाश होता है। इस दिन देवी लक्ष्मी, भगवान गणेश तथा द्रव्य, आभूषण आदि का पूजन करके 13 अथवा 26 दीपकों के मध्य एक तेल का दीपक रखकर उसकी चारों बातियों को प्रज्जवलित करना चाहिए एवं दीपमालिका का पूजन करके उन दीपों को घर में प्रत्येक स्थान पर रखें एवं चार बातियों वाला दीपक रातभर जलता रहे ऐसा प्रयास करें।

गोवर्धन पूज

कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट उत्सव मनाना जाता है। इस दिन प्रात: जल्दी उठकर घर के द्वार पर गोबर से गोवर्धन बनाकर उसे पेड़ की शाखों एवं फूलों से सजाकर उसका एवं गायों का पूजन करना चाहिए। इस दिन मंदिरों में भगवान को छप्पन प्रकार का भोग लगाकर उसे प्रसाद रूप में वितरित करना चाहिए।

यम द्वितीया या भाईदूज

कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया को भाईदूज या यम द्वितीया का पर्व मनाया जाता है। इस दिन यमराज की पूजा की जाती है। भाईदूज के दिन बहनों को अपने भाइयों को आसन पर बैठाकर तिलक लगाकर आरती उतारनी चाहिए एवं उसे विभिन्न प्रकार के व्यंजन अपने हाथ से बनाकर खिलाना चाहिए। भाई को अपनी शक्ति अनुसार बहन को वस्त्र, स्वर्ण आदि देकर आशीर्वाद लेना चाहिए।

संपादकीय

फिर हेलीकॉप्टर हादसा

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि उत्तराखंड में तीर्थयात्रियों को ला रहा एक हेलीकॉप्टर फिर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में बद्रीनाथ से देहरादून लौट रहे पांच तीर्थयात्रियों और पायलट समेत छह लोगों की मौत हो गई। जटिल भौगोलिक परिस्थितियों के चलते पहाड़ी इलाकों में हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने पर यात्रियों के बचने की संभावना ना के बराबर होती है। यदि राहत व बचाव का कार्य शुरू भी किया जाए तो विषम परिस्थितियों में यह संभव नहीं हो पाता। लेकिन बेहद ऊंचे हिमालयी इलाकों में हेलीकॉप्टर सेवा को लेकर जो अतिरिक्त सुरक्षा सावधानी बरती जानी चाहिए, वह नजर नहीं आती। लगता हेलीकॉप्टर सेवा संचालित करने वाली कंपनियां यात्रियों की सुरक्षा के बजाय अपने मुनाफे को ही प्राथमिकता दे रही हैं। विडंबना यह है कि उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के दौरान ऐसे हादसे लगातार होते रहे हैं। बल्कि हादसों के बाद कुछ समय के लिये हेलीकॉप्टर सेवाओं को रोका भी गया था। लेकिन फिर 'वही ढाक के तीन पात' वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में इस हिमालयी राज्य में हेलीकाप्टर हादसे और इमरजेंसी की स्थिति में हेलीकॉप्टर उतारने की कई घटनाएं सामने आई हैं। जिसके चलते निजी कंपनियों द्वारा हवाई सेवा के परिचालन के तौर-तरीकों और तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस बाबत गत वर्ष जुलाई में संसद में नागरिक उड्डयन मंत्रालय की तरफ से आधिकारिक जानकारी संसद को दी गई थी। जिसमें बताया गया कि साल 2020 के बाद देश में बारह हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं हुई थी। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि इनमें से सात दुर्घटनाएं सिर्फ उत्तराखंड में हुई थीं। इन हादसों में जिन तीस लोगों की मृत्यु हुई, उनमें से इक्कीस सिर्फ उत्तराखंड में हुए हादसों में मारे गए। जिससे उत्तराखंड में चारधाम यात्रा में हवाई सेवा देने वाली कंपनी की सुरक्षा नीति और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठने स्वाभाविक ही हैं। इन हादसों के बाद हुए व्यापक विरोध के चलते कुछ समय हेलीकॉप्टर सेवा का परिचालन स्थगित भी किया गया था। यहां सवाल उठना स्वाभाविक है कि इन हादसों के बाद भी नियामक संस्थाएं तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनी की जवाबदेही क्यों तय नहीं कर रही हैं? सवाल यह भी है कि तीर्थ यात्रियों का जीवन खतरे में डालने वाली कंपनी के मालिक व अधिकारियों को क्या कभी जवाबदेह ठहराया गया? क्या कंपनी पर कभी जुर्माना लगाया गया? बीच में सेवा को स्थगित किया था,तो क्या इस सेवा को फिर से शुरू करने के लिये सुरक्षा मानकों पर कंपनी खरी उतरी थी? यदि खरी उतरी थी तो यह नया हादसा कैसे हुआ? जाहिर है, इस हेलीकॉप्टर सेवा के दौरान सिर्फ कंपनी के मुनाफे को प्राथमिकता दी जा रही है। यह सर्वविदित है कि बद्रीनाथ व केदारनाथ आदि तीर्थ बेहद ऊंचाई पर स्थित हैं। जहां लगातार मौसम अचानक बदलता रहता है। मौसम खराब होने पर हवाई यात्रा जोखिमभरी होती है। जिसके चलते बदलते मौसम को लेकर भी सतर्कता बरतनी बेहद जरूरी है। वहीं दूसरी ओर तीर्थयात्रियों का हादसे का शिकार होना, श्रद्धालुओं की आस्था व विश्वास को भी प्रभावित करता है। उनके मन में कई तरह के संशय पैदा करता है। यह विडंबना है कि इस हिमालयी राज्य में धार्मिक पर्यटन में वृद्धि और हेलीकॉप्टर से श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने के बावजूद सुरक्षा के मानकों के प्रति सरकार ने गंभीरता नहीं दिखायी। यदि शुरुआती हादसों के बाद कंपनी का लाइसेंस स्थगित करके जवाबदेही तय की जाती तो शायद फिर इन दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होती। फिर सुरक्षित सफर के लिये हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनी आवश्यक सावधानी का अनिवार्य रूप से पालन करती। यह निर्विवाद तथ्य है कि सुविधाओं के विस्तार के साथ इस संवेदनशील इलाके में सुरक्षा सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मौसम के तेवर में बदलाव और मामूली तकनीकी त्रुटि तीर्थयात्रियों के लिये जानलेवा ही साबित होती है। यह विडंबना ही कि सरकारें तीर्थस्थलों व पर्यटन स्थलों पर यात्रियों को लुभाने के लिये तमाम तरह के सब्जबाग तो दिखाती हैं लेकिन जोखिम मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने को लेकर प्रतिबद्धता नजर नहीं आती।

हादसे में बद्रीनाथ से देहरादून लौट रहे पांच तीर्थयात्रियों और पायलट समेत छह लोगों की मौत हो गई। जटिल भौगोलिक परिस्थितियों के चलते पहाड़ी इलाकों में हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने पर यात्रियों के बचने की संभावना ना के बराबर होती है। यदि राहत व बचाव का कार्य शुरू भी किया जाए तो विषम परिस्थितियों में यह संभव नहीं हो पाता। लेकिन बेहद ऊंचे हिमालयी इलाकों में हेलीकॉप्टर सेवा को लेकर जो अतिरिक्त सुरक्षा सावधानी बरती जानी चाहिए, वह नजर नहीं आती। लगता हेलीकॉप्टर सेवा संचालित करने वाली कंपनियां यात्रियों की सुरक्षा के बजाय अपने मुनाफे को ही प्राथमिकता दे रही हैं। विडंबना यह है कि उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के दौरान ऐसे हादसे लगातार होते रहे हैं। बल्कि हादसों के बाद कुछ समय के लिये हेलीकॉप्टर सेवाओं को रोका भी गया था। लेकिन फिर 'वही ढाक के तीन पात' वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में इस हिमालयी राज्य में हेलीकाप्टर हादसे और इमरजेंसी की स्थिति में हेलीकॉप्टर उतारने की कई घटनाएं सामने आई हैं। जिसके चलते निजी कंपनियों द्वारा हवाई सेवा के परिचालन के तौर-तरीकों और तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस बाबत गत वर्ष जुलाई में संसद में नागरिक उड्डयन मंत्रालय की तरफ से आधिकारिक जानकारी संसद को दी गई थी। जिसमें बताया गया कि साल 2020 के बाद देश में बारह हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं हुई थी। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि इनमें से सात दुर्घटनाएं सिर्फ उत्तराखंड में हुई थीं। इन हादसों में जिन तीस लोगों की मृत्यु हुई, उनमें से इक्कीस सिर्फ उत्तराखंड में हुए हादसों में मारे गए। जिससे उत्तराखंड में चारधाम यात्रा में हवाई सेवा देने वाली कंपनी की सुरक्षा नीति और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठने स्वाभाविक ही हैं।

शिक्षा के मंदिरों में हिंसा का अंधेरा और असुरक्षित होता बचपन

विद्यालयों में बचपन को हिंसामुक्त बनाने की चुनौती

माता-पिता अपने बच्चों को विद्यालय इसलिए भेजते हैं कि वहां वे ज्ञान अर्जित करें, मित्रता करना सीखें, अनुशासन और सहयोग की भावना विकसित करें तथा अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ें लेकिन जब यही विद्यालय बच्चों के लिए भय, अपमान, प्रताड़ना और हिंसा का केंद्र बनने लगें तो यह केवल शिक्षा व्यवस्था की विफलता नहीं बल्कि संपूर्ण समाज के नैतिक और मानवीय चरित्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। आज बच्चों के बीच बढ़ती आक्रामकता, मारपीट, धमकाने, मानसिक प्रताड़ना और साइबर बुलिंग की घटनाएं जिस तेजी से सामने आ रही हैं, वे बचपन की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता पैदा करती हैं। इसी गंभीर चुनौती के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष नवंबर के पहले गुरुवार को 'स्कूलों में हिंसा और बदमाशी (साइबर बुलिंग सहित) के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय दिवस' मनाया जाता है। इस वर्ष यह दिवस 5 नवंबर को मनाया जा रहा है। यूनेस्को के सदस्य देशों ने 2019 में इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया था और इसका पहला आयोजन 2020 में हुआ था। इस वर्ष इसकी थीम है 'हर शिक्षार्थी सुरक्षित और स्वस्थः वादे से व्यवहार तक'। यह थीम केवल एक औपचारिक संदेश नहीं बल्कि दुनिया की शिक्षा प्रणालियों, सरकारों, विद्यालयों, शिक्षकों और अभिभावकों के सामने एक स्पष्ट चुनौती रखती है कि बच्चों की सुरक्षा के संबंध में की गई घोषणाओं को वास्तविक जीवन में प्रभावी कार्रवाई में बदला जाए। इस दिवस का महत्व इस वर्ष पंचकूला के एक सरकारी विद्यालय में हुई दिल दहला देने वाली घटना के संदर्भ में और बढ़ जाता है। 28 अक्तूबर को विद्यालय में तीसरी कक्षा के आठ वर्षीय छात्र द्वारा छह वर्षीय छात्रा पर कथित रूप से ईंट, गमले और अन्य वस्तुओं से बेरहमी से हमला किए जाने की घटना ने पूरे समाज को झकझोर दिया। बच्ची को गंभीर चोटें आई और उसे चंडीगढ़ के पीजीआई में उपचार के लिए भर्ती कराना पड़ा। इस घटना का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि हिंसा करने वाला भी बच्चा है और उसका शिकार बनी बच्ची भी। यह किसी व्यस्क अपराधी द्वारा बच्चे के विरुद्ध किया गया अत्याचार नहीं बल्कि बाल मन में पनप रही असामान्य आक्रामकता और बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था में मौजूद गंभीर खामियों का संकेत है। ऐसे में यह विचारणीय है कि बच्चों के सामने किस प्रकार की डिजिटल सामग्री परोसी जा रही है, वे घर और विद्यालय में किस तरह के व्यवहार को देखते हैं तथा उनकी भावनात्मक समस्याओं को समझने के लिए कितनी गंभीरता से प्रयास किए जा रहे हैं। किसी बच्चे का हिंसक व्यवहार केवल दंड का नहीं, उसके पीछे छिपे पारिवारिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और पर्यावरणीय कारणों की पड़ताल का भी विषय है। विद्यालयों में हिंसा हमेशा गंभीर शारीरिक हमलों के रूप में ही सामने नहीं आती। किसी बच्चे को उसके रंग, रूप, भाषा, आर्थिक स्थिति, शारीरिक बनावट, पारिवारिक पृष्ठभूमि, परीक्षा में प्रदर्शन अथवा किसी अन्य भिन्नता के कारण चिढ़ाना, उपनाम देकर अपमानित करना, समूह से अलग रखना, धमकाना, डराना और बार-बार मानसिक रूप से प्रताड़ित करना भी बदमाशी के ही रूप हैं। कई बार इसे बच्चे आपसी मजाक या सामान्य शरारत समझकर टाल देते हैं जबकि लगातार होने वाला ऐसा व्यवहार पीड़ित बच्चे के आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और मानसिक स्वास्थ्य को भीतर तक तोड़ सकता है। भय के कारण वह विद्यालय जाने से कतराने लगता है, पढ़ाई में पिछड़ता है, अकेलापन महसूस करता है और कई मामलों में अवसाद तथा आत्मघाती विचारों तक से जूझ सकता है। यूनेस्को की 2019 की वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में प्रत्येक तीन में से एक से अधिक विद्यार्थी विद्यालयों में किसी न किसी रूप में बदमाशी का शिकार हुए। लगभग हर दस में से एक विद्यार्थी साइबर बुलिंग से प्रभावित पाया गया। रिपोर्ट ने यह भी रेखांकित किया कि बार-बार बदमाशी झेलने वाले विद्यार्थियों में विद्यालय से अलगाव महसूस करने और अनुपस्थित रहने की आशंका अधिक होती है। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि बदमाशी कोई सामान्य बालसुलभ शरारत नहीं बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और बच्चों के अधिकारों से जुड़ी गंभीर वैश्विक समस्या है। तकनीक के विस्तार ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। पहले विद्यालय की चारदीवारी के भीतर होने वाली प्रताड़ना अब मोबाइल फोन, इंटरनेट, सोशल मीडिया, ऑनलाइन खेलों और संदेशों के माध्यम से चौबीसों घंटे बच्चों का पीछा कर सकती है। किसी बच्चे की तस्वीर या वीडियो को बिना अनुमति साझा करना, उसे अपमानजनक टिप्पणियों का निशाना बनाना, फर्जी पहचान बनाकर धमकाना, निजी संदेशों को सार्वजनिक करना अथवा ऑनलाइन समूहों से जानबूझकर बाहर रखना साइबर बुलिंग के गंभीर रूप हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए सबसे पहले विद्यालयों को अपनी जिम्मेदारी का वास्तविक अर्थ समझना होगा। केवल प्रवेश द्वार पर सुरक्षा कर्मचारी तैनात कर देना, परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगवा देना अथवा दीवारों पर अनुशासन संबंधी संदेश लिखवा देना पर्याप्त नहीं है। पंचकूला की घटना ने यह सवाल खड़ा किया है कि यदि विद्यालय परिसर में बच्चे असुरक्षित हैं और गंभीर हिंसा की घटना लंबे समय तक किसी की नजर में नहीं आती तो सुरक्षा के तमाम दावों का औचित्य क्या है? सीसीटीवी कैमरे तभी उपयोगी हैं, जब उनकी नियमित निगरानी हो और किसी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल हस्तक्षेप किया जाए। विद्यालयों में संवेदनशील स्थानों की नियमित निगरानी, पर्याप्त शिक्षकीय उपस्थिति, बच्चों की आवाजाही पर नियंत्रण, आगंतुकों का सत्यापन तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया की स्पष्ट व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। विशेष रूप से छोटे बच्चों की सुरक्षा के लिए कक्षाओं, गलियारों, शौचालयों के आसपास और विद्यालय परिसर के अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में पर्याप्त निगरानी सुनिश्चित करना जरूरी है। यहां अभिभावकों को जिम्मेदारी सबसे बड़ी है। बच्चों को महंगे मोबाइल, इंटरनेट और डिजिटल मनोरंजन की सुविधाएं उपलब्ध करा देना ही अच्छी परवरिश नहीं है। माता-पिता को यह जानने का प्रयास करना होगा कि उनके बच्चे इंटरनेट पर क्या देखते हैं, किन लोगों से संवाद करते हैं, किस तरह के ऑनलाइन खेल खेलते हैं और उनके व्यवहार में कोई असामान्य परिवर्तन तो नहीं आ रहा। बच्चों के सामने घर में हिंसक भाषा, अपमानजनक व्यवहार और आक्रामकता का प्रदर्शन करने से बचना भी उतना ही आवश्यक है। परिवार में प्रेम, संवाद, सहानुभूति और आपसी सम्मान का वातावरण ही बच्चों के भीतर मानवीय संवेदनाओं की मजबूत नींव रख सकता है। बच्चों को यह सिखाना होगा कि अपनी बात मनवाने के लिए हिंसा नहीं, संवाद और सहमति का रास्ता अपनाना चाहिए। यह समझना भी जरूरी है कि हिंसा करने वाले बच्चे को केवल अपराधी घोषित करके समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता।



देश दुनिया से

ट्रंप के लाल तेवरों के खिलाफ नीली सुनामी

'ब्लू सुनामी' कहिए इसे। यह आधुनिक इतिहास में किसी मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति के खिलाफ सबसे बड़े जनादेशों में से एक रहा है। मतदाताओं के पास ट्रम्प की निरंकुश सत्ता को नकारने, ईरान में उनके अलोकप्रिय युद्ध, जीवन-यापन की भारी-भरकम लागत को कम करने में उनकी विफलता और पूरी दुनिया में आर्थिक अफरा-तफरी मचाने के खिलाफ अपना फैसला सुनाने का मौका था। अमेरिकी मतदाताओं ने ट्रम्प समर्थकों के 'एमएजीए' (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) के एकाधिकार को जबरदस्त 'ब्लू वेव' के जरिये समाप्त कर दिया। निचले सदन 'हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स' और ऊपरी सदन 'सीनेट' पर अब डेमोक्रेट्स का नियंत्रण दिखने लगा है। इससे डेमोक्रेट नेता हकीम जेफ़रीज़ के लिए इस सदन का पहला अश्वेत स्पीकर बनने का रास्ता साफ हो चुका है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प यकीनन इस कालखंड के सबसे बड़े इस्राइल समर्थक राष्ट्रपति रहे हैं। इसलिए उनकी यह घोषणा कि संयुक्त राज्य अमेरिका इस्राइल को 4 बिलियन डॉलर की वार्षिक सहायता देना बंद कर देगा, आश्चर्यजनक थी। इस घोषणा को भूकंपीय थरथरी से कम मत मानिए, जिसे तेल अवीव तक तीव्रता से महसूस किया गया। नेतन्याहू के कट्टर समर्थकों का विचार भी बदलने लगा। वे मानने लगे कि ट्रम्प से मिलकर उन्होंने देश को धोखा दिया है। पिछले सप्ताह के चुनाव में कोई स्पष्ट विजेता नहीं होने और नेतन्याहू के भविष्य पर अनिश्चितता के बाद इस्राइल राजनीतिक अधर में है। 4 अरब डॉलर की वार्षिक सैन्य सहायता बंद कर देने की घोषणा ने दोनों देशों के बीच संबंधों के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इससे ठीक एक सप्ताह पहले इस्राइल में चुनाव हुए थे, जिसमें नेतन्याहू ने बार-बार इस बात पर जोर दिया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ उनके संबंधों से रणनीतिक अवसर मिलते हैं। ट्रम्प के ताजा बयानों के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच इस सहायता को समाप्त करने को लेकर महीनों पहले ही सहमति बन गई थी, जबकि मौजूदा समझौता 2028 तक लागू रहना था। ट्रम्प ने दावा किया कि खुद नेतन्याहू ने ही इस बदलाव का प्रस्ताव दिया था। आखिर क्यों? क्या नेतन्याहू ने मान लिया कि वे सरकार नहीं बना पाएंगे? बना भी ली, तो मनमर्जी चला नहीं पाएंगे। और जब इस्राइल का नियंत्रण किन्हीं और हाथों में चला जाए, तो ट्रम्प से कहकर उसकी डोर क्यों न काट ली जाए। हालांकि, नेतन्याहू ने सार्वजनिक रूप से यह वकालत की थी कि अगले एक दशक में अमेरिकी सैन्य सहायता को धीरे-धीरे खत्म कर दिया जाना चाहिए। इसका असर गठबंधन बनाने की बातचीत पर भी पड़ने लगा है। जो पार्टियां थोड़ा-बहुत नेतन्याहू के नेतृत्व को बर्दाश्त कर गठबंधन वाली सरकार में शामिल होने पर विचार कर रही थीं, अब उनके नेता बिदकने लगे हैं। उनके सामने एक बड़ा सवाल है कि भविष्य के सरकारी बजट पर पड़ने वाले वित्तीय बोझ को कैसे संभाला जाएगा? ट्रम्प के कार्यकाल के खत्म होने से पहले इस्राइल के पास 28 महीने का समय है, जिसमें वह ईरान, गाजा और लेबनान में चल रही प्रक्रियाओं को और अधिक मजबूत कर सकता है। मौजूदा समझौते के तहत इस्राइल को सालाना 3.8 अरब डॉलर मिलते हैं, जिसमें 3.3 अरब डॉलर की सैन्य फंडिंग और 500 मिलियन डॉलर संयुक्त मिसाइल-रक्षा कार्यक्रमों के लिए शामिल हैं। यदि इस सहायता को जल्दबाजी में वापस लिया जाता है, तो रक्षा खरीद, बजट योजना और महत्वपूर्ण सुरक्षा क्षमताओं को बनाए रखने को लेकर तुरंत सवाल खड़े हो जाएंगे। विदेश नीति के ऐसे विश्लेषक, जो रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक, दोनों प्रशासनों में काम कर चुके हैं, मानते हैं कि इस्राइल की अर्थव्यवस्था अब इतनी मजबूत हो चुकी है कि उसे सैन्य उपकरण खरीदने के लिए अमेरिकी मदद की जरूरत नहीं है। वैश्विक मामलों के विश्लेषक और नई किताब 'ब्रिंक' के लेखक ब्रेट मैकगर्क भी उनमें से एक हैं। अमेरिका में राजनीतिक हालात को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। डेमोक्रेट्स ने ऐतिहासिक जीत हासिल करते हुए हाउस और सीनेट, दोनों पर अपना नियंत्रण बना लिया है। डेमोक्रेट्स ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भारी अलोकप्रियता का फायदा उठाया और इतनी ताकत हासिल कर ली है कि वे उनके कार्यकाल के आखिरी दो वर्षों में उन पर लगाम रख सकें। डोनाल्ड ट्रम्प का वर्तमान राष्ट्रपति कार्यकाल जनवरी, 2029 में समाप्त होना तय है। लेकिन तब तक क्या वे शांत बैठेंगे? ट्रम्प ने 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' को बताया कि वे नतीजों को स्वीकार करेंगे। इससे फिलहाल उन सवालों पर विराम लग गया है कि क्या वे इन नतीजों को चुनौती देंगे। ट्रम्प इतनी आसानी से पराजय स्वीकार करने वाले प्राणी नहीं हैं। उन्हें अपने 'वीटो' पर भरोसा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को जोर देकर कहा कि वे सदन में डेमोक्रेट-समर्थित कानूनों को रोकने के लिए 'वीटो पावर' का इस्तेमाल करेंगे। उन्होंने फॉक्स न्यूज के ब्रेट बेयर से कहा, 'यह राष्ट्रपति के पास मौजूद सबसे मजबूत शक्तियों में से एक है। वे ऐसी चीजें भेजेंगे, जो बिल्कुल बेतुकी होंगी और मैं उन पर वीटो लगा दूंगा। कुछ महीनों तक वीटो लगाने के बाद वे पूछेंगे कि इन कामों को कैसे पूरा किया जाए? और फिर हम मिलकर काम करेंगे।' लेकिन ट्रम्प यह भूल जाते हैं कि अमेरिकी संसद में 'वीटो-प्रूफ बहुमत' भी होता है। अमेरिकी संविधान के अनुच्छेद 1, धारा 7 के अनुसार, यदि राष्ट्रपति किसी बिल को वीटो के जरिये अस्वीकार कर देते हैं, तो उसे दोबारा कानून बनाने के लिए अमेरिकी संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत से पास होना जरूरी है।



आप का नज़रिया

क्या एसआईआर 'बेमानी' है?

अंततः चुनाव आयोग को लौट कर उसी बिंदु पर आना पड़ा, जहां से उसने मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण के लिए 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) शुरू किया था। अब चुनाव आयोग ने राज्यों और संघशासित क्षेत्रों के मुख्य चुनाव अधिकारियों (सीईओ) को लिखित निर्देश दिए हैं कि पुराने मतदाता भी फॉर्म 6 भर सकते हैं और इस तरह अधिकृत मतदाता बन सकते हैं। जिनके नाम मतदाता सूची में थे और एसआईआर के दौरान हटा दिए गए, वे मतदाता फॉर्म 6 के जरिए नया आवेदन कर 'मतदाता' बन सकते हैं। एसआईआर के दौरान यह व्यवस्था नहीं थी, बल्कि चुनाव आयोग ने फॉर्म 6 के साथ एक हलफनामा भी जोड़ दिया था, जिसमें घोषणा करना 'अनिवार्य' तय किया गया था कि वह पहली बार मतदाता बनने के लिए आवेदन कर रहा है। उस हलफनामे में माता-पिता, दादा-दादी आदि के मतदाता होने की भी घोषणा करनी पड़ती थी। यह मामला अब सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है, लेकिन चुनाव आयोग को 'बुद्धू की तरह लौट कर घर आना' पड़ा है। अब कोई भी फॉर्म 6 भर कर मतदाता बन सकता है। देश के जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 31 के तहत ऐसा करना 'दंडनीय अपराध' है। यदि पुराना मतदाता फॉर्म 6 के जरिए आवेदन करता है, तो उसे एक साल जेल की सजा तक हो सकती है। लेकिन सर्वोच्च अदालत में प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली न्यायिक पीठ ने व्यवस्था दी थी कि जिनके नाम छूट गए हैं या गायब हैं अथवा काट दिए गए हैं, वे फॉर्म 6 के जरिए भी आवेदन कर सकते हैं। उनके खिलाफ कोई मुकदमा नहीं चलाया जाएगा और न ही उन्हें सजा होगी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी इसी आशय की बात कही थी। सवाल है कि क्या अदालतें संसद द्वारा पारित और स्थापित कानून के खिलाफ भी व्यवस्था अथवा फैसला दे सकती हैं? सर्वोच्च अदालत की न्यायिक पीठ ने ही आयोग से कडक़ सवाल पूछा था कि पुराने मतदाताओं से फॉर्म 6 क्यों भरवाया जा रहा है? उनसे फॉर्म 8 के जरिए आवेदन लिए जाएं और स्वीकार किए जाएं। इस न्यायिक विरोधाभास को क्या समझा जाए? अहम सवाल तो यह है कि क्या एसआईआर का संपूर्ण अभियान ही बेमानी साबित हुआ? दरअसल अब चुनाव आयोग का कहना है कि यदि पुराने, छूटे हुए मतदाता भी फॉर्म 6 के जरिए आवेदन करते हैं, तो उसे 'झूठी घोषणा' नहीं माना जाएगा, लिहाजा दंडनीय कानूनी कार्रवाई भी नहीं की जाएगी। आश्चर्यजनक है कि एक संवैधानिक संस्था ही 'संवैधानिक कानून' के खिलाफ काम कर रही है! एसआईआर का अभियान 13 राज्यों और संघशासित क्षेत्रों में सम्पन्न हो चुका है। अंतिम मतदाता सूचियां भी जारी की जा चुकी हैं। कुछ संशोधन तो जारी रहेंगे, उनकी पूरक सूचियां प्रकाशित की जाएंगी। अभी तक के शुद्धिकरण में 3 करोड़ से अधिक ऐसे मतदाता सामने आए हैं, जिनका कोई अता-पता नहीं है। वे कौन हैं? किस मंगल ग्रह पर चले गए? कोई जानकारी नहीं है। वैसे यह बेहद अजीब स्थिति है, क्योंकि उनके नाम मतदाता सूची में रहे हैं। जाहिर है कि उन्होंने मतदान भी किया होगा! वे 'दिवंगत' की सूची में भी नहीं हैं। उप्र के सीईओ नवदीप रिणवा ने एक साक्षात्कार में खुलासा किया है कि उप्र में 7-8 लाख लोग ऐसे रहे, जिन्होंने अधिकृत फॉर्म भर कर नहीं लौटाए। बीएलओ बार-बार उनके आवास पर गए। अब तो उन्होंने मिलना ही बंद कर दिया है। क्या उन्हें 'घुसपैठिए' अथवा 'फर्जी मतदाता' मान लिया जाए? ऐसे 3 करोड़ से अधिक 'पूर्व मतदाताओं' को गृहमंत्री अमित शाह ने 'बांग्लादेशी घुसपैठिए' करार दिया है। मगर सवाल है कि यह आंकड़ा अचानक कहां से आ गया।

चुनाव आयोग ने राज्यों और संघशासित क्षेत्रों के मुख्य चुनाव अधिकारियों (सीईओ) को लिखित निर्देश दिए हैं कि पुराने मतदाता भी फॉर्म 6 भर सकते हैं और इस तरह अधिकृत मतदाता बन सकते हैं। जिनके नाम मतदाता सूची में थे और एसआईआर के दौरान हटा दिए गए, वे मतदाता फॉर्म 6 के जरिए नया आवेदन कर 'मतदाता' बन सकते हैं। एसआईआर के दौरान यह व्यवस्था नहीं थी, बल्कि चुनाव आयोग ने फॉर्म 6 के साथ एक हलफनामा भी जोड़ दिया था, जिसमें घोषणा करना 'अनिवार्य' तय किया गया था कि वह पहली बार मतदाता बनने के लिए आवेदन कर रहा है। उस हलफनामे में माता-पिता, दादा-दादी आदि के मतदाता होने की भी घोषणा करनी पड़ती थी। यह मामला अब सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है, लेकिन चुनाव आयोग को 'बुद्धू की तरह लौट कर घर आना' पड़ा है। अब कोई भी फॉर्म 6 भर कर मतदाता बन सकता है। देश के जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 31 के तहत ऐसा करना 'दंडनीय अपराध' है। यदि पुराना मतदाता फॉर्म 6 के जरिए आवेदन करता है, तो उसे एक साल जेल की सजा तक हो सकती है। लेकिन सर्वोच्च अदालत में प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली न्यायिक पीठ ने व्यवस्था दी थी कि जिनके नाम छूट गए हैं या गायब हैं अथवा काट दिए गए हैं, वे फॉर्म 6 के जरिए भी आवेदन कर सकते हैं। उनके खिलाफ कोई मुकदमा नहीं चलाया जाएगा और न ही उन्हें सजा होगी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी इसी आशय की बात कही थी।

कुछ अलग

अधूरेपन के मिथ्या आंकड़े

इस देश में नेतागण चाहे देश के लोगों के हमदर्द, हमराज और मेहरबान कहलाते हैं, लेकिन केवल चुनाव के दिनों में। तब उन्हें वोटरों की घिसी हुई चौखट की पहचान भी भलीभांति हो जाती है। अपनी जाति अपने धर्म के लोग ही उपकार योग्य हैं। छहत्तर वर्ष से धर्मनिरपेक्ष घोषित देश की यही प्राथमिकता बन गई है। उन्हीं की दहलीज पहचानो और उनके गलत कामों को सही करवा देने का वायदा करो, वोट तुम्हें गठरों में पड़ जाएंगे। जीत गए तो चुनाव करवाने वाली मशीनों का जय-जयकार, हार गए तो इन मशीनों में दोष ही दोष। 'चुनाव मशीन से नहीं, बैलेट से करवाओ' का नारा उठाओ। यह जीतना भी एक भ्रम से पैदा होता है। लोगों में अपने आप को उनका अनन्य सेवक होने का भ्रम पैदा करो या उनके गलत काम सही करवाने वाला। जितना अधिक गलत लोगों का समर्थन बटोर सको, उतना ही अपनी विजय निश्चित जानो।

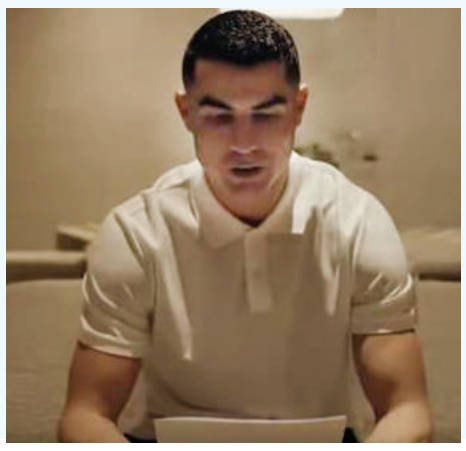
दृष्टि कोण

यूपी में भाजपा की पदयात्रा का मेगा प्लान 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता

उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में भाजपा नीत राजग और कांग्रेस नीत इंडी गठबंधन का मजबूत साथी समाजवादी पार्टी के बीच काँटे की टक्कर के आसार हैं! भाजपा भले ही दलितों और ओबीसी को पटाने के चक्कर में सवर्णों की सरजमीनी नाराजगी मोल ले चुकी है, जबकि समाजवादी नेता व उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक (PDA) वोटरों को अपनी ओर खींचकर और कांग्रेस को साथ लेकर लोकसभा चुनाव 2024 और विधान परिषद चुनाव 2026 में भाजपा को अपनी मजबूत राजनीतिक ताकत का एहसास करवा चुके हैं। ऐसे में यूपी के सवर्ण वोटर यदि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नाथ के सुशासन और विकास को ध्यान में रखते हुए भाजपा से जुड़े रहते हैं तो भाजपा मुकाबले में रहेगी, अन्यथा दलित और ओबीसी कानूनों को मजबूत करने और पूंजीवादी राज को प्रश्रय देने की कीमत उसे अपनी राज्य और केंद्र की सत्ता (2029) गंवा कर चुकानी पड़ेगी, जबकि भाजपा किसी भी कीमत पर यूपी की सत्ता गंवाना नहीं चाहती है। यही वजह है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने विपक्ष के राजनीतिक नैरेटिव को चुनौती देने के लिए नई रणनीति बनाई है? भाजपा की यह पदयात्रा महज जनसंपर्क अभियान नहीं है बल्कि इसके पीछे उसकी संगठनात्मक शक्ति प्रदर्शन, विपक्ष की घेराबंदी और चुनावी मुद्दों की दिशा तय करने की व्यापक कोशिश भी है। यदि भाजपा अपने दिग्गज नेताओं के मतभेद को काबू में करने में सफल हो जाती है तो लखनऊ में उसकी तीसरी सरकार बनने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा, क्योंकि वह कैडर बेस पार्टी है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा के मेगा प्लान में बड़े बड़े नेताओं को लगाना इन्हीं राजनीतिक संदर्भों में समझना चाहिए। यह अभियान ऐसे समय हो रहा है, जब प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियां धीरे-धीरे तेज हो रही हैं और भाजपा तथा विपक्ष के बीच चुनावी प्रक्रिया, संवैधानिक संस्थाओं और राजनीतिक विरोध के तौर-तरीकों को लेकर गंभीर बहस चल रही है। सबसे पहले जानिए कि आखिर पदयात्रा का कार्यक्रम क्या है? प्राप्त जानकारी के मुताबिक, भाजपा ने 3 से 5 नवंबर 2026 तक उत्तर प्रदेश के सभी छह संगठनात्मक क्षेत्रों में पदयात्राएं आयोजित करने की योजना बनाई है। इसका घोषित उद्देश्य लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना और विपक्ष के आरोपों का जवाब देना है। इस सिलसिले में निर्धारित प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार हैं: तारीख, स्थान और प्रमुख नेतृत्वः 3 नवंबर को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौ

रोनाल्डो के अंतरराष्ट्रीय करियर का दुखद अंत!

नई दिल्ली। फुटबॉल जगत के महानतम खिलाड़ियों में शुमार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने का ऐलान किया है। गुरुवार, 5 नवंबर को 41 वर्षीय रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर अपने फैसले की जानकारी दी। रोनाल्डो लगातार 23 वर्षों तक पुर्तगाल की राष्ट्रीय टीम का हिस्सा रहे। इस दौरान उन्होंने अपने देश को कई यादगार जीत दिलाईं और अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कीं। संन्यास की घोषणा करते हुए रोनाल्डो ने कहा कि नवंबर में ब्रेक के बाद वह पुर्तगाल की टीम की नंबर-7 जर्सी वापस कर देंगे। उन्होंने कहा कि इस जर्सी को पहनना उनके लिए गर्व की बात रही है। साथ ही उन्होंने माना कि इस जर्सी को पहनना एक बड़ी जिम्मेदारी भी थी। रोनाल्डो ने पुर्तगाल की ओर से 234 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले और 146 गोल किए। वह अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी और सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने वाले फुटबॉलर हैं। उनके नेतृत्व में पुर्तगाल ने 2016 में पहली बार यूरो कप का खिताब जीता। इसके अलावा टीम ने दो बार यूईएफए नेशंस लीग का खिताब भी अपने नाम किया। अगस्त 2003 में अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करने वाले रोनाल्डो ने दो दशक से अधिक समय तक पुर्तगाल का प्रतिनिधित्व किया। वह छह विश्व कप में भी पुर्तगाल की ओर से खेल चुके हैं। रोनाल्डो ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि अब राष्ट्रीय टीम की जिम्मेदारी अगली पीढ़ी को सौंपने



का समय आ गया है। उन्होंने स्वीकार किया कि अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहने का फैसला आसान नहीं था, क्योंकि पुर्तगाल की जर्सी उनके जीवन का बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। उनके संन्यास के साथ विश्व फुटबॉल के एक ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत हो गया।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के अंतरराष्ट्रीय करियर के अंत के पीछे कोच के साथ विवाद को भी एक बड़ी वजह बताया जा रहा है। सितंबर 2026 में पुर्तगाल के नॉर्वे के खिलाफ मुकाबले में रोनाल्डो को मैदान पर उतारने की बात हुई थी। रोनाल्डो के मुताबिक, कोच ने उन्हें 30 मिनट खेलने का भरोसा दिया था। इसी उम्मीद में उन्होंने हाफ टाइम से वार्मअप शुरू किया, लेकिन पूरे मुकाबले में उन्हें मैदान पर नहीं उतारा गया।

इससे रोनाल्डो नाराज हो गए। उन्होंने आरोप लगाया कि कोच ने अपना वादा पूरा नहीं किया। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत भी हुई, लेकिन प्रेस कॉन्फ्रेंस में कोच की टिप्पणी से रोनाल्डो एक बार फिर नाराज हो गए। बताया गया कि डेनमार्क के खिलाफ मुकाबले से पहले वह पुर्तगाल का टीम कैंप छोड़कर चले गए।

पुर्तगाल फुटबॉल महासंघ ने इस मामले में रोनाल्डो को 30 दिनों के निलंबन की सजा सुनाई और 255 यूरो का जुर्माना लगाया। वहीं, कोच जॉर्ज जीसस ने रोनाल्डो के साथ किसी तरह का समझौता होने से इनकार किया था। इसके बाद रोनाल्डो ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी।

न्यूज ब्रीफ

पहली बार बीबीएल में खेलेंगे मुस्तफिजुर, मेलबर्न रेनेगेड्स ने बेहरेनडार्फ की जगह पर शामिल किया

मेलबर्न। बांग्लादेश के अनुभवी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान पहली बार आस्ट्रेलियाई घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलते दिखेंगे।



मुस्तफिजुर को लीग के 16वें सत्र के लिए मेलबर्न रेनेगेड्स ने अपनी टीम में शामिल किया है। रेनेगेड्स ने चोटिल तेज गेंदबाज जेसन बेहरेनडार्फ की जगह पर मुस्तफिजुर को शामिल किया है। ये बांग्लादेशी गेंदबाज अपनी अपनी विविधता के लिए जाना जाता है। वहीं इससे पहले मेलबर्न रेनेगेड्स के मुख्य गेंदबाजों में से एक बेहरेनडार्फ कंधे की सर्जरी के कारण पूरे सत्र से बाहर हो गए हैं। वह बीबीएली लीग के इतिहास में चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनकी अनुपस्थिति को देखते हुए फ्रेंचाइजी ने मुस्तफिजुर को टीम में शामिल किया है। मुस्तफिजुर को अपनी धीमी गेंदों, कटर और विविधता के कारण खेलना किसी भी बल्लेबाज के लिए कठिन होता है। इस तेज गेंदबाज के पास लंबा अंतरराष्ट्रीय अनुभवी है। इसके अलावा उसने फ्रेंचाइजी क्रिकेट भी काफी खेला है। इस गेंदबाज ने बांग्लादेश के लिए तीनों प्रारुपों में कुल 271 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। इसमें 331 टी20 मैचों में 423 विकेट लिए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 16.9 का रहा है। उनके पास पावरप्ले से लेकर डेथ ओवरों तक विकेट निकालने की क्षमता है। मुस्तफिजुर के पास फ्रेंचाइजी क्रिकेट में लंबा अनुभव रहा है। उन्होंने नौ बांग्लादेश प्रीमियर लीग सत्र और आठ आईपीएल सत्र खेले हैं। वह 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद की उस टीम का हिस्सा थे, जिसने आईपीएल का खिताब जीता था। यह उनका आईपीएल में डेब्यू सीजन भी था।

कुलदीप को अवसर नहीं मिलने पर मनिंदर ने उठाये सवाल

चंडीगढ़। गुजरे जमाने के दिग्गज स्पिनर रहे मनिंदर सिंह ने कुलदीप यादव की लगातार उपेक्षा पर सवाल उठाये हैं। मनिंदर ने कहा है कि कुलदीप को किस कारण अंतिम ग्यारह में शामिल नहीं किया जा रहा है ये समझ से परे है। मनिंदर के अनुसार कुलदीप का प्रदर्शन हमेशा ही अच्छा रहा है। इस पूर्व क्रिकेटर के अनुसार लगता है कि टीम प्रबंधन को उनकी क्षमताओं पर पूरा भरोसा नहीं है, इसी वजह से उन्हें हर प्रारुप में काफी कम मौके मिल रहे हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो कुलदीप ने अपने एकदिवसीय करियर में 124 मैचों में 201 विकेट लिए हैं, जो मौजूदा भारतीय टीम के किसी भी अन्य गेंदबाज से अधिक हैं। इसके बावजूद, न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 सीरीज में उन्हें एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिला। आम तौर पर उपमहाद्वीप के बाहर टीम संतुलन की बात कहते हुए कुलदीप को बाहर रखा जाता है। इसके तहत मुख्य कोच गौतम गंभीर नंबर 8 तक बल्लेबाजी वाली टीम को प्राथमिकता दे रहे हैं। हार्दिक के नहीं होने के कारण भारत ने आमतौर पर तीन विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों को रखा है। इसी कार पिछले दो साल में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया (सेना देश) में खेले गए 35 मुकाबलों में से कुलदीप सिर्फ तीन में ही खेल पाए हैं। मनिंदर ने कहा कि कुलदीप एकदिवसीय और टी20 के लिए सबसे अच्छे गेंदबाज हैं पर इसके बाद भी उनको जगह नहीं मिल रही है।



भारतीय हाकी के दिग्गज के घर लाखों की चोरीः 1980 ओलंपिक में जीता स्वर्ण समेत 4 पदक ले गए चोर

बंगलूरू। भारतीय हाकी टीम के पूर्व खिलाड़ी एमएम सोमैया के बंगलूरू स्थित घर में चोरी की बड़ी घटना सामने आई है। अज्ञात चोर उनके घर से कीमती सामान और नकदी के साथ वह स्वर्ण पदक भी चुरा ले गए, जिसे सोमैया ने 1980 के मास्को ओलंपिक में भारतीय टीम के सदस्य के रूप में जीता था। चोरों ने उनके घर से कुल चार अंतरराष्ट्रीय पदक, सोने के आभूषण और चांदी की वस्तुओं पर हाथ साफ किया। चोरी हुए सामान की कुल कीमत करीब 3.53 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। परिवार के साथ बाहर गए थे सोमैया, पीछे से हुई चोरी पुलिस के मुताबिक, चोरी की यह घटना 28 अक्तूबर को बंगलूरू के एचएएल थर्ड स्टेज इलाके में हुई। यह क्षेत्र इंदिरानगर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है। 67 वर्षीय पूर्व हाकी खिलाड़ी एमएम सोमैया घटना के समय अपने परिवार के साथ कोडागु की यात्रा पर गए हुए थे। एफआईआर के अनुसार, चोरी का पता तब चला जब उनके एक पड़ोसी ने घर का दरवाजा खुला देखा। उसे घर में चोरी होने का संदेह हुआ, जिसके बाद उसने सोमैया को इसकी जानकारी दी। इसके बाद पड़ोसी के घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की गई। सीसीटीवी में दिखे दो संदिग्ध, तोड़कर घुसे थे दरवाजा सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक, 28 अक्तूबर की रात करीब 2:34 बजे दो अज्ञात व्यक्ति सोमैया के घर में दाखिल हुए थे। एफआईआर में बताया गया है कि इनमें से एक ने नीले रंग की शर्ट और दूसरे ने लाल रंग की शर्ट पहन रखी थी। दोनों आरोपियों ने कथित तौर पर घर का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया।



भारत ने जापान को हराकर रचा इतिहास

आखिरी क्वार्टर में दागे तीन गोल, 4-1 से जीतकर रिकॉर्ड छठी बार बना एशियाई चैंपियन



मोहाली । भारतीय हॉकी टीम ने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 के फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान को 4-1 से हराकर रिकॉर्ड छठी बार खिताब अपने नाम कर लिया। भारतीय टीम ने आखिरी क्वार्टर में मुकाबले का रुख पूरी तरह पलटते हुए लगातार तीन गोल दागे और जापान से जीत छीन ली। भारत की ओर से शिलानंद लाकड़ा, दिलप्रीत सिंह, जुगराज सिंह और विवेक सागर प्रसाद ने गोल किए।

फाइनल मुकाबले की शुरुआत जापान के लिए शानदार रही। जापान ने मैच शुरू होते ही गोल कर भारतीय टीम को दबाव में ला दिया। हाफ टाइम तक जापान 1-0 से आगे था। ऐसा लग रहा था कि फाइनल में भारतीय टीम को उलटफेर का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, तीसरे क्वार्टर में भारत ने गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद चौथे क्वार्टर में टीम इंडिया ने लगातार तीन गोल दागकर मुकाबला 4-1 से अपने नाम कर लिया।

मैच का पहला क्वार्टर भारतीय टीम के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा। शुरुआती गोल खाने के बाद टीम इंडिया ने अपना रिव्यू भी गंवा दिया। इसके चलते बाकी के तीन क्वार्टर भारतीय टीम को बिना रिव्यू के खेलने पड़े। खास बात यह रही कि जिस तरह के फाउल पर भारत ने रिव्यू मांगा था, उसी तरह के फाउल पर जापान को पेनल्टी कॉर्नर मिला। हालांकि, जापानी टीम इसका फायदा नहीं उठा सकी।

तीसरे मिनट में जापान ने बनाई बढ़त

जापान ने मुकाबले के तीसरे मिनट में काजुमासा मात्सुमोतो के गोल की बदौलत 1-0 की बढ़त हासिल की। इसके बाद भारतीय टीम ने लगातार गोल करने के प्रयास किए, लेकिन उसे सफलता तीसरे क्वार्टर के अंतिम दौर में मिली। भारत की ओर से शिलानंद लाकड़ा ने 42वें मिनट में गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद दिलप्रीत सिंह ने 48वें मिनट, जुगराज सिंह ने 53वें मिनट और विवेक सागर प्रसाद ने 54वें मिनट में गोल दागकर भारत की जीत सुनिश्चित कर दी। एशियाई खेलों के मौजूदा स्वर्ण पदक विजेता भारत ने टूर्नामेंट के पहले राउंड-रॉबिन लीग मुकाबले में भी जापान को 4-1 से हराया था।

आखिरी क्वार्टर में पलटा मुकाबला

जापान ने तीसरे मिनट में बढ़त बनाने के बाद लंबे समय तक भारतीय टीम को गोल करने से रोके रखा। यह बढ़त 42वें मिनट तक कायम रही। तीसरे क्वार्टर के अंतिम चरण में शिलानंद ने गोल कर भारत को बराबरी दिलाई। इसके बाद चौथे क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल दिखाया। महज सात मिनट के भीतर तीन गोल दागकर टीम इंडिया ने जापान को मुकाबले से बाहर कर दिया।

भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में गत चैंपियन के रूप में उतरी थी और उसने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही टीम इंडिया

भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए खिताब जीता। भारत ने अपने सभी सात मुकाबलों में जीत दर्ज की। पूरे टूर्नामेंट के दौरान विपक्षी टीमों ने भारत के खिलाफ कुल सात गोल किए, जबकि भारतीय टीम ने कुल 46 गोल दागे।

भारत ने सेमीफाइनल मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 8-1 से करारी शिकस्त दी थी। भारतीय टीम अब तक सात बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच चुकी है, जिनमें से छह बार खिताब जीतने में सफल रही है, जबकि एक बार उसे फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है।

आमिर आईपीएल नहीं अफगान लीग में खेलेंगे



लाहौर

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने कहा है कि वह तय कार्यक्रम के अनुसार अफगानिस्तान प्रीमियर लीग में खेलेगे। आमिर ने कहा कि ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद आईपीएल में उनके खेलने की जो अटकलें लगायी जा रही हैं । वह सही नहीं हैं। आमिर ने सोशल मीडिया पर स्पष्ट किया कि आईपीएल में उनके खेलने की जो बातें कही जा रही हैं वे आधारहीन हैं।

इससे पहले कहा जा रहा था कि ब्रिटिश नागरिकता हासिल करने के बाद आमिर का इरादा आईपीएल में भी खेलने का है। इस साल की शुरुआत में ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद आमिर के आईपीएल में खेलने की चर्चा शुरू हुई थी। उन्होंने हाल ही में अफगानिस्तान प्रीमियर लीग के लिए भी अपना नाम दर्ज कराया है। इसके बाद माना जा रहा था कि वह ब्रिटिश खिलाड़ी के रूप में आईपीएल में जगह बनाने के प्रयास करसकते हैं। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व आलराउंडर अजहर महमूद भी इसी तरह ब्रिटिश नागरिकता के आधार पर आईपीएल में खेल चुके हैं।आमिर ने 2012 से 2015 के बीच आईपीएल में हिस्सा लिया था। वह पंजाब किंग्स की पुरानी टीम किंग्स इलेवन पंजाब के लिए खेले और बाद में कोलकाता नाइट राइडर्स का भी हिस्सा बने। आमिर ने इस साल इंग्लैंड की घरेलू टी-20 प्रतियोगिता द हंड्रेड में स्थानीय खिलाड़ी के रूप में हिस्सा लिया था। शुरुआत में विदेशी खिलाड़ी के तौर पर उनका नाम खिलाड़ियों की सूची में शामिल था, लेकिन बाद में ब्रिटिश नागरिकता मिलने के कारण उनकी स्थिति बदल गई। स्थानीय खिलाड़ी के रूप में खेलने की शर्तों के बारे में आमिर ने पहले बताया था कि काउंटी चैंपियनशिप और द हंड्रेड जैसी प्रतियोगिताओं में स्थानीय खिलाड़ी के तौर पर खेलने के लिए एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर करना होता है। इसके तहत खिलाड़ी किसी दूसरे देश के लिए स्थानीय खिलाड़ी के रूप में नहीं खेल सकता। ।आमिर ने 2024 टी-20 विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने पाकिस्तान के लिए 36 टेस्ट, 61 एकदिवसीय और 62 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अपनी स्विंग और तेज गेंदबाजी से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहचान बनाई थी।

मैदान पर टक्कर के बाद फुटबालर की मौत



मैड्रिड । स्पेनिश फुटबाल में एक दर्दनाक हादसे के बाद एफसी एंडोरा के गोलकीपर जीसस ओवोनो ने पहली बार सार्वजनिक रूप से अपनी बात रखी है। उनके साथ मैदान पर हुई टक्कर के बाद टेनेरिफ के फारवर्ड जीसस डी मिगुएल की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद ओवोनो को सोशल मीडिया पर काफी आलोचना और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा। कुछ लोगों ने उन्हें हत्यारा तक कह दिया, जिसके बाद उन्होंने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट भी बंद कर दिया। अब ओवोनो ने कहा है कि यह उनकी जिंदगी का सबसे मुश्किल दौर है और उनका पूरा ध्यान दिवंगत खिलाड़ी के परिवार के दर्द पर है। यह घटना सोमवार को स्पेनिश फुटबाल के दूसरे डिवीजन में एफसी एंडोरा और टेनेरिफ के बीच खेले गए मुकाबले में हुई थी। मैच के इंजरी टाइम में दोनों टीमें 2-2 की बराबरी पर थीं। इसी दौरान गोलकीपर ओवोनो और टेनेरिफ के फारवर्ड जीसस डी मिगुएल के बीच टक्कर हो गई।

भारतीय महिला हाकी टीम एशियाई चैंपियंस ट्राफी में जीत के इरादे से उतरेगी

नई दिल्ली

भारतीय महिला हाकी टीम 19 नवंबर से होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्राफी (एसीटी) में अपना खिताब बरकरार रखने के इरादे से उतरेंगी। भारतीय टीम ने अब तक इस टूर्नामेंट में तीन जीत हासिल की है। छह देशों का ये टूर्नामेंट 19 नवंबर से भोपाल में खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत मलेशिया के खिलाफ मैच से करेगी।



भारतीय टीम ने हाल ही में एशियाई खेलों में खिताब जीता था जिससे उसके हौंसले बुलंद है। ऐसे में वह इस टूर्नामेंट में भी जीत का सिलसिला बनाये रखना चाहेगी। इस प्रतियोगिता में भारत के अलावा जापान, चीन, मलेशिया, थाईलैंड और दक्षिण कोरिया भाग लेंगी। यह टूर्नामेंट राउंड-राबिन प्रारूप में खेला जाएगा, जिसमें शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। ऐसे में भाग ले रही सभी छह टीमें इस टूर्नामेंट में खिताब जीतने के लिए पूरी ताकत लगा देंगी हालांकि भारतीय टीम को इस दौरार घरेलू मैदान पर खेलने का लाभ मिलेगा। भारतीय टीम ने इससे पहले साल 2016, 2023 और 2024 में एशियाई चैंपियंस ट्राफी जीती थी है। ऐसे में वह चौथी बार ये खिताब जीतना चाहेगी।भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 19 नवंबर को मलेशिया के खिलाफ करेगी। इसके बाद उसे 21 नवंबर को दक्षिण कोरिया, 22 नवंबर को थाईलैंड, 24 नवंबर को चीन और 25 नवंबर को जापान से खेलना है।

हैदराबाद में छह देशों की अंतरराष्ट्रीय एरीना पोलो चैंपियनशिप 2027 का होगा आयोजन

17 से 24 जनवरी तक हाइड्राबाद पोलो राइडिंग क्लब में होंगे मुकाबले, 36 खिलाड़ी एवं अधिकारी लेंगे भाग

हैदराबाद। हैदराबाद में अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत अंतरराष्ट्रीय एरीना पोलो चैंपियनशिप 2027 का आयोजन 17 से 24 जनवरी 2027 तक किया जाएगा। आठ दिवसीय यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता तेलंगाना के मोइनाबाद मंडल स्थित अजीजनगर के हैदराबाद पोलो राइडिंग क्लब (एचपीआरसी) के फ्लडलाइट एरीना में आयोजित होगी। इस चैंपियनशिप में छह देशों अमेरिका, कनाडा, स्पेन, भारत (मेजबान देश), इटली और जर्मनी की टीमें हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता का उद्देश्य खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग और भारत में पोलो खेल के विकास को प्रोत्साहित करना है।

छह देशों की इस अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए श्री शेख रियाज अहमद को प्रशासनिक प्रभारी एवं मुख्य संपर्क अधिकारी नियुक्त किया गया है। वे प्रतियोगिता में भाग लेने वाली अंतरराष्ट्रीय टीमों, उनके प्रतिनिधिमंडलों तथा आयोजन से संबंधित प्रशासनिक व्यवस्थाओं के बीच समन्वय की जिम्मेदारी संभालेंगे। प्रत्येक देश से छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल पहुंचेगा, जिसमें चार खिलाड़ी और दो टीम अधिकारी शामिल होंगे। इस प्रकार प्रतियोगिता



में कुल 36 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं अधिकारी भाग लेंगे। प्रतियोगिता में फ्लडलाइट के नीचे तीन-तीन खिलाड़ियों वाली टीमों के बीच एरीना पोलो के मुकाबले खेले जाएंगे। इसमें दो हैंडीकैप श्रेणियां होंगीलो गोल और हाई गोल। दोनों श्रेणियों में एक ही नियमावली के तहत दो अलग-अलग चैंपियनशिप कप के लिए मुकाबले होंगे।

लीग चरण में कुल 12 मैच खेले जाएंगे। चार शामों में प्रतिदिन तीन मैच आयोजित होंगे। प्रत्येक मैच में तीन चक्कर (चुक्कर) होंगे। इस प्रकार लीग चरण में कुल 36 चुक्कर खेले जाएंगे। इसके अतिरिक्त चार-चार चुक्कर के दो प्रदर्शनी मुकाबले भी आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद सहायक श्रेणी के फाइनल और चैंपियनशिप फाइनल होंगे। आठ दिवसीय आयोजन कार्यक्रम में सात दिन मुकाबले खेले जाएंगे, जबकि एक दिन विश्राम अथवा आरक्षित दिवस के रूप में निर्धारित रहेगा।

आयोजकों के अनुसार, 18 जनवरी 2027 को आधिकारिक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमें अपनी आधिकारिक जर्सी प्रस्तुत करेंगी। टीमों की प्रविष्टियां, खिलाड़ियों का विवरण और प्रत्येक खिलाड़ी की व्यक्तिगत हैंडीकैप संबंधी जानकारी जमा कराने की अंतिम तिथि 1 दिसंबर 2026 निर्धारित की गई है। हैदराबाद पोलो राइडिंग क्लब के फ्लडलाइट एरीना में आयोजित होने वाली यह चैंपियनशिप हैदराबाद को अंतरराष्ट्रीय एरीना पोलो के एक उभरते हुए केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है। इसके माध्यम से सांस्कृतिक आदान-प्रदान, अंतरराष्ट्रीय खेल साझेदारी और युवा प्रतिभाओं के विकास को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

चुनावी पारदर्शिता पर सवाल उठाना विपक्ष का संवैधानिक अधिकार : गोपालदादा तिवारी



मुंबई, 05 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता गोपालदादा तिवारी ने लोकतंत्र को खतरे में बताकर विरोध प्रदर्शन करने के लिए भाजपा की आलोचना की। उन्होंने कहा कि चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं, मतदाता सूची से नाम हटाने और वोट चोरी जैसे मुद्दों पर सवाल उठाना विपक्ष का संवैधानिक अधिकार है।

एक विशेष भेंटवार्ता में तिवारी ने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने विपक्ष और नागरिक संगठनों की चुनावी पारदर्शिता संबंधी चिंताओं का संतोषजनक जवाब नहीं दिया है। उन्होंने राहुल गांधी द्वारा प्रस्तुत कथित साक्ष्यों तथा चुनाव आयोग के अधिकारियों की आपत्तियों का हवाला देते हुए आयोग से स्पष्टीकरण मांगा।

उन्होंने एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित कांग्रेस की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली को मिले समर्थन का उल्लेख करते हुए भाजपा के जवाबी प्रदर्शनों पर भी सवाल उठाए। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में अधिकारों के केंद्रीकरण पर उन्होंने चुनाव आयोग से जवाब मांगा।

तिवारी ने घुसपैठ और विपक्ष को चीन से आर्थिक मदद मिलने संबंधी भाजपा नेताओं के आरोपों पर भी सवाल उठाते हुए केंद्र सरकार एवं संबंधित एजेंसियों से ठोस कार्रवाई और प्रमाण सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं को स्वतंत्र रूप से कार्य करना चाहिए और सत्ताधारी दल को विपक्ष पर आरोप लगाने के बजाय अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियां निभानी चाहिए।

पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव भड़के धीरेन्द्र शास्त्री पर, बोले-

भगवान राम और कृष्ण पर टिप्पणी करने वालों पर इस्कॉन, बजरंग दल और विहीप चुप क्यों ?



पटना, 05 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री के भगवान श्रीकृष्ण को लेकर दिए गए बयान के बाद देशभर में सियासत तेज हो गई है।इस संबंध में पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने धीरेंद्र शास्त्री पर आज गुरुवार को तीखा हमला बोला है। इस बीच उन्होंने कहा कि भगवान राम और कृष्ण पर टिप्पणी करने वालों के खिलाफ इस्कॉन, बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद ने आवाज क्यों नहीं उठाई? पप्पू यादव ने धीरेंद्र शास्त्री को संत मानने से इनकार करते हुए कहा कि संत वह है जो मानव कल्याण की बात करता है। उन्होंने देश को बांटने का आरोप भी लगाया।

वहीं, बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के अपराध और क्राइम को लेकर दिए गए बयान पर भी पप्पू यादव ने निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि पिछले चालीस वर्षों से बिहार और बिहारी गाली का पर्याय बन गए हैं। मुख्यमंत्री को नसीहत देते हुए उन्होंने कहा कि उनके आचरण और व्यवहार के कारण 13 करोड़ बिहारियों की बदनामी हो रही है। पप्पू यादव ने तंज कसते हुए कहा कि बड़े मियां तो बड़े मियां, छोटे मियां सुभानल्लाह, हमाम में सभी नंगे हैं।

नामपल्ली में श्रद्धा और सेवा भाव के साथ किया गया नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 के पास नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ किया गया। ग्रुप के सदस्य प्रतिदिन निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने के संकल्प को निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं। इस सेवा कार्य का उद्देश्य केवल भूखे लोगों को भोजन उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि समाज में मानवता, करुणा और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करना भी है।

राधे-राधे ग्रुप का मानना है कि जरूरतमंदों को भोजन कराना सबसे पुनीत कार्यों में से एक है। अन्नसेवा के माध्यम से किसी भूखे व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाना ही इस अभियान की सबसे बड़ी सफलता है। सेवा का यह कार्य किसी व्यक्तिगत प्रसिद्धि या दिखावे के लिए नहीं, बल्कि पूरी तरह से मानवता के प्रति समर्पण और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना से किया जा रहा है। ग्रुप के सदस्य तन-मन-धन से इस पुनीत कार्य में सहयोग देते हुए समाज के अन्य लोगों को भी सेवा कार्यों से जुड़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

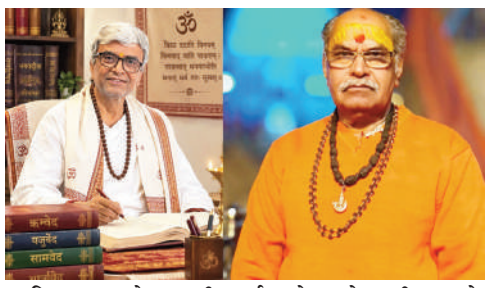


श्री शांतिनाथ फ्रेंड्स ग्रुप, काचीगुड़ा द्वारा पिछले 20 वर्षों से दीपावली पर्व पर शुद्ध देशी घी से निर्मित मिठाइयां एवं उच्च गुणवत्ता वाले नमकीन निर्माण मूल्य पर वितरित किए जा रहे हैं। इस वर्ष भी सेवा कार्य में प्रेमचंद छेड़ा, दिनेश गोसर, रिद्धिश जागीरदार, मिहिर छेड़ा, हितेन छेड़ा, उदय छेड़ा, तोरल जागीरदार सहित अन्य सेवाभावी सदस्य सक्रिय रूप से सहभागी बने।

खामगांव में पंचवक्त्र पूजन एवं लघुरुद्र यज्ञ 14 दिसंबर को

खामगांव, 05 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महाराष्ट्र के खामगांव में आगामी 14 दिसंबर को एक दिवसीय पंचवक्त्र पूजन सह होमात्मक लघुरुद्र यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। आचार्य देवेंद्रप्रसादजी शास्त्री के आचार्यत्व में उज्जैन स्थित अनंत कोटि ब्रह्मांड नायक देवाधिदेव बाबा श्री महाकालेश्वर मंदिर के विद्वान पुजारी डॉ. दिनेश गुरुजी के दिव्य एवं कृपामय सान्निध्य में यह धार्मिक आयोजन संपन्न होगा।



यह आयोजन जाने-माने समाजसेवी एवं धर्मपरायण व्यक्तित्व अल्पेश नगीनभाई पटेल के परिवार के औद्योगिक संस्थान धन्वन्तरि प्रोडक्ट्स के चतुर्थ पाटोत्सव एवं प्रतिष्ठा दिवस के शुभ अवसर पर आयोजित किया जा रहा है।

आचार्य देवेंद्रप्रसादजी शास्त्री ने बताया कि 14 दिसंबर, सोमवार को सुबह 8 बजे से लघुरुद्र पूजा प्रारंभ होगी। वहीं, पंचवक्त्र पूजन सह होमात्मक लघुरुद्र यज्ञ दोपहर 2 बजे से शुरू होकर शाम 5 बजे पूर्णाहुति के साथ संपन्न होगा। इस दौरान उपस्थित श्रद्धालु भक्तों में प्रसाद वितरण भी किया जाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नेतन्याहू...

वामपंथी डेमोक्रेटिक पार्टी और राआम दोनों ने आइसेनकोट के नाम की सिफारिश की है। द जेरूसलम पोस्ट के अनुसार, बातचीत के दौरान राआम के नेता मंसूर अब्बास ने कहा कि उनकी पार्टी हमास के पूर्ण निरस्त्रीकरण का समर्थन करती है। यह उन चार सिद्धांतों में से एक है, जिन्हें आइसेनकोट ने अपने गठबंधन में शामिल होने के लिए शर्त के रूप में रखा है।

हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करने के सवाल पर अब्बास ने कहा, अरब समाज, एक व्यक्ति के तौर पर मैं खुद और कुल मिलाकर सभी अरब नागरिक एक पुल की तरह हैं। आइए, इस पुल को न तोड़ें। हमें आतंकवाद का समर्थक या देशद्रोही न बनने दें।

बता दें कि इजरायल में हुए चुनाव में किसी भी गठबंधन को अपने दम पर सरकार बनाने का बहुमत नहीं मिला था। अब जॉइंट लिस्ट और राआम के समर्थन के बाद आइसेनकोट के गठबंधन के पास 67 सीटें होने का दावा किया जा रहा है। इससे इजरायल में सत्ता परिवर्तन की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

ट्रंप हार...

डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों का मुख्य आधार 'अमेरिका प्रथम' रहा है। इसके तहत उन्होंने विभिन्न देशों से आने वाले सामानों पर भारी आयात शुल्क लगाया है। इससे चीन, भारत और यूरोपीय देशों जैसे प्रमुख निर्यातक देशों की कंपनियों पर दबाव बढ़ा है।

अमेरिका और चीन के बीच लंबे समय से व्यापार युद्ध चल रहा है। अमेरिकी आयात शुल्क के कारण चीन के निर्यात पर बुरा असर पड़ा है, जिससे उसकी विनिर्माण आधारित अर्थव्यवस्था को झटका लगा है। भारत के लिए भी अमेरिकी बाजार एक बड़ा निर्यात केंद्र है। कड़े आयात शुल्क और व्यापारिक नियमों के कारण भारतीय उत्पादों को अमेरिकी बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा और बाधाओं का सामना करना पड़ता है। इससे भारतीय निर्यातकों पर दबाव बढ़ा है।

अमेरिकी बाजार में भी रिकॉर्ड तेजी

दिलचस्प बात यह है कि ट्रंप को चुनाव में झटका लगने के बाद सबसे ज्यादा तेजी अमेरिकी शेयर बाजार में ही देखने को मिली। रिपब्लिकन पार्टी की हार के बाद डाउ जोन्स सूचकांक में पिछले 18 महीनों की सबसे बड़ी तेजी दर्ज की गई। बुधवार को डाउ जोन्स में 3 प्रतिशत का उछाल आया।

अमेरिकी सरकारी बॉन्ड की प्रतिफल दरों में गिरावट और कर्ज के बोझ से जुड़ी चिंताओं में कमी आने से वॉल स्ट्रीट के निवेशकों ने इस घटनाक्रम का सकारात्मक स्वागत किया।

ट्रंप की नीतियों और वैश्विक उथल-पुथल के कारण अमेरिका में भी महंगाई लगातार बढ़ रही है। महंगाई को नियंत्रित करने के लिए अमेरिकी फेडरल रिजर्व को ब्याज दरें बढ़ानी पड़ी हैं, जिससे आम लोगों के लिए आवास ऋण, कार ऋण और व्यक्तिगत ऋण महंगे हो गए हैं।

अमेरिका में डीजल और पेट्रोल की कीमतें बढ़ने से आम जनता का बजट भी प्रभावित हुआ है। परिवहन महंगा होने के कारण दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम भी बढ़ गए हैं। इससे अमेरिकी उपभोक्ता बाजार में असंतोष देखा गया है।

आयात शुल्क और महंगाई का दबाव घटने की उम्मीद

ट्रंप की नीतियों से परेशान वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को अब व्यापार समझौतों में अधिक लचीलेपन की उम्मीद है। चुनाव परिणाम आने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई। कच्चा तेल फिसलकर 93 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है।

हाल के दिनों में ईरान-अमेरिका तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें काफी बढ़ गई थीं। इससे भारत सहित दुनिया भर में डीजल-पेट्रोल और महंगाई पर दबाव बढ़ा था।

हालांकि, राजनीतिक बदलाव के बाद बाजार में यह उम्मीद भी जगी है कि भू-राजनीतिक तनावों को सुलझाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। इससे आम जनता को भी महंगाई से कुछ राहत मिल सकती है।

रूस-यूक्रेन...

ताकि वे क्षेत्र से बाहर निकल सकें। मेलानिया ने बताया कि उनकी इस भूमिका को लिखित समझौतों में दर्ज किया गया। ये समझौते रूस और यूक्रेन दोनों ने तैयार किए तथा उन पर हस्ताक्षर किए। काम शुरू करने के लिए मेलानिया और मार्क ने उन्हीं संपर्क माध्यमों का इस्तेमाल किया, जिन्हें पहले बच्चों को रूस और यूक्रेन में उनके परिवारों से मिलाने के लिए तैयार किया गया था।दोनों देशों के मानवीय, सैन्य और सरकारी अधिकारियों ने पूरी लगन से काम किया और अभियान के प्रत्येक पहलू में आपसी तालमेल स्थापित किया।

अमेरिका ने भी निभाई अहम भूमिका

मेलानिया ने कहा कि अमेरिका ने हर चरण में अपनी जिम्मेदारी निभाई और काम पूरा होने तक रूस तथा यूक्रेन की टीमों के साथ मिलकर काम किया। उन्होंने दोनों पक्षों की सद्भावनापूर्ण कोशिशों की सराहना की। उनके अनुसार, इन प्रयासों से जटिल युद्धविराम समझौते के सभी पहलुओं को तय करने और उन्हें लागू करने में मदद मिली।

यूजीसी...

सरकार ने भरोसा दिलाया कि नियमों को इस तरह लागू किया जाएगा कि किसी भी छात्र के मन में कोई आशंका न रहे।सर्वोच्च न्यायालय ने भी कहा कि हर छात्र के हितों की रक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। याचिकाकर्ता की ओर से इस पहल को सराहनीय बताया गया, हालांकि यह सवाल भी उठाया गया कि जब इन नियमों को लेकर इतनी गंभीर आशंकाएं थीं तो इन्हें लाया ही क्यों गया। दरअसल, शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव रोकने के उद्देश्य से यूजीसी के नए नियम लागू किए गए थे। लेकिन इनके लागू होने के बाद ही विवाद शुरू हो गया। सवर्ण समाज के लोगों की नाराजगी को देखते हुए अब इनमें बदलाव के संकेत मिलने लगे हैं।

यूजीसी विवाद पर संघ की भी नजर

यूजीसी को लेकर भाजपा के परंपरागत मतदाताओं की नाराजगी का मामला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) तक भी पहुंचा। संघ को लगातार ऐसी प्रतिक्रिया मिल रही थी कि यह मुद्दा काफी गहराई तक पहुंच चुका है और उत्तर प्रदेश के चुनाव में भाजपा को नुकसान पहुंचा सकता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने भी इस नाराजगी को लेकर चिंता जाहिर की थी। उनके मुताबिक, यूजीसी को लेकर भाजपा के परंपरागत मतदाताओं में नाराजगी थी और इस संबंध में लगातार प्रतिक्रियाएं मिल रही थीं।

केशव प्रसाद मौर्य के कार्यक्रम में हुए हंगामे ने पार्टी की चिंता और बढ़ा दी। भाजपा को लगा कि अगर इस तरह के वीडियो लगातार प्रसारित होते रहे तो उसे जवाब देना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में पार्टी की कोशिश इस मामले को सीधे राजनीतिक टकराव में लाने के बजाय अदालत के माध्यम से समाधान निकालने की दिखाई दी।

इसी बीच भाजपा ने उत्तर प्रदेश चुनाव से पहले मतदाताओं की नाराजगी दूर करने के लिए अपने विभिन्न प्रकोष्ठों को विपक्ष के आरोपों का जवाब देने की जिम्मेदारी भी दी। इन प्रकोष्ठों के माध्यम से यूजीसी के मुद्दे पर जनता से संपर्क बनाए रखने की कोशिश की जा रही है।

भाजपा के लिए दोधारी तलवार बना विवाद

यूजीसी का मुद्दा भाजपा के लिए दोधारी तलवार बन गया है। यदि पार्टी नए नियम वापस लेती है तो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, यदि नियमों को लेकर अपना रुख नहीं बदलती तो उसे अपने परंपरागत मतदाताओं का गुस्सा झेलना पड़ सकता है।

उत्तर प्रदेश में सवर्ण समाज भाजपा का एक अहम मतदाता वर्ग माना जाता है। राज्य में सवर्णों की आबादी करीब 27.6 प्रतिशत बताई जाती है। इसमें ब्राह्मणों की आबादी 13.3 प्रतिशत, क्षत्रियों की 9.6 प्रतिशत और वैश्यों की 4.7 प्रतिशत है।

वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को करीब 41 प्रतिशत वोट मिले थे। माना जाता है कि इसमें सवर्ण मतदाताओं की बड़ी भूमिका रही। पिछले दो विधानसभा चुनावों में ब्राह्मणों का बड़ा हिस्सा भाजपा के साथ रहा। दावा किया गया था कि वर्ष 2017 में ब्राह्मणों के 83 प्रतिशत और 2022 में 89 प्रतिशत वोट भाजपा को मिले थे। क्षत्रिय और वैश्य मतदाताओं का समर्थन भी पार्टी को मिलता रहा है।

भाजपा की चिंता इसलिए भी बढ़ी हुई है क्योंकि पिछले चुनाव में समाजवादी पार्टी के मत प्रतिशत में करीब 10 प्रतिशत का उछाल देखने को मिला था। ऐसे में यदि भाजपा के परंपरागत मतदाताओं का समर्थन कम होता है तो पार्टी को बड़ा नुकसान हो सकता है।

केशव मौर्य की रैली के बाद भाजपा में भी उठे सवाल

यूजीसी विवाद को लेकर भाजपा के भीतर की नाराजगी के संकेत पार्टी नेताओं के बयानों से भी मिल रहे हैं। केशव प्रसाद मौर्य के प्रयागराज कार्यक्रम में हुए हंगामे के बाद मौजूदा विधायक हर्षवर्धन वाजपेयी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया।

उन्होंने लिखा कि यूजीसी का विरोध करना हर ब्राह्मण और सवर्ण का अधिकार है। उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों ने अपना नंबर बढ़ाने के लिए अपनों पर हिंसा की, उन्हें समझना चाहिए कि कोई अपने बच्चे का नाम विभीषण नहीं रखता।

दरअसल, ऐसी चर्चा है कि केशव प्रसाद मौर्य इस बार अपनी विधानसभा सीट बदलना चाहते हैं। उनकी नजर प्रयागराज की शहर उत्तरी सीट पर है, जहां से हर्षवर्धन वाजपेयी विधायक हैं।

इसी क्षेत्र में केशव प्रसाद मौर्य के कार्यक्रम के दौरान यूजीसी को लेकर सवाल उठे थे। आरोप लगा कि नारेबाजी करने वाले युवक की पिटाई भाजपा पार्षद विनय मिश्रा सिंटू ने की। इसके बाद हर्षवर्धन वाजपेयी की पोस्ट को लेकर सवाल उठे कि उनका निशाना भाजपा पार्षद थे या केशव प्रसाद मौर्य।

हालांकि, इस पोस्ट का निशाना कौन था, इसे लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। लेकिन यूजीसी विवाद ने भाजपा के भीतर नेताओं को एक-दूसरे पर निशाना साधने का मौका जरूर दे दिया है। पार्टी को डर है कि नाराज नेता इस मुद्दे के बहाने उसके लिए मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं।

यूजीसी के नए नियमों पर क्यों हुआ विवाद?

यूजीसी के नए नियमों का उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता बढ़ाना और किसी भी वर्ग के छात्र-छात्राओं के साथ होने वाले भेदभाव को रोकना है।

नए नियमों के मुताबिक, सरकारी कॉलेजों से लेकर निजी विश्वविद्यालयों तक प्रत्येक संस्थान में एक समता प्रकोष्ठ (इक्विटी सेल) बनाना जरूरी होगा। यह प्रकोष्ठ शिकायतों पर सुनवाई करेगा। यदि किसी छात्र को लगता है कि उसके साथ भेदभाव हुआ है तो वह यहां शिकायत दर्ज करा सकता है। समिति की सिफारिश के आधार पर संस्थान को कार्रवाई करनी होगी।

विवाद की मुख्य वजह जाति आधारित भेदभाव की परिभाषा में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को शामिल करना है। इससे पहले के मसौदे में जातिगत भेदभाव से सुरक्षा के दायरे में केवल अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग को रखा गया था, लेकिन नए नियमों में ओबीसी को भी शामिल कर लिया गया।

इन नियमों का विरोध करने वालों का तर्क है कि इससे सामान्य वर्ग के छात्र-छात्राओं के खिलाफ झूठे आरोप लगाए जा सकते हैं, जो उनके करियर के लिए नुकसानदायक साबित हो सकते हैं।

विधान परिषद चुनाव में भाजपा को नुकसान का दावा

यूजीसी को लेकर सवर्ण समाज की नाराजगी के बीच हाल ही में हुए विधान परिषद के शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव भी चर्चा में हैं। दावा किया जा रहा है कि इस नाराजगी का खामियाजा भाजपा को अपने गढ़ में उठाना पड़ा।

आगरा, वाराणसी और लखनऊ की सीटों पर पार्टी को झटका लगा। इसके बाद भाजपा ने इस मामले में नुकसान की भरपाई के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं।

उत्तर प्रदेश के प्रभारी विनोद तावड़े ने भी सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर सर्वोच्च न्यायालय में केंद्र सरकार की ओर से समिति गठित करने की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि समिति यह सुनिश्चित करेगी कि नियमों में किसी तरह के असंतुलन के कारण किसी भी वर्ग के छात्रों के साथ भेदभाव न हो। हर विद्यार्थी का सम्मान और हित सर्वोपरि है।

राजनीतिक लिहाज से भाजपा के सामने चुनौती यह है कि यदि वह यूजीसी के नियमों का खुलकर समर्थन करती है तो 17-18 प्रतिशत सवर्ण मतदाताओं के छिटकने का डर है। वहीं, यदि इन नियमों का खुलकर विरोध करती है तो गैर-यादव ओबीसी और दलित मतदाताओं पर असर पड़ सकता है।

ऐसे में नियमों की समीक्षा के संकेतों से भाजपा को राहत जरूर मिली होगी, लेकिन राजनीतिक नुकसान की चिंता अभी बनी हुई है। इसी वजह से उत्तर प्रदेश चुनाव से पहले भाजपा ने संघ के साथ मिलकर जमीनी स्तर पर काम करने की रणनीति बनाई है।

चुनाव आयोग ने भी बदले कामकाज के नियम

यूजीसी विवाद के बीच चुनाव आयोग ने भी अपने कामकाज में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए नियमों में बदलाव किया है।

नए बदलावों के तहत अब बैठकों का एजेंडा पहले से साझा किया जाएगा और बैठकों की कार्यवाही यानी मिनट्स का विवरण भी जारी किया जाएगा। पहले ऐसा नहीं होता था।

इसके अलावा अधिकारियों को विदेश यात्रा पर जाने के लिए मंजूरी लेनी होगी, जबकि पहले इसके लिए ऐसी मंजूरी जरूरी नहीं थी। नए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मॉड्यूल को भी पहले अधिकारियों की एक समिति के पास भेजा जाएगा। वहां से मंजूरी मिलने के बाद ही उसे आयोग के सामने रखा जाएगा।

पहले यह मुद्दा चुनाव आयुक्तों और मुख्य चुनाव आयुक्त के बीच विवाद की वजह बना था।

आतंक की...

वह विवादित वीडियो बनाता था और पैगंबर के कथित अपमान को लेकर लोगों को ट्रोल करता था। इसी दौरान उसे शहजाद भट्टी के नाम से एक खाते से संदेश मिला। भट्टी ने उससे हिंदुत्ववादी कार्यकर्ता अभिषेक ठाकुर का पता पूछा और बाद में उनकी हत्या करने के बदले पैसे देने की पेशकश की।

युवक के मुताबिक, भट्टी ने उसे नेपाल बुलाने, फर्जी पासपोर्ट बनवाने और पाकिस्तान अथवा दुबई ले जाने का भरोसा भी दिया था। उसने स्वीकार किया कि भट्टी ने उसका ब्रेनवॉश किया था, लेकिन उसने किसी की हत्या करने को गलत बताया। बाद में जांच एजेंसियों ने उसे पकड़ लिया।

पंजाब के युवक को 60-70 हजार रुपये का लालच

पंजाब के एक युवक ने बताया कि उसने भट्टी की रील्स देखी थीं। भट्टी अपने वीडियो में मस्जिदों और गुरुद्वारों को लाखों रुपये दान देने का दावा करता था। इसी वजह से युवक ने उसे फॉलो करना शुरू किया।

एक दिन युवक ने भट्टी को अपनी आर्थिक जरूरत के बारे में बताया तो उसे 60 से 70 हजार रुपये के बदले दिल्ली से पंजाब सामान पहुंचाने का काम दिया गया।

भट्टी ने व्हाट्सऐप पर एक बार सुनी जा सकने वाली आवाज की रिकॉर्डिंग भेजकर काम समझाया। युवक ने पहले हामी भर दी, लेकिन पत्नी से बातचीत करने के बाद उसे संदेह हुआ। बाद में भट्टी ने दिल्ली में एक लड़के से सामान लेकर पंजाब पहुंचाने का दूसरा काम भी दिया। युवक ने इसे भी ठुकरा दिया। इसी दौरान जांच एजेंसियों ने उसे पकड़ लिया।

युवक ने बताया कि भट्टी सोशल मीडिया पर सिद्धू मूसेवाला की हत्या का बदला लेने और पंजाब में हमलों की जिम्मेदारी लेने जैसे दावे भी करता था। इन वीडियो से वह प्रभावित हुआ था।

700 से अधिक गिरफ्तारियां

जांच के मुताबिक, भट्टी के नेटवर्क से जुड़े करीब 700 लोगों को अलग-अलग राज्यों की पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों ने गिरफ्तार किया है। 700 से अधिक अन्य लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ और परामर्श के बाद छोड़ दिया गया।

इस नेटवर्क पर पंजाब समेत कई राज्यों में लक्षित हत्याओं, जालंधर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) मुख्यालय पर बम धमाके और झारखंड में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कार्यालय पर पेट्रोल बम हमले से जुड़े होने का आरोप है।

उत्तर प्रदेश विशेष कार्यबल (एसटीएफ) के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) अमिताभ यश के मुताबिक, पाकिस्तान से राणा नाम का एक एजेंट भी इसी तरह का नेटवर्क चला रहा था। इससे पहले उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन के सदस्यों को गिरफ्तार किया था। उन पर पुलिस और सेना के जवानों की लक्षित हत्या की साजिश रचने का आरोप है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 06 नवंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

हृदय रोग के दो नए आनुवंशिक प्रकारों की पहचान

सीएसआईआर–सीसीएमबी के शोधकर्ताओं की महत्वपूर्ण उपलब्धि, हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी के शीघ्र निदान और बेहतर उपचार की दिशा में मिलेगी मदद

हैदराबाद, 05 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हृदय रोग विश्वभर में मृत्यु के सबसे प्रमुख कारणों में शामिल हैं। भारत में भी ये मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक हैं। इन रोगों का बड़ा भार 35 से 64 वर्ष की आयु के लोगों पर पड़ता है। अनुमानों के अनुसार, भारत में लगभग 3 करोड़ लोग हृदय रोगों से प्रभावित हैं। हृदय रोग एक व्यापक शब्द है, जिसका उपयोग हृदय की कार्यप्रणाली में होने वाली विभिन्न प्रकार की गड़बड़ियों के लिए किया जाता है। हृदय का स्वास्थ्य आनुवंशिक, पर्यावरणीय और जीवनशैली से जुड़े कारकों के जटिल पारस्परिक प्रभाव पर निर्भर करता है।

हृदय की कार्यप्रणाली

हृदय एक पेशीय अंग है, जो निरंतर रक्त पंप करके शरीर के विभिन्न हिस्सों तक पहुँचाता है। इसमें चार कक्ष होते हैं। ऊपर के दो कक्ष आलिंद तथा नीचे के दो कक्ष निलय कहलाते हैं। हृदय का दायाँ भाग शरीर से ऑक्सीजन रहित रक्त प्राप्त करता है और उसे ऑक्सीजन ग्रहण करने के लिए फेफड़ों तक पंप करता है। वहीं, हृदय का बायाँ भाग फेफड़ों से ऑक्सीजन युक्त रक्त प्राप्त कर महाधमनी के माध्यम से शरीर के शेष हिस्सों तक पहुँचाता है।

हृदय शिथिलन और संकुचन की एक सुव्यवस्थित एवं समन्वित प्रक्रिया के माध्यम से कार्य करता है। शिथिलन की अवस्था (डायस्टोल) के दौरान हृदय के कक्ष रक्त से



भरते हैं, जबकि संकुचन की अवस्था (सिस्टोल) में हृदय की मांसपेशियाँ सिकुड़कर रक्त को फेफड़ों तथा शरीर के अन्य भागों तक पंप करती हैं। हृदय की यह समन्वित क्रियाविधि शरीर के सभी अंगों और ऊतकों तक ऑक्सीजन एवं पोषक तत्वों की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करती है।

हृदय की मांसपेशियों की कोशिकाओं में मौजूद विशेष बल उत्पन्न करने वाले प्रोटीन उसकी पंपिंग क्रिया को नियंत्रित करते हैं। इनमें बीटा-मायोसिन हेवी चेन नामक प्रोटीन महत्वपूर्ण है, जिसका निर्माण एमवाईएच7 जीन द्वारा होता है। यह प्रोटीन सूक्ष्म आणविक मोटर की तरह कार्य करता है। यह एक्टिन नामक अन्य प्रोटीन के साथ परस्पर क्रिया करके हृदय की मांसपेशियों के संकुचन के लिए आवश्यक बल उत्पन्न करता है।

हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी का खतरा

हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी नामक रोग में हृदय की मांसपेशियाँ असामान्य रूप से मोटी हो जाती हैं। इससे हृदय के लिए शिथिल होना और रक्त से भरना कठिन हो जाता है। कुछ व्यक्तियों में मांसपेशियों के अत्यधिक मोटा होने के कारण हृदय से रक्त का प्रवाह भी बाधित हो जाता है। इसके परिणामस्वरूप साँस लेने में तकलीफ, सीने में दर्द और हृदय की धड़कन अनियमित होने जैसी समस्याएँ हो सकती हैं। गंभीर मामलों में यह स्थिति हृदय विफलता या अचानक हृदय संबंधी मृत्यु का कारण भी बन सकती है।

एमवाईएच7 जीन में मिले दो दुर्लभ बदलाव

हैदराबाद स्थित सीएसआईआर-कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान केंद्र (सीसीएमबी) के डॉ. कुमारासामी थंगराज और डॉ. दीपा सेल्वी रानी ने उस्मानिया विश्वविद्यालय की डॉ. प्रतिभा नल्लारी तथा एआईजी हॉस्पिटल्स के डॉ. कलांबुर नरसिम्हन के साथ मिलकर एमवाईएच7 जीन में दो नए और दुर्लभ आनुवंशिक परिवर्तनों की पहचान की है। ये परिवर्तन हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी से संबंधित हैं।

इस शोध के निष्कर्ष जर्नल ऑफ द अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी : एशिया के नवंबर अंक में प्रकाशित हुए हैं।

अध्ययन की प्रमुख लेखिका डॉ. दीपा सेल्वी रानी ने हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी से पीड़ित 160 रोगियों और तेलंगाना की समान जातीय पृष्ठभूमि वाले 178 स्वस्थ व्यक्तियों को शामिल करते हुए एमवाईएच7 जीन के प्रोटीन-कोडिंग क्षेत्रों का विश्लेषण किया।

इस विश्लेषण में 34 आनुवंशिक रूपांतरों की पहचान हुई, जिनमें से दो विशेष रूप से महत्वपूर्ण पाए गए। ये दोनों आनुवंशिक परिवर्तन मायोसिन प्रोटीन के अत्यधिक संरक्षित क्षेत्रों में मौजूद हैं, जो इसके सामान्य कार्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

डॉ. रानी ने बताया कि इस प्रकार के आनुवंशिक परिवर्तन हृदय की मांसपेशियों के संकुचन के लिए जिम्मेदार आणविक तंत्र को प्रभावित कर सकते हैं और हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी के विकास में योगदान दे सकते हैं।

माँ–बेटे और पिता–बेटी में मिले बदलाव

पहला आनुवंशिक रूपांतर (पी. मेट 684 आर्ग) हृदय की मांसपेशियों में अत्यधिक मोटाई से प्रभावित 52 वर्षीय महिला में पाया गया। उनके 26 वर्षीय बेटे में भी यही आनुवंशिक रूपांतर मिला, हालांकि उसकी हृदय की मांसपेशियों में मोटाई अपेक्षाकृत कम थी।

दूसरा आनुवंशिक रूपांतर (पी. ल्यू 725 प्रो) 58 वर्षीय एक पुरुष में पाया गया, जो अवरोधक हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी से पीड़ित थे।

इस स्थिति में हृदय से रक्त के प्रवाह में रुकावट उत्पन्न हो सकती है। उनके परिवार में हृदय रोग के कारण अचानक मृत्यु होने का इतिहास भी रहा था। उनकी 24 वर्षीय बेटी में भी यही आनुवंशिक परिवर्तन पाया गया, लेकिन उसकी हृदय की मांसपेशियों में मोटाई अपेक्षाकृत कम थी।

ये निष्कर्ष दर्शाते हैं कि इस रोग की अभिव्यक्ति और गंभीरता व्यक्ति की आयु के साथ बदल सकती है। इसे आयु-निर्भर रोग अभिव्यक्ति कहा जाता है।

भारतीय आबादी के लिए महत्वपूर्ण निष्कर्ष

अध्ययन के वरिष्ठ लेखक डॉ. कुमारासामी थंगराज ने बताया कि नैदानिक, आनुवंशिक और संरचनात्मक साक्ष्यों के समग्र विश्लेषण के आधार पर इन दोनों आनुवंशिक रूपांतरों को संभावित रूप से रोगजनक की श्रेणी में रखा गया है। ये रूपांतर न तो स्वस्थ व्यक्तियों में पाए गए और न ही विश्व के प्रमुख जनसंख्या-आधारित आनुवंशिक आंकड़ा संग्रहों में दर्ज हैं।

उन्होंने कहा कि निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि ये आनुवंशिक रूपांतर दुर्लभ हैं और भारतीय अथवा दक्षिण एशियाई आबादी में अपेक्षाकृत अधिक पाए जा सकते हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि रोग से जुड़े दुर्लभ आनुवंशिक रूपांतरों की पहचान से हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी के शीघ्र निदान और बेहतर प्रबंधन में सहायता मिल सकती है।

सीएसआईआर-सीसीएमबी के निदेशक डॉ. विनय नंदिकूरी ने कहा कि यह अध्ययन हृदय संबंधी रोगों, विशेष रूप से हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी के आनुवंशिक आधार को समझने में जानकारी को और मजबूत करता है। साथ ही, यह भविष्य की पीढ़ियों को वंशानुगत हृदय रोगों से बचाने के लिए सटीक निदान और जनसंख्या-आधारित आनुवंशिक जाँच की दिशा में भी महत्वपूर्ण आधार प्रदान करता है।

भारत की विदेश नीति पर अतिथि व्याख्यान

हिन्दी महाविद्यालय में वैश्विक परिदृश्य में भारत की भूमिका पर हुआ विचार-विमर्श

हैदराबाद, 05 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नल्लाकुंटा स्थित हिन्दी महाविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा 'वैश्विक परिदृश्य में भारत की विदेश नीति' विषय पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में सेंट एन्स कॉलेज फॉर वुमेन, मेहदीपट्टनम की राजनीति शास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. अनुपम शुक्ला उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। राजनीति शास्त्र विभाग की ओर से अतिथि वक्ता का शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत और सम्मान किया गया।





भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका

विभागाध्यक्ष श्रीमती अर्चना पाण्डेय ने विषय का प्रवर्तन करते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर भारत अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। एक उभरती हुई शक्ति के रूप में भारत विश्व मंच को प्रभावित कर रहा है। भारत हमेशा से 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना का समर्थक रहा है और लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर आगे बढ़ रहा है।

डॉ. सुरभि तिवारी ने विषय के संबंध में कहा कि भारत की विदेश नीति शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व पर आधारित है। वैश्वीकरण के युग में भारत की परिपक्व विदेश नीति और विचारों का सम्मान बढ़ा है। भारत पड़ोसी राष्ट्रों से सुरक्षा संबंधी चुनौतियों का डटकर सामना करने में सफल रहा है। साथ ही देश तकनीकी सुरक्षा और आर्थिक क्षेत्र में मजबूत होने के साथ आत्मनिर्भर भी बना है।

सुरक्षा विदेश नीति की प्रथम शर्त

अतिथि वक्ता डॉ. अनुपम शुक्ला ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की विदेश नीति सबको साथ लेकर चलने की भावना पर आधारित है। उन्होंने चाणक्य नीति का उदाहरण देते हुए कहा कि पड़ोसी राष्ट्रों के साथ सतर्कता बरतनी चाहिए, क्योंकि सुरक्षा विदेश नीति की प्रथम शर्त है।

उन्होंने बताया कि प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा स्थापित गुटनिरपेक्षता की नीति के आधार पर आगे बढ़ते हुए वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में विभिन्न चुनौतियों के बीच गुटनिरपेक्षता का स्वरूप अधिक विस्तृत और व्यावहारिक हो गया है। आज यह नीति अत्यंत महत्वपूर्ण एवं निर्णायक बन गई है। भारत वैश्विक स्तर पर संतुलन स्थापित करने में सफल रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ प्रश्न-ोत्तर संवाद भी किया तथा उनके सवालों के जवाब दिए।

भारतीय संस्कृति की वैश्विक पहचान

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बाला कुमार ने अपने संदेश में कहा कि भारत की संस्कृति विभिन्न देशों तक फैली हुई है और दुनिया के हर कोने में भारत की पहचान बन चुकी है।

इस अवसर पर अर्थशास्त्र के वरिष्ठ प्राध्यापक वकील पाण्डेय, हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रजनीधारी, चन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. पुष्पावली एवं शावंती, इतिहास विभाग से अर्चना सिंह तथा वाणिज्य विभाग से कन्हैया कुमार उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त इंटरमीडिएट एवं डिग्री स्तर के सभी छात्र-छात्राओं ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुरभि तिवारी ने किया। अंत में सामूहिक राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

समृद्ध दत्तमय आर्यावर्त के लिए सनातनियों का एकजुट होना जरूरी : अजेय देशमुख

'श्रीपाद श्रीवल्लभ' दिवाली विशेषांक का भव्य प्रकाशन समारोह संपन्न



हैदराबाद, 05 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री दत्त उपासना सहित सनातन भक्ति को मजबूती प्रदान करने के लिए सभी उपासकों और धर्मानुरागियों को अपने मन, मस्तिष्क और कलाई रूपी त्रिशूल को बलशाली बनाने की आवश्यकता है। इस त्रिशूल की प्रबलता के लिए 'श्री गुरु कृपांकित पत्रभेट' का नियमित पाठ करना जरूरी है। दत्तमय एवं समृद्ध आर्यावर्त (भारतवर्ष) के निर्माण के लिए समस्त सनातनियों को एकजुट होने की आवश्यकता है।

उक्त विचार श्रीगुरुमंदिर, नागपुर स्थित छत्रपति सेवा प्रतिष्ठान के अध्यक्ष अजेय देशमुख ने 'श्रीपाद श्रीवल्लभ' दिवाली विशेषांक के प्रकाशन के पीछे की भूमिका स्पष्ट करते हुए व्यक्त किए। वे श्री गुजराती प्रगति समाज कल्याण मंडपम में सद्गुरु श्री विष्णुदास महाराज सेवा फाउंडेशन द्वारा प्रकाशित 'श्री गुरु कृपांकित पत्रभेट' के 'श्रीपाद श्रीवल्लभ' दिवाली विशेषांक के प्रकाशन हेतु आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

अजेय देशमुख ने 'पत्रभेट' मासिक के पिछले 26 वर्षों से जारी आध्यात्मिक विचारों के आदान-प्रदान की यात्रा तथा गुरुभक्तों के मूलभूत कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने परमपूज्य सद्गुरुदास महाराज की मार्गदर्शक सोच, ध्येय और दृढ़ संकल्पना का उल्लेख करते हुए इस विचारधारा को आगे बढ़ाने के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि पूज्य गुरुवर ने मन, मस्तिष्क और कलाई रूपी त्रिशूल को शक्तिशाली बनाने के लिए श्री दत्त उपासना, 'पत्रभेट' मासिक और छत्रपति शिवाजी महाराज के चरित्र इन तीनों माध्यमों को नियमित रूप से जीवन में अपनाने का उपदेश दिया था।

भाग्यनगर के डॉ. एम. पी. शिवण्णा ने कहा कि कलियुग में नियमित साधना करना संभव है। प्रत्येक व्यक्ति को गुरु द्वारा दिए गए मंत्र का प्रतिदिन जाप करते हुए साधना के मार्ग का अनुसरण करना चाहिए।

इस अवसर पर 'पत्रभेट' की मुख्य संपादिका प्रज्ञा फडणीस, गोविंद वैजापूरकर, उस्मानिया विश्वविद्यालय की पूर्व प्राध्यापिका एवं महाराष्ट्र मंडल, हैदराबाद की अध्यक्षा डॉ. गीता काटे तथा मराठी महाविद्यालय, हैदराबाद के पूर्व प्राचार्य सुरेश कुलकर्णी की प्रमुख उपस्थिति रही।

दिवाली विशेषांक की संपादिका कौमुदी गोडबोले ने 'श्रीपाद श्रीवल्लभ' का चरित्र श्-ोताओं के समक्ष प्रस्तुत किया। मुख्य संपादिका प्रज्ञा फडणीस ने प्रास्ताविक भाषण में कहा कि संत-महात्मा समय के अनुसार समाज का मार्गदर्शन करने वाले दीपस्तंभ होते हैं। जीवन को उचित दिशा और मार्गदर्शन देने के लिए ऐसे त्यागमय चरित्रों का समाज में होना आवश्यक है।

डॉ. गीता काटे ने 'श्रीपाद श्रीवल्लभ चरित्रामृत' के प्रथम पारायण का अपना अनुभव साझा किया। मुकुंद मुले ने सद्गुरुदास महाराज के जीवन और उनके आध्यात्मिक कार्यों की जानकारी दी।

कार्यक्रम का आयोजन श्रीगुरुमंदिर परिवार, 'पत्रभेट' के संपर्क कार्यकारी मंडल तथा परमपूज्य श्री विष्णुदास स्वामी महाराज के शिष्यों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महेश देशपांडे ने मानद अतिथि सुरेश कुलकर्णी का सम्मान किया।

भारतवर्ष में भक्ति का केंद्र है भाग्यनगर : सुरेश कुलकर्णी

मराठी महाविद्यालय, हैदराबाद के पूर्व प्राचार्य एवं मराठी युवा हृदय सम्राट सुरेश कुलकर्णी ने कहा कि सद्गुरुदास महाराज कई बार हैदराबाद आए थे। इस दौरान उन्हें उनके प्रत्यक्ष दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि जिस पलंग पर सद्-गुरुदास महाराज विश्राम करते थे, उस पर शिष्य पुष्प बिछाकर रखते हैं और उसे श्रद्धा का केंद्र मानते हैं।उन्होंने कहा कि हैदराबाद में ऐसी गुरुभक्ति विद्यमान है, जिसका भाग्यनगरवासियों को अभिमान होना चाहिए। भाग्यनगर में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान होते रहते हैं और इसी कारण यह शहर भारतवर्ष में भक्ति का केंद्र है। दूरदृष्टि रखने वाले पूज्यश्री ने सभी भक्तों पर समान रूप से प्रेम बरसाया।

जीयागुड़ा में नई ड्रेनेज लाइन का शुभारंभ



हैदराबाद, 05 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जीयागुड़ा के संजय नगर में गुरुवार को पूर्व कॉर्पोरेटर बोहिनी दर्शन एवं भाजपा नेता मधिरा सत्यनारायण ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर प्रतिमा के पास स्थित तीन गलियों में परियोजना निधि से 12 इंच की नई ड्रेनेज लाइन बिछाने के कार्य का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर बोहिनी दर्शन ने बताया कि करीब 20 वर्ष पुरानी छोटी क्षमता वाली ड्रेनेज लाइनों के कारण बारिश के दौरान सीवेज का पानी गलियों और घरों में भर जाता था।

नई बड़ी क्षमता वाली पाइपलाइन बिछने से इस समस्या से राहत मिलेगी। उन्होंने जीयागुड़ा को आदर्श डिवीजन बनाने की प्रतिबद्धता भी जताई।

कार्यक्रम में भाजपा गोलकोंडा जिला महासचिव नंडरी नटराज, टीडीपी नेता कलेरू नर्सिंग राव, भाजपा नेता श्रीनाथ गौड़, आरएसएस नेता अमरनाथ तथा बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं एवं निवासी उपस्थित थे।

दीपावली पर विशेष जाप से मिलेगी सुख-शांति और समृद्धि

जैन साध्वियों ने धनतेरस, छोटी दीपावली और बड़ी दीपावली पर जाप करने की दी सलाह

हैदराबाद, 05 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दीपावली का त्योहार सभी के जीवन में रोशनी और खुशियां लेकर आता है।

हर धर्म के लोग श्रद्धा और आस्था के साथ दीप जलाकर इस पर्व को मनाते हैं। हिंदू धर्म में जहां भगवान श्रीराम के 14 वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटने की खुशी में जगह-जगह दीप जलाए जाते हैं, वहीं जैन धर्मावलंबी इस दिन अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर के



निर्वाण प्राप्त करने के उपलक्ष्य में निर्वाण लाडू चढ़ाते हैं और उनके समान अपने जीवन में भी मोक्ष प्राप्ति की कामना करते हैं।

यह बात द्वय जैन साध्वियों आर्यिका 105 परीक्षा श्री माताजी एवं आर्यिका 105 प्रेक्षा श्री माताजी ने अपने प्रवचनों में कही। उल्लेखनीय है कि दोनों आर्यिकाएं इस वर्ष हाइटेक सिटी स्थित सरोवर जिनालय दिगंबर जैन मंदिर में चातुर्मास कर रही हैं।

इस विशेष अवसर पर दोनों साध्वियों ने सभी धर्मों के लोगों को दीपावली के तीन पवित्र दिनों में विशेष जाप करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इन दिनों विशेष जाप करने से प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन के रोग और शोक दूर कर सुख, शांति एवं समृद्धि प्राप्त करने की कामना कर सकता है।

इस मौके पर आर्यिका प्रेक्षा श्री माताजी ने सभी धर्मावलंबियों को धनतेरस के दिन 40 जाप, छोटी दीपावली के दिन 42 जाप तथा बड़ी दीपावली के दिन 43 जाप करने की सलाह दी।

उन्होंने बताया कि ये जाप विशेष शुद्धि के साथ लाल वस्त्र धारण कर, लाल आसन बिछाकर और पूरी श्रद्धा एवं आस्था के साथ किए जाने चाहिए, ताकि साधक को जाप का पूर्ण फल प्राप्त हो सके।

अंतरिक्ष का कचरा साफ करने वाले रोबोट बनाएगा हैदराबाद का स्टार्टअप



हैदराबाद, 05 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अंतरिक्ष में तैर रहे खतरनाक मलबे को हटाने के उद्देश्य से काम कर रहे हैदराबाद स्थित स्टार्टअप कॉसमोसर्व स्पेस ने अपने लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कंपनी ने गाचीबाउली स्थित वीएसडी टेक पार्क में अपनी बेस-1 सुविधा का उद्घाटन किया। इस केंद्र में ऐसे रोबोटिक सिस्टम विकसित किए जाएंगे, जो निष्क्रिय उपग्रहों को पकड़कर पृथ्वी की कक्षा से बाहर निकालने में सक्षम होंगे। अंतरिक्ष में मौजूद यह मलबा अंतरिक्ष यानों और विशेष रूप से मानवयुक्त अंतरिक्ष अभियानों के लिए खतरा बना हुआ है। आने वाले कुछ वर्षों में इनमें भारत का गगनयान मिशन भी शामिल होगा।

कॉसमोसर्व के अनुसार, कंपनी दो अंतरिक्ष यानों पर आधारित एक विशेष प्रणाली विकसित कर रही है। इसमें एक बड़ा कक्षीय सेवा यान ईंधन, उपकरण और अतिरिक्त कलपुर्जे लेकर चलेगा, जबकि एक छोटा स्वायत्त यान विभिन्न उपग्रहों के बीच जाकर उन्हें पकड़ने, उनकी स्थिति की जांच करने, मरम्मत करने अथवा उन्हें हटाने का काम करेगा।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस सुविधा का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत वर्ष 2030 तक अंतरिक्ष को मलबा मुक्त बनाने की दिशा में काम कर रहा है। लगभग 14,800 वर्ग फुट में फैली कॉसमोसर्व स्पेस की बेस-1 सुविधा में अंतरिक्ष रोबोटिक्स, कक्षीय मिलन एवं उपग्रह पकड़ने की तकनीक, सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण अनुकरण, उपग्रह एकीकरण और मिशन नियंत्रण के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं। मलबा हटाने के अलावा इस केंद्र में कक्षा में मौजूद उपग्रहों की मरम्मत और उनमें दोबारा ईंधन भरने से संबंधित कार्य भी किए जाएंगे।

डॉ. सिंह ने कहा कि सक्रिय अंतरिक्ष मलबा हटाने के क्षेत्र में भारत दुनिया के शुरुआती अग्रणी देशों में उभर रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंतरिक्ष क्षेत्र में किए गए सुधारों का उल्लेख करते हुए कहा कि न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड और भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) की स्थापना से निजी कंपनियों के लिए नए अवसर खुले हैं।

अंतरिक्ष में उपग्रहों की बढ़ती संख्या के साथ मलबा हटाने की आवश्यकता भी लगातार बढ़ रही है। कॉसमोसर्व के अनुसार, पृथ्वी की कक्षा में लगभग 28,000 उपग्रह मौजूद हैं, जिनमें करीब 10,000 निष्क्रिय अथवा काम नहीं कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त पृथ्वी की कक्षा में 10 सेंटीमीटर से छोटे लगभग 68,000 मलबे के टुकड़े, 1 से 2 सेंटीमीटर आकार के लगभग 15 लाख टुकड़े और 1 मिलीमीटर से 1 सेंटीमीटर आकार के करीब 23 करोड़ छोटे कण मौजूद हैं। अत्यधिक गति से चलने के कारण ये छोटे-छोटे टुकड़े भी सक्रिय अंतरिक्ष यानों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं।

कॉसमोसर्व के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. चिरंजीवी फणींद्र ने कहा कि अंतरिक्ष का मलबा भारत सहित प्रत्येक देश की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं के लिए बाधा बनता जा रहा है।

तेलंगाना में हर परिवार को 5 लाख का मुफ्त बीमा, एक करोड़ महिलाओं को मिलेंगी इंदिरम्मा साड़ियां



हैदराबाद, 05 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना मंत्रिमंडल ने गुरुवार को राज्य के प्रत्येक परिवार को 5 लाख रुपये का मुफ्त जीवन बीमा उपलब्ध कराने वाली इंदिरम्मा फैमिली लाइफ इंश्योरेंस योजना तथा एक करोड़ से अधिक महिलाओं को इंदिरम्मा साड़ियां वितरित करने की दो महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाओं को मंजूरी दे दी। दोनों योजनाओं का शुभारंभ पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की जयंती के अवसर पर 19 नवंबर को सिद्धिपेट से किया जाएगा।

मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि दीपावली के अवसर पर सरकार 'मा इंदिरम्मा इंटलो दीपावली' कार्यक्रम भी आयोजित करेगी। इसके तहत मंत्री और विधायक अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में इंदिरम्मा आवास योजना के लाभार्थियों के साथ दीपावली मनाएंगे। उन्होंने बताया कि अब तक 2.25 लाख इंदिरम्मा आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है और यह कार्यक्रम सभी पूर्ण हो चुके मकानों में आयोजित किया जाएगा।

हर परिवार को मिलेगा 5 लाख का बीमा

श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि इंदिरम्मा फैमिली लाइफ इंश्योरेंस योजना के अंतर्गत तेलंगाना के प्रत्येक परिवार को 5 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर प्रदान किया जाएगा। इस योजना के लिए 20 से 30 नवंबर तक इंदिरम्मा समितियां प्रत्येक गांव के हर घर का दौरा कर आवेदन एकत्र करेंगी। प्राप्त आवेदनों को तहसीलदार और ग्राम पंचायत सचिव स्वीकार करेंगे।

अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए अलग-अलग आयोग

मंत्रिमंडल ने मौजूदा संयुक्त अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग को समाप्त कर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए अलग-अलग आयोग गठित करने का भी निर्णय लिया। इसके लिए तेलंगाना राज्य अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग अधिनियम, 2003 को निरस्त करने की मंजूरी दी गई।

प्रत्येक नए आयोग में एक अध्यक्ष और पांच सदस्य होंगे। इस निर्णय का उद्देश्य अनुसूचित जाति एवं जनजाति समुदायों से प्राप्त शिकायतों और समस्याओं का शीघ्र निस्तारण करना है।

अग्निशमन सेवा अधिनियम में संशोधन को मंजूरी

मंत्रिमंडल ने तेलंगाना अग्निशमन सेवा अधिनियम में संशोधन के लिए अध्यादेश जारी करने को भी मंजूरी दी। इसमें आग की घटनाओं को रोकने, आग लगने के कारणों की पहचान करने और आपात स्थितियों में तेजी से कार्रवाई सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया है।प्रस्तावित संशोधन में मकानों, अपार्टमेंट और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के मालिकों द्वारा अपनाई जाने वाली सुरक्षा सावधानियों के साथ ही अग्निशमन सेवा विभाग की जिम्मेदारियां भी निर्धारित की जाएंगी।

सर्वे एवं सीमाओं से जुड़ी अपील की अवधि घटाई

मंत्रिमंडल ने तेलंगाना सर्वे एवं सीमा अधिनियम, 1923 की धारा 12(ए) में संशोधन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। इसके तहत सर्वेक्षण और भूमि सीमाओं से संबंधित जारी नोटिस के विरुद्ध अपील दायर करने की समय-सीमा 60 दिनों से घटाकर 30 दिन करने का निर्णय लिया गया है।मंत्रिमंडल ने जयशंकर भूपालपल्ली जिले के कातारम और हनमकोंडा जिले के एल्कतुरती में नवनिर्मित कनिष्ठ सिविल न्यायाधीश-सह-अतिरिक्त प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालयों के लिए 56 पदों को मंजूरी दी।

केंद्रीय मंत्रियों से मिले पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय



नई दिल्ली, 05 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश एवं हरियाणा के पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने 5 नवंबर 2026 को नई दिल्ली में केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल और केंद्रीय विद्युत एवं नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्री शीपाद येसो नाईक से शिष्टाचार भेंट की।इस अवसर पर श्री बंडारू दत्तात्रेय ने दोनों केंद्रीय मंत्रियों को दीपावली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

हिन्दी महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान आयोजित



हैदराबाद, 05 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) । हिन्दी महाविद्यालय में दि. 4 नवंबर को रीकन्सीलिएशन स्टेटमेंट विषय पर अतिथि व्याख्यान काआयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिथि व्याख्याता के रूप में हिन्दी महाविद्यालय के सेवानिकृत्त प्राचार्य वाणिज्य व्याख्याता एवं समिति के उपाध्यक्ष श्री श्यामसुंदर मूंदड़ा आमंत्रित थे। प्राचार्य डॉ. के बाला ने अतिथि का परिचय दिया तथा स्वागत भाषण प्रस्तुत व्यि। मुख्य अतिथि को सम्मानित किया गया। इसके उपरांत श्री श्यामसुंदर मूंदड़ा जी ने बहुत ही सरल उदाहरणों के माध्यम से छात्रों के बैंक रीकन्सीलिएशन स्टेटमेंट तैयारे करने की आकश्यव्ता और इसके व्याकहारिक ज्ञान के बारे में जानकारी दी। अतिथि द्वारा प्रदत्त बहुमूल्य विचारों से छात्रों का ज्ञानार्जन हुआ।

प्राध्यापकगणों में डॉ. वसंता (उपप्रचार्य), श्री मधुसूदन, श्री सत्यनारायण राव (सीओई), श्री कन्हैय्या कुमार, श्री पांडेय तथा वाणिज्य विभागध्यक्ष श्रीमती भावना उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती भावना तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री कन्हैय्या कुमार ने किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

बेगम बाजार में राधे-राधे ग्रुप की नियमित अन्नसेवा, जरूरतमंदों को कराया भोजन



हैदराबाद। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रुप द्वारा संचालित इस सेवा कार्य का उद्देश्य जरूरतमंद एवं असहाय लोगों तक भोजन पहुंचाकर उनके जीवन में राहत और खुशियां लाना है।

इस अवसर पर ग्रुप के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल सहित पन्नालाल अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल, जगन गुप्ता एवं राजेश सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर सेवा भावना के साथ अन्नसेवा कार्य में सहभागिता निभाई और जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया।



बिहार एसोसिएशन, हैदराबाद के अध्यक्ष हरे राम सिंह के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने तेलंगाना सरकार के परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पी. प्रभाकर से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर शिष्टमंडल ने उन्हें हैदराबाद में आयोजित होने वाले लोकआस्था के महापर्व छठ पूजा में सादर आमंत्रित किया।

ऊर्जा एवं पर्यावरण तकनीकों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'आई-मीट-2026' का आयोजन



सीएसआईआर-आईआईसीटी में देश-विदेश के 400 प्रतिनिधियों ने लिया भाग, स्वदेशी तकनीकों और अनुसंधान को बढ़ावा देने पर जोर

हैदराबाद, 05 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-आईआईसीटी), हैदराबाद की ओर से ऊर्जा एवं पर्यावरण प्रौद्योगिकियों के लिए नवीन कार्यात्मक सामग्रियों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'आई-मीट-2026' का आयोजन किया गया। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथियों ने कहा कि नवीन कार्यात्मक सामग्रियां ऊर्जा और पर्यावरण से जुड़ी उभरती चुनौतियों का समाधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इनके माध्यम से टिकाऊ प्रौद्योगिकियों और अगली पीढ़ी की ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के विकास की व्यापक संभावनाएं उपलब्ध हो रही हैं।

सम्मेलन में सामग्री विज्ञान, नैनो प्रौद्योगिकी, पर्यावरण संरक्षण एवं विद्युत-रासायनिक उपकरणों के क्षेत्र में हो रही प्रगति पर विशेष चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि इन क्षेत्रों में हो रहे अनुसंधान से मौलिक वैज्ञानिक खोजों को व्यावहारिक तकनीकी समाधानों में बदलने के नए अवसर मिल रहे हैं।

स्वागत भाषण में सीएसआईआर-आईआईसीटी के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने सम्मेलन की विषयवस्तु को स्वच्छ ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, पर्यावरण संरक्षण और उन्नत विनिर्माण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा कि इन जटिल चुनौतियों का समाधान करने के लिए विभिन्न वैज्ञानिक विषयों के विशेषज्ञों को एक मंच पर आकर साझा प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आई-मीट जैसे सम्मेलन विचारों के आदान-प्रदान, विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे अनुसंधानों की जानकारी प्राप्त करने और सार्थक सहयोग की नई संभावनाएं तलाशने का उत्कृष्ट मंच प्रदान करते हैं।

सम्मेलन का प्रमुख आकर्षण डॉ. आर. बालामुरली कृष्णन, डॉ. एस. वी. एस. नारायण मूर्ति, प्रो. टी. नरसिंगा राव और पद्मश्री डॉ. सुभा वी. अयंगर के व्याख्यान रहे। वक्ताओं ने भारत की ऊर्जा एवं पर्यावरण सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए स्वदेशी और आत्मनिर्भर प्रौद्योगिकियों के विकास पर जोर दिया। उन्होंने वैज्ञानिक नवाचारों को व्यावसायिक रूप से उपयोगी उत्पादों में बदलने के लिए बहुविषयक अनुसंधान, उद्योग एवं शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को महत्वपूर्ण बताया। साथ ही आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने में इन प्रयासों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में मुख्य व्याख्यान, आमंत्रित व्याख्यान, संक्षिप्त प्रस्तुतियां, युवा वैज्ञानिकों के शोध पत्रों की प्रस्तुतियां तथा पोस्टर सत्र आयोजित किए गए। इनमें निम्नलिखित प्रमुख विषयों पर चर्चा हुई

- दुर्लभ मृदा तत्व एवं महत्वपूर्ण सामग्रियां।
- चुंबकीय सामग्रियां, स्थायी चुंबक, स्पिनट्रॉनिक्स एवं मैग्नेटोकैलोरिक सामग्रियां।
- उन्नत कार्यात्मक ऑक्साइड, सिरेमिक, नैनो संरचित एवं बहुकार्यात्मक सामग्रियां।
- बैटरी, सुपरकैपेसिटर, सौर सेल, ईंधन सेल, हाइड्रोजन एवं तापविद्युत अनुप्रयोगों सहित ऊर्जा भंडारण, रूपांतरण एवं संचयन से संबंधित सामग्रियां।
- प्रकाश-विद्युत एवं दीप्तिमान सामग्रियां।
- उन्नत कोटिंग, सतह अभियांत्रिकी, आकार-स्मृति मिश्रधातुएं तथा सामरिक, पर्यावरणीय एवं रक्षा संबंधी अनुप्रयोगों के लिए उपयोगी सामग्रियां।

इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में रूस, जापान, इजरायल सहित भारत के विभिन्न हिस्सों से लगभग 400 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इनमें शोधकर्ता, संकाय सदस्य और विद्यार्थी शामिल रहे। सम्मेलन ने नवीन कार्यात्मक सामग्रियों के उभरते क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग, उद्योग एवं शिक्षण संस्थानों के बीच सहभागिता तथा ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी मंच प्रदान किया। इसमें विशेष रूप से ऊर्जा भंडारण, टिकाऊ प्रौद्योगिकियों और पर्यावरण संरक्षण में इन सामग्रियों के उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया।

आई-मीट-2026 का समन्वय डॉ. एल. गिरिबाबू, अध्यक्ष, पॉलिमर्स एवं फंक्शनल मैटेरियल्स विभाग ने किया। डॉ. वसुंधरा मुट्टा सम्मेलन संयोजक तथा डॉ. सूर्या प्रकाश सिंह सह-संयोजक रहे। आयोजन में संस्थान के अन्य सहयोगियों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अग्रवाल समाज का दीपावली मिलन 16 को

क्लासिक गार्डन में अन्नकूट प्रसाद एवं भजन संध्या का आयोजन



हैदराबाद, 05 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की ओर से दीपावली मिलन एवं अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर समाज कार्यालय, राघव रत्ना टावर, चिराग अली लेन में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कार्यक्रम के चेयरमैन राजेंद्र कुमार अग्रवाल ने की।

उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि कार्यक्रम 16 नवंबर को सायं 6:30 बजे से क्लासिक गार्डन, सिकंदराबाद में आयोजित होगा। इसमें अन्नकूट प्रसाद के साथ भजन संध्या भी होगी। समाज के सभी सदस्यों को कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है।

बैठक में परामर्शदाता सुरेश कुमार अग्रवाल (दिल्लीवाले), सुरेश कुमार अग्रवाल (सी.एस.के.), संयोजक मनसाराम अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, दीपक अग्रवाल एवं रामप्रकाश अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

रसूलपुरा मंदिर में महा अन्नकूट उत्सव 10 को

गोवर्धन पूजा, थाल गान एवं महाप्रसाद का होगा आयोजन

हैदराबाद, 05 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीएप-ीएस श्री स्वामिनारायण अक्षरधाम मंदिर, रसूलपुरा, सिकंदराबाद में 10 नवंबर को महा अन्नकूट उत्सव 2026 का भव्य आयोजन किया जाएगा। श्याम सुंदर अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उत्सव के अंतर्गत भक्ति, प्रार्थना, पूजा-अर्चना एवं दर्शन के विभिन्न कार्यक्रम होंगे। कार्यक्रमों की शुरुआत 7 नवंबर को शाम 6:30 बजे श्री हनुमानजी पूजन एवं आरती से होगी। 8 नवंबर को शाम 5 बजे लक्ष्मी पूजन, शारदा पूजन एवं चोपड़ा पूजन आयोजित होंगे। मुख्य महा अन्नकूट उत्सव 10 नवंबर को मनाया जाएगा। इस दिन सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक अन्नकूट दर्शन, सुबह



11:30 बजे से गोवर्धन पूजा एवं थाल गान तथा दोपहर 12 से 2:30 बजे तक महाप्रसाद की व्यवस्था रहेगी। मंदिर के साधु आत्मचिंतनदासजी, संत मंडल एवं हैदराबाद सत्संग मंडल ने सभी भक्तों से परिवार एवं मित्रों सहित पधारकर दर्शन और महाप्रसाद का लाभ लेने की अपील की है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.